राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 विराट कोहली ने संन्यास को लेकर दिया बड़ा बयान ... | राष्ट्रपति बनने के 9 दिन भीतर चीन पहुंचे 11

वर्ष : 15 | अंक : 36 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 मई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

संक्षिप्त खबरें

मोदी ने स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री पर हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को स्लोवाकिया के अपने समकक्ष रॉबर्ट फिको पर गोलीबारी की निंदा की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।मोदी ने कहा कि इस घड़ी में भारत स्लोवाकिया के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। स्लोवाकिया के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को हैंडलोवा शहर में एक सांस्कृतिक केंद्र के बाहर लोगों का अभिवादन कर रहे प्रधानमंत्री फिको पर कई गोलियां चलाई गईं। फिको (59) इस समय अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं।

दीघा के पास भयावह सड़क हादसा, चार पर्यटकों की मौत

कोलकाता। पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा के निकट गुरुवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मारिशदा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 116बी पर एक छोटा चार पहिया वाहन एक बस से टकरा गया। चार पहिया वाहन (कार) का अगला हिस्सा मुड़कर बस के नीचे घुस गया। बोनट से लेकर आगे की दो सीटों तक के हिस्से बस के अंदर घुस गए। कार से चार पर्यटक दीघा जा रहे थे। इन सभी की मौत हो गई है। सभी नदिया के रहने वाले बताए गए हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने सीतामढ़ी में चुनावी सभा को किया संबोधित

पीओके भारत का है, रहेगा और वह हम लेकर रहेंगे : शाह

बोलें-140 करोड़ का महान भारत है, वह किसी से नहीं डरता

प्रात : किरण

सीतामढी/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पीओके भारत का है, रहेगा और वह हम लेकर रहेंगे। सीतामढ़ी से राजग उम्मीदवार देवेश चंद्र ठाकुर के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यहां कहा, ये कांगेस वाले, ये फारूक अब्दुल्ला हमें डराते हैं कि पीओके मत मांगिए, उनके पास (पाकिस्तान के पास) एटम बम है। अरे राहुल बाबा, आपको डरना है तो डरिए पाकिस्तान से, एटम बम से, ये 140 करोड़ का महान भारत है, वह किसी से नहीं डरता। मैं आज सीता माता की धरती पर कहकर जाता हूं, पीओके भारत का है, रहेगा और वह हम लेकर रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया,ये कांग्रेस पार्टी और लालू एंड कंपनी ने 70 साल तक अनुच्छेद 370 को एक बच्चे की तरह गोदी में खिलाती रही। आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया। ये लालू बाबा और राहुल जी कहते थे, 370 मत हटाओ, वहां खून की नदियां बह जाएंगी। पांच साल हो गए, खून की नदियां छोड़ो, किसी की कंकड़ चलाने की हिम्मत नहीं है। शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी और राजद कई साल तक राम मंदिर के प्रश्न को लटकाते, अटकात, भटकाते रहे। मोदी जी को, बिहार वालो, आपने दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, पांच साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कर जय श्रीराम कर दिया। वहां मोदी जी ने जय सियाराम का नारा दिया। पहले संघर्ष का नारा जय श्री राम था, मोदी जी ने आगे मां सीता को जोड़कर भक्ति और समर्पण का नारा दिया- जय सियाराम। जब इसकी प्राण प्रतिष्ठा हुई, तब लालू जी, उनके बेटे, खरगे जी, राहुल बाबा, सबको निमंत्रण दिया गया। कोई नहीं गया। क्यों नहीं गए, मालूम है, वे अपनी वोट बैंक से डरते हैं, हम भाजपा वाले उस वोट बैंक से नहीं डरते हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी ने अयोध्या में रामलला का मंदिर बनाया। एक काम पूरा हुआ। अब मां सीता की जन्म भूमि पर महान स्मारक बनाने का काम बाकी है। रामलला के मंदिर से अपने आपको दूर रखने वाले वह नहीं बना सकते। सीता माता का भाव, उनके त्याग, समर्पण, तपस्या और आदर्श के अनुरूप स्मारक/मंदिर अगर कोई बना सकता है तो नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ही बना सकती है। मैं आप लोगों को विश्वास दिलाकर जाता हूं, न केवल भारत, न केवल बिहार, न केवल पूर्वांचल, मिथिलांचल, पूरी दुनिया का आकर्षण का केंद्र हमारा सीतामढ़ी बने, ऐसा भव्य मंदिर बनाने का काम हम करेंगे। शाह ने कहा, मोदी जी ने सहकारी विभाग शुरू किया है, रीगा का चीनी मिल शुरू करने की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी की है। अब इसमें इथेनॉल, चीनी, गुड़ बनेगा और इसका मुनाफा सीधे रीगा के किसानों के खाते में जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया, कोरोना महामारी के वक्त तेजस्वी और राहुल बाबा कह रहे थे कि ये मोदी टीका है, मत लीजिए। ये तो अच्छा है कि बिहार वाले राहुल बाबा की सुनते नहीं हैं, सबने टीका लगा लिया।

पीएम ने चुनावी सभा को किया संबोधित, विपक्ष पर साधा निशाना

कोई भी सीएए को खत्म नहीं कर सकता : मोदी

सपा, बसपा व कांग्रेस ने सीएए के नाम पर देश को दंगों की आग में झोंकने का प्रयास किया

प्रात : किरण

आजमगढ़/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को आजमगढ़ में भाजपा सांसद व प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कोई माई का लाल सीएए को खत्म नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सपा बसपा कांग्रेस ने सीएए के नाम पर झूठ फैलाया। पूरे देश को दंगों की आग में झोंकने का प्रयास किया। इंडी गठबंधन वाले कहते हैं जिस दिन मोदी जायेगा यह सीएए भी जायेगा। देश का हर नागरिक जान गया है कि वोट बैंक की राजनीति कर हिन्दू मुसलमान को लड़ाकर सेक्युलरिज्म का चोला पहनरखा था। आपकी सच्चाई बाहर नहीं आ रही थी लेकिन मोदी ने आपकी सच्चाई उजागर कर दी है। आपने देश को 7 दशक तक साम्प्रदायिकता की आग में जूझने के लिए मजबूर कर दिया था।

इंडी गठबंधन तुष्टिकरण के दलदल में पूरी तरह फंस चुकी :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन तुष्टिकरण के दलदल में पूरी तरह फंस चुकी है। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेता राम मंदिर को लेकर आए दिन घटिया बातें कर रहे हैं। कांग्रेस के शहजादे ने तो राम मंदिर को गालियां देने का मिशन ही चला रखा है। वोटबैंक के लिए यह लोग हमारी आस्था पर चोट कर रहे हैं। मोदी ने कहा भारत के लोगों को मोदी की गारंटी पर कितना भरोसा है। इसका उदाहरण सीएए कानून है। इसके तहत शरणार्थियों को कल नागरिकता दी गई। यह वे लोग हैं जो भारत के बंटवारें में बाहर चले गये थे। इंडी गठबंधन वाले लोग महात्मा गांधी की बातों को याद नहीं रखते। महात्मा गांधी ने कहा था कि वे कभी भी भारत आ सकते हैं।

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

राज भवन
पटना–800022
RAJ BHAVAN
PATNA 800022

संदेश

माता जानकी के प्राकट्य दिवस **'जानकी नवमी'** के पावन अवसर पर मैं बिहारवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

माँ जानकी भारतीय नारी का आदर्श तथा त्याग, तपस्या, संयम, साधना, धैर्य और प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने जीवन की चुनौतियों, संघर्षों एवं क्लेशों का साहसपूर्वक सामना करते हुए अपने सभी कर्त्तव्यों का पालन पूर्ण समर्पण के साथ किया। उनकी सत्यनिष्ठा, चरित्रनिष्ठा, कर्त्तव्यपरायणता और पवित्रता हमारे लिए प्रेरक हैं।

मेरी कामना है कि जगत जननी माँ सीता हमें उच्चादर्शों पर चलने तथा देश एवं राज्य के विकास में सहभागी बनने की यथेष्ट प्रेरणा व शक्ति प्रदान करें।

(राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर)

PR No.- 00715 (Governor Secretariat) D. 2024-25

सीएम नीतीश ने पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुशील मोदी को दी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व सुशील कुमार मोदी के राजेन्द्र नगर स्थित आवास पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही स्व सुशील कुमार मोदी की धर्मपत्नी श्रीमती जेसिस जार्ज जी से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। सीएम नीतीश के साथ बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी और राज्यसभा सांसद संजय झा भी मौजूद थे। थोड़ी देर मुलाकात के बाद सीएम नीतीश सुशील मोदी के आवास से निकल गए। दरअसल, 13 मई को सुशील मोदी का निधन हो गया। सुशील मोदी 72 साल के उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिए। सुशील मोदी कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कैंसर होने की जानकारी दी थी। वहीं इसके 40 दिन बाद ही सुशील मोदी का निधन हो गया। सुशील मोदी ने दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। 14 मई को सुशील मोदी का पार्थिव शरीर पटना आया। जिसके बाद राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

भाजपा से परेशान है देश की जनता चुनाव में सिखाएगी सबक : तेजस्वी

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर भाजपा व केन्द्र सरकार पर हमला बोला है। गुरूवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जिन्होंने पेपर लीक कराया, देश के युवा इस बार उनका पेपर लीक कर देंगे। तेजस्वी ने कहा कि जनता भारतीय जनता पार्टी से परेशान है। इसलिए देश की जनता 2024 में बदलाव चाहती है। तेजस्वी ने कहा कि इस देश के युवा नाराज हैं, उन लोगों से जिन्होंने पेपर लीक कराया। देश का युवा कह रहा है कि पेपर लीक करानेवाले बीजेपी का चुनाव हम लीक करा देंगे। राजद नेता ने कहा कि बीजेपी का काम सिर्फ नकारात्मक और झूठ बोलकर देश की जनता को बेवकूफ बनाना है। इसलिए देश की जनता इस बार उनके झांसे में नहीं आएगी। वह सब समझ चुकी है। सीतामढ़ी में भव्य सीता मंदिर बनाने की अमित शाह की घोषणा को लेकर भी तेजस्वी ने कहा वहां मंदिर तो हम बनवा रहे हैं। जब हम पर्यटन मंत्री तो मैंने ही वहां मंदिर बनाने के काम की शुरूआत की थी।

97 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से 45.1 करोड़ लोगों ने डाले वोट

चार चरणों में 67 प्रतिशत हुआ मतदान : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों में कुल मतदान 66.95 प्रतिशत दर्ज किया गया। उसका यह भी कहना है कि करीब 97 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से 45.1 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया है। आयोग ने बयान में मतदाताओं का आह्वान किया कि वे आने वाले चरणों में मतदान के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकलें। उसके अनुसार, 13 मई को हुए चौथे चरण में अद्यतन मतदान 69.16 प्रतिशत था, जो 2019 के संसदीय चुनावों में इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत अंक अधिक है।

लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण के मतदान के लिए अद्यतन मतदान का आंकड़ा 65.68 प्रतिशत रहा। 2019 के आम चुनाव के तीसरे चरण में 68.4 प्रतिशत मतदान हुआ था। गत, 26 अप्रैल को हुए चुनाव के दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के दूसरे चरण में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। मौजूदा आम चुनाव के पहले चरण में 66.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 2019 के चुनाव में पहले चरण में 69.43 फीसदी मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग ने कहा कि संसदीय चुनाव के शेष तीन चरणों में मतदाताओं को सूचित करने, प्रेरित करने और सुविधा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को कदम उठाने के लिए कहा गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, आयोग का दृढ़ विश्वास है कि साझेदारी और सहयोग मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के आवश्यक स्तंभ हैं।

संक्षिप्त समाचार

कानूनगो और पटवारी न होने से प्रभावित हो रहे काम : चौहान

जसपुर, एजेंसी। तहसील में कानूनगो और अमीन के पद रिक्त होने से किसानों के भूमि के नापजोख एवं अन्य कार्य नहीं हो पा रहे हैं। विधायक आदेश चौहान ने जिला अधिकारी से भेंट कर तहसील में अमीन और तहसीलदार की नियुक्ति करने, अवैध खनन में लिप्त डंपरों पर प्रतिबंध लगाने को कहा। मंगलवार को विधायक आदेश चौहान ने अपने कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि उन्होंने सोमवार को जिलाधिकारी से भेंट कर उन्हें तहसील की स्थिति से अवगत कराया और अमीन और कानूनगो की नियुक्ति के लिए कहा। कहा कि एक कानूनगो ने वीआरएस मांगा है और दूसरे कानूनगो को प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है। अमीन का पद काफी समय से रिक्त चल रहा है। विधायक ने तहसील में कानूनगो एवं अमीन की नियुक्ति करने, साथ ही अवैध खनन में लिप्त बिना नंबर के डंपर पर प्रतिबंध लगाने को कहा है।

पार्क में खेलने गए कांस्टेबल के दस वर्षीय बेटे का अपहरण, सीसीटीवी खंगाल तलाश में जुटी

काशीपुर, एजेंसी। आवास विकास कालोनी के पार्क में खेलने गया पुलिस कांस्टेबल का दस वर्षीय पुत्र अचानक लापता हो गया। पुलिस अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर सीसीटीवी खंगाल तलाश में जुटी है। न्यू आवास विकास निवासी बाराबंकी में तैनात उप्र पुलिस के कांस्टेबल रविंद्र कुमार ने दी तहरीर में बताया कि उनका 10 वर्षीय बेटा रचित मंगलवार शाम पांच बजे घर के पास ही पार्क में खेलने गया था। रात तक भी वह वापस नहीं लौटा तो आसपास तलाश की गई लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार खेलने के बाद रचित रेलवे कालोनी की तरफ गया था और वहां टंकी से पानी पीते देखा गया था। सीसीटीवी में भी वह बैग लेकर पार्क की तरफ जाते दिखा है, लेकिन उसके बाद की लोकेशन का पता नहीं चल सका है। कोतवाल आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर अपहरण में प्राथमिकी दर्ज कर अलग-अलग टीम बच्चे की बरामदगी के प्रयास कर रही है। रविंद्र कुमार ने बताया कि रात में सूचना मिलते ही वह बुधवार सुबह काशीपुर पहुंच गए। उनका किसी से कोई विवाद या रंजिश भी नहीं है।

मकान मालिक ने दो अन्य साथियों संग महिला से किया दुष्कर्म का प्रयास

रुद्रपुर, एजेंसी। छत पर कपड़े लेने गई महिला से मकान स्वामी और उसके दो अन्य साथियों ने दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता भागने लगी तो फायर झोंक दिया। फायरिंग की आवाज सुन आसपास के लोग एकत्र हुए तो आरोपित फरार हो गए। बाद में पीड़िता ने पुलिस को तहरीर सौंप कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से मिलक रामपुर निवासी महिला ने बताया कि वह रेशमबाड़ी में किराए में रहती है और मेहनत मजदूरी करती है। मंगलवार रात वह छत पर कपड़े लेने गई हुई थी। इस दौरान पहले से ही छत पर फायरिंग की। मौजूद मकान स्वामी और उसके दो साथियों ने उसे पीछे से पकड़ कर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर मकान स्वामी ने उसकी पिटाई की। साथ ही तमंचा तानकर दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला ने बताया कि इस पर वह मौके से भागने लगी तो मकान स्वामी ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्र हुए तो आरोपित फरार हो गए। महिला का आरोप है कि मकान स्वामी उस पर गंदी नियत रखता है, उससे उसे जानमाल का खतरा बना हुआ है। पीड़िता ने पुलिस से जांच कर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल धीरेंद्र कुमार ने बताया कि जांच की जा रही है, इसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बीडीसी बैठक में जिलास्तरीय अधिकारी शामिल न हुए तो कार्रवाई

अल्मोड़ा, एजेंसी। क्षेत्र पंचायत की बैठकों में शामिल न होने वाले जिला स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। डीएम विनीत तोमर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनने खुद जिला स्तरीय अधिकारियों को बीडीसी बैठक में पहुंचना होगा।

डीएम ने कहा कि जिले के विकासखंडों में आयोजित होने वाली बीडीसी बैठकों का रोस्टर जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों को हर बीडीसी बैठक में पहुंचना होगा। कहा कि बैठकों की तिथियां

दिल्ली के मुख्य सचिव को नैनीताल हाई कोर्ट से बड़ी राहत, एनजीओ अधिकारियों के मामले में कार्रवाई पर फिलहाल रोक

नैनीताल, एजेंसी।
हाई कोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार को एनजीओ के अधिकारियों को फंसाने और धमकाने सहित अन्य मामले में बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने इस मामले में निचली कोर्ट के साथ ही प्राथमिकी में आगे की पुलिस कार्रवाई को फिलहाल निलंबित कर दिया है। साथ ही राज्य सरकार को मामले में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि 22 मई नियत की है। मुख्य सचिव व उनके अधीनस्थ के विरुद्ध मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अल्मोड़ा की कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के साथ ही डकैती, आपराधिक अतिक्रमण व आपराधिक साजिश, जानबूझकर अपमान और धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे।

न्यायालय के इस आदेश के बाद मुख्य सचिव और अन्य के विरुद्ध अल्मोड़ा में एसटी-एसटी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

द प्लीजेंट वैली फाउंडेशन के संयुक्त सचिव विपिन कुमार आर्य के अनुसार दिल्ली में पंजीकृत फाउंडेशन ग्राम डाडाकांडा में धर्मार्थ विद्यालय चला रहा है। फाउंडेशन ने दिल्ली सरकार के अधिकारी राजशेखर निवासी एचआइजी फ्लैट्स मोतिया खान दिल्ली के विरुद्ध केंद्रीय सतर्कता आयोग में शिकायत दर्ज करवाई थी। उन पर घोटालों के आरोप थे।

आरोप है कि राजशेखर ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार के साथ मिलकर पीड़ित से शिकायत वापस लेने को दबाव बनाया। यह भी आरोप है कि शिकायत वापस लेने का दबाव डालने को उन्होंने बीते 14 फरवरी को चार व्यक्तियों को धमकाने के लिए दिल्ली से डाडाकांडा भेजा। शिकायतों से संबंधित साक्ष्य वाले दस्तावेजों, रिकॉर्ड और सबूत वाली पेन ड्राइव लूटकर ले जाने का प्रयास किया।

शिकायत को शीघ्र वापस नहीं लेने पर फाउंडेशन के अधिकारियों को फंसाने की धमकी भी दी। अपने साथ लाए कुछ दस्तावेज और शपथ पत्र में भी हस्ताक्षर करवाने को दबाव बनाया।

आरोप है कि 63 हजार की नकदी भी आरोपित लूट ले गए। इस मामले में अल्मोड़ा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद राजस्व पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध आइपीसी की धारा 392, 447, 120बी, 504 और 506 तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। यह केस जांच के लिए राजस्व पुलिस से रेगुलर पुलिस को हस्तांतरित कर जांच आरंभ कर दी गई।

अल्मोड़ा के सीजेएम के आदेश को दिल्ली के मुख्य सचिव की ओर से याचिका दायर कर हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। उनका कहना था कि शिकायतकर्ता ने बिना किसी सामग्री के सीआरपीसी की धारा 156 (तीन) के तहत आवेदन दिया है।

,न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने मामले को सुनने के बाद निचली अदालत की कार्रवाई तथा मुकदमे में आगे की जांच पर फिलहाल रोक लगा दी है। साथ ही पक्षकारों को 21 मई तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी।

गर्मी का प्रचंड प्रकोप, इस शहर में पारा 40 डिग्री पार; चार साल का टूटा रिकॉर्ड

हल्द्वानी, एजेंसी।
मैदानी क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदलने से कुछ दिन जरूर राहत मिली, मगर सूर्य ने अब फिर से आग उगलना शुरू कर दिया है। हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया।

भीषण गर्मी की मार के साथ ही लू के थपेड़ों ने लोगों को बेहाल कर दिया। वहीं, प्रचंडता का प्रहार बढ़ने के साथ ही मई में अधिकतम पारा चार वर्षों में सर्वाधिक रिकॉर्ड किया गया।

हल्द्वानी मंगलवार को तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा था, मगर 24 घंटे में पारा दो डिग्री की उछाल मार कर 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम पारा 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में दिन और रात के पारे की तुलना करें तो अधिकतम तापमान में 20.1 डिग्री वृद्धि रिकॉर्ड हुई।

इधर, 10 दिन पूर्व पांच मई को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहा था। उसके बाद मौसम का मिजाज बदलने से पारे में गिरावट दर्ज हुई और तापमान 31 डिग्री तक पहुंच गया था। लेकिन उसके बाद से लगातार गर्मी के प्रकोप में वृद्धि हो रही है। वहीं मई 2023 की बात करें तो दिन का पारा 38.2 डिग्री सेल्सियस तक रहा था।

क्षमता से डेढ़ गुना अधिक यात्री भरकर दौड़ा दी बस

अल्मोड़ा, एजेंसी।
पहाड़ों की खतरनाक सड़कों पर आए दिन ओवरलोडिंग के चलते हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी वाहन चालक गंभीर नहीं हैं। हल्द्वानी से पिथौरागढ़ के पांखू जा रही एक केमू बस में चालक ने क्षमता से डेढ़ गुना अधिक यात्री भर दिए। हैरानी की बात है कि ओवरलोडिंग करने वाले चालक के पास बस के कोई दस्तावेज मौजूद नहीं थे। पुलिस ने बस को सीज कर अन्य वाहनों की व्यवस्था कर यात्रियों को गंतव्य को भेजा।

पुलिस ने हल्द्वानी-पिथौरागढ़ हाईवे पर लोधिया के पास हल्द्वानी से पांखू जा रही एक केमू बस संख्या यूके 04 पीए 0460 को रोका तो चालक ने बस दौड़ा दी। टीम ने उसक पीछा कर किसी तरह कुछ दूरी पर बस रोकी तो उसमें 46 यात्री मिले, जबकि उसकी क्षमता सिर्फ 30 यात्रियों की थी। चेकिंग के दौरान पुलिस को चालक के पास बस संबंधी कोई दस्तावेज

नहीं मिले। ओवरलोडिंग कर यात्रियों की जान जोखिम में डालने पर पुलिस ने बस को सीज किया। यात्रियों को अन्य वाहनों की व्यवस्था कर मौके से रवाना किया गया। इंटरसैप्टर प्रभारी सुमित पांडे ने कहा कि ओवरलोडिंग कर यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी अभियान जारी रहेगा। पुलिस ने बीते एक माह में यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 1,911 लोगों का चालान किया।

कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन प्रकाश पांडे ने लिया संन्यास, बन गया योगी प्रकाशनाथ

हल्द्वानी, एजेंसी।
काठमांडू के नाथ संप्रदाय के आचार्य दंडीनाथ महाराज का दावा है कि उन्होंने दो महीने पहले अल्मोड़ा जेल के अंदर जेल प्रशासन की निगरानी में प्रकाश पांडे को संन्यास की दीक्षा दिलाई। भगवा वस्त्र व कंठा भी पहनाया। दंडीनाथ ने अपने एक्स पर भी इसकी जानकारी साझा की है।

जरायम की दुनिया में कदम रखने के बाद पीपी ने नैनीताल, अल्मोड़ा, हल्द्वानी व रानीखेत में अवैध शराब, लीसा तस्करी की थी। अवैध कामों में कमाई बढ़ी तो पीपी का दुस्साहस भी बढ़ता चला गया। मुंबई में रहकर वह डान बनना चाहता था। 90 के दशक में वह मुंबई पहुंच गया। यह वह दौर था, जब देश बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद फैली सांप्रदायिक हिंसा की आग में जल रहा था।

इस बीच मुंबई में ब्लास्ट हुए, जिसका जिम्मेदार दाउद को बताया गया। जब दाऊद व छोटा राजन अलग हो गए थे। इसी बीच

प्रकाश पांडे उर्फ पीपी की मुलाकात छोटा राजन से हुई और उसके डान बनने का सफर शुरू हो गया था। वर्ष 2010 में पीपी वियतनाम से गिरफ्तार हो गया था। सितारगंज, पौड़ी आदि के बाद वह अल्मोड़ा जेल में बंद है। 17 मार्च को उसने अल्मोड़ा जेल प्रशासन को पत्र लिखकर जीवन में किए अपराधों पर पश्चाताप कर संन्यासी बनने की अनुमति मांगी थी। इधर नाथ संप्रदाय के आचार्य दंडीनाथ

महाराज ने फोन पर हुई बात में दावा किया कि 28 मार्च को हर्षण योग युक्त अमृत वेला में जिला जेल पीपी की संन्यास दीक्षा संपन्न हुई। इस दौरान पीपी को भगवा वस्त्र व कंठा धारण कराया गया। दीक्षा लेने के बाद वह योगी प्रकाशनाथ बन गया। सारे अनुष्ठान जेल प्रशासन की निगरानी में हुए। आचार्य दंडीनाथ महाराज ने इसकी जानकारी अपने एक्स पर भी साझा की है।

फिर सुलगे जंगल, धुएं से घुट रहा दम; हल्द्वानी में धधका चिड़ियाघर का जंगल

कोटद्वार, एजेंसी।
तीन दिन पूर्व हुई वर्षा से जंगलों में विकराल हुई आग ठंडी पड़ गई थी। लेकिन, दो दिन से लगातार चढ़ रहे पारे से एक बार फिर जंगलों में आग लगनी शुरू हो गई है।

बुधवार को देवीखाल-गुमखाल के मध्य जंगलों में भीषण आग लगी थी। चारों ओर फैले धुएं से आसपास के ग्रामीणों का सांस लेना भी दूभर हो गया था। यही नहीं, धुआं राष्ट्रीय राजमार्ग से आवाजाही करने वाले वाहन चालकों के लिए भी मुसीबत कर रहा था। गर्मी के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अप्रैल माह के अंत से ही लगातार जंगल धधक रहे थे। स्थिति वन विभाग के कंट्रोल से बाहर हो चुकी थी। ऐसे में तीन दिन पूर्व हुई वर्षा ने जंगलों की आग को शांत किया। लेकिन, अब दोबारा पारा चढ़ने के साथ ही जंगलों में आग की घटना बढ़ने लगी हैं। देवीखाल-गुमखाल के मध्य आग लगने से कई हेक्टेयर क्षेत्र में फैली वन संपदा जलकर खाक हो गई। आग गांव व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों तक न पहुंचे। इसके लिए ग्रामीण आसपास के क्षेत्र में चीड़ की पत्तियों को साफ करते हुए नजर आए। धुएं के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग में भी गहरी धुंध छाई हुई थी। जंगलों में आग लगने से प्राकृतिक स्रोतों पर भी खतरा मंडराने लगा है। देवीखाल से गुमखाल

के मध्य कई गांव में पानी का फोर्स कम हो गया है। ऐसे में यदि आग इसी तरह लगी रहेगी तो पेयजल संकट और अधिक गहरा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में कई प्राकृतिक स्रोत तो पूरी तरह खत्म हो गए हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में ग्रामीणों के लिए प्राकृतिक स्रोत से ही पेयजल योजना बनाई गई है। हल्द्वानी ः छह दिन की राहत के बाद बुधवार को वन विभाग के लिए फिर से चुनौती का दौर शुरू हो गया। पहले रामनगर डिवीजन की देचौरी रेंज में आग लगी तो रात में गौलापार स्थित चिड़ियाघर का जंगल चपेट में आ गया। देर रात तक वन विभाग की टीम आग पर काबू पाने में जुटी हुई थी। नौ मई के बाद से कुमाऊं के जंगलों मे आग का एक भी मामला सामने नहीं आया था। जबकि इससे पूर्व लगातार स्थिति नियंत्रण से बाहर हो रही थी, जिस वजह से वन विभाग संग ग्रामीण भी परेशान नजर आए। वहीं, वन संरक्षक पश्चिमी वृत्त डा. विनय कुमार भार्गव ने बताया कि बुधवार को देचौरी रेंज के धमोला कक्ष के जंगल में आग लगी थी। कड़ी मशक्कत के बाद वनकर्मियों ने यहां आग पर काबू पाया। मगर देर रात गौलापार स्थित प्रस्तावित चिड़ियाघर के जंगल में आग लग गई।

दून से बागेश्वर जा रही बस अल्मोड़ा से आगे नहीं बढ़ी

अल्मोड़ा, एजेंसी।
देहरादून से 30 यात्रियों को लेकर लौट रही बागेश्वर डिपो की बस अल्मोड़ा के पड्यूला बैंड में खराब होकर बीच सड़क पर खड़ी हो गई। दो घंटे बाद अल्मोड़ा से दूसरी बस भेजकर यात्रियों को भेजा गया। बुधवार को बागेश्वर डिपो की बस देहरादून से यात्रियों को लेकर अल्मोड़ा रोडवेज स्टेशन पहुंची। जलपान के बाद बस यहां से बागेश्वर रवाना हुई। आठ किमी चलने के बाद अचानक बस में खराबी आ गई और चालक ने इसे सड़क किनारे खड़ा कर दिया। कई कोशिश के बाद भी बस आगे नहीं बढ़ सकी और यात्री परेशान रहे। दो घंटे बाद अल्मोड़ा डिपो ने दूसरी बस मौके पर भेजी जो यात्रियों को लेकर बागेश्वर रवाना हुई। इधर, अल्मोड़ा डिपो के एआरएम विजय तिवारी ने बताया कि बस में तकनीकी खराबी आने से दिक्कत हुई। यात्रियों के लिए दूसरी बस भेजी गई। अल्मोड़ा डिपो के बेड़े में शामिल 30 में से 21 जबकि बागेश्वर डिपो के बेड़े में शामिल 15 में से आठ बसें अपनी उम्र पार कर चुकी हैं। पहाड़ी सड़कों पर ये बसें आठ लाख किमी का सफर तय कर चुकी हैं। नियमों के मुताबिक अब ये बसें पहाड़ी सड़कों पर नहीं दौड़ सकतीं।

धाम के लिए निकली रुद्रनाथ की उत्सव डोली, 18 मई को खुलेंगे पंच केदार में चतुर्थ केदार के कपाट

चमोली, एजेंसी।
पूजा-अर्चना के बाद आज रुद्रनाथ की उत्सव डोली रात्रि प्रवास के लिए ल्वींठी बुग्याल पहुंचेगी और 17 मई को डोली देर शाम रुद्रनाथ मंदिर में प्रवेश करेगी।

पंच केदार में चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 18 मई को सुबह 5ः00 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। गुरुवार को गोपेश्वर के गोपीनाथ मंदिर परिसर से रुद्रनाथ की उत्सव डोली अपने धाम के लिए रवाना हुई। गोपीनाथ मंदिर के गर्भगृह से रुद्रनाथ की प्रतिमा को विधि-विधान से मंदिर परिसर में स्थापित कर दिया गया। आज पूजा-अर्चना के बाद रुद्रनाथ की उत्सव डोली रात्रि प्रवास के लिए ल्वींठी बुग्याल पहुंचेगी और 17 मई को डोली देर शाम रुद्रनाथ मंदिर में प्रवेश करेगी। 18 को प्रातः पांच बजे विधि-विधान से मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस वर्ष मंदिर की पूजा-अर्चना की जिम्मेदारी प्रधान पुजारी वेदप्रकाश भट्ट संभालेंगे। मंदिर परिसर में स्थित रुद्रनाथ डोली निवास स्थल पर भगवान रुद्रनाथ की विशेष पूजा आयोजित हुई।

अमेरिका की सिमोना ने ध्यान गुफा में की दो दिन साधना, इस सीजन की पहली साधक

रुद्रप्रयाग, एजेंसी।
केदारनाथ धाम स्थित ध्यान गुफा में इस सीजन की पहली साधक अमेरिका की सिमोना स्टेंस हैं। साथ ही बीते छह वर्षों में ध्यान गुफा में साधना करने वाली पहली विदेशी शिव भक्त भी बन गई हैं। उन्होंने दो दिन तक ध्यान गुफा में साधना की।

सोमवार को सिमोना स्टेंस गौरीकुंड से पैदल चलकर 16 किमी की दूरी तय कर केदारनाथ पहुंचीं और अपराह्न बाद सीधे ध्यान गुफा गईं। उन्होंने ध्यान गुफा में साधना के लिए ऑनलाइन बुकिंग की थी। सिमोना स्टेंस काफी खुश नजर आईं।

ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करते हुए उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में पहुंचकर मानसिक शांति मिलती है। केदारनाथ आकर वह

स्वयं को धन्य मान रही है। गढ़वाल मंडल विकास निगम के गोपाल सिंह रौथाण ने बताया कि 10 मई से शुरू हुई केदारनाथ यात्रा में

सिमोना स्टेंस इस वर्ष की पहली साधक हैं, जिन्होंने ध्यान गुफा में साधना की है। गढ़वाल मंडल विकास निगम को ध्यान गुफा के लिए जून माह तक की बुकिंग मिल चुकी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2019 में धाम में पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के बाद ध्यान गुफा चले गए थे। जहां उन्होंने 17 घंटे तक साधना व ध्यान लगाया। इसके बाद 19 मई की सुबह प्रधानमंत्री केदारनाथ से बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हो गए थे। 2018 में केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्य करने वाली संस्था नेहरू पर्वतारोहण संस्थान ने मंदिर से लगभग डेढ़ किमी पीछे मंदाकिनी नदी के दूसरी तरफ पहाड़ी पर ध्यान गुफा का निर्माण किया था। इस वर्ष केदारनाथ में ध्यान गुफा में साधना करने वाली सिमोना स्टेंस पहली साधक हैं। बीते छह वर्षों में ध्यान गुफा में पीएम सहित देश के विभिन्न राज्यों के कई साधक यात्राकाल में साधना कर चुके हैं।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

PREMIER Roadlines Ltd.
We serve excellence ....

PREMIER ROADLINES LIMITED

Our Company was originally incorporated as private limited Company in the name of "Premier Roadlines Private Limited" under the provisions of the Companies Act, 1956 vide Certificate of Incorporation dated March 19, 2008 issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana with CIN U51103DL2008PTC175563. Subsequently, pursuant to Special Resolution passed by the Shareholders at the Extra Ordinary General Meeting, held on May 09, 2012 our Company was converted into a Public Limited Company and consequently the name of our Company was changed from "Premier Roadlines Private Limited" to "Premier Roadlines Limited" vide a fresh certificate of incorporation consequent upon conversion from private company to public company dated June 28, 2012 issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana, bearing CIN U51103DL2008PLC175563.

Registered Office: B-870, Near Church, New Ashok Nagar, New Delhi – 110096, Delhi, India. ; **Corporate Office:** 501, 5th Floor, Plot No. 4B, Tower A, Nextra, Mayur Vihar, Phase-I Extension, East Delhi– 110091, Delhi,
Tel No: +91-11- 4401 5000; **E-mail:** cs@prlindia.com; **Website:** www.prlindia.com ; **CIN:** U51103DL2008PLC175563 ; **Contact Person:** Gaurav Chakarvati, Company Secretary & Compliance Officer

OUR PROMOTERS: VIRENDER GUPTA, RAKHI GUPTA AND SAMIN GUPTA

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF NSE (NSE EMERGE)."

We are engaged in providing logistics solutions to businesses, particularly surface transportation of goods ranging from 1 MT to 250

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC OFFER OF 60,24,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF PREMIER ROADLINES LIMITED ("OUR COMPANY" OR "THE ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 67 PER EQUITY SHARE (INCLUDING SHARE PREMIUM OF ₹ 57 PER EQUITY SHARE) FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ 4036.08 LAKHS ("PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH 3,04,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 67 PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ 203.68 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 57,20,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 67 PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹ 3832.40 LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.35% AND 25.02% RESPECTIVELY OF THE POST- ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE IS RS.10 AND ISSUE PRICE IS RS. 67 EACH. THE ISSUE PRICE IS 6.7 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE
ANCHOR INVESTOR ISSUE PRICE: RS. 67 PER EQUITY SHARE. THE ISSUE PRICE IS 6.7 TIMES OF THE FACE VALUE

BID/ ISSUE PERIOD

ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE WAS: THURSDAY, MAY 09, 2024
BID / ISSUE OPENED ON: FRIDAY, MAY 10, 2024
BID / ISSUE CLOSED ON: TUESDAY, MAY 14, 2024

RISKS TO INVESTORS:

a) We do not have our own fleet and are heavily dependent on third party service providers (i.e. Small Fleet Owners and Agents) to effectively carry on our logistics operations.
b) Disruptions or failures in our information technology systems including cyber risks may affect our operations.
c) The Merchant Banker associated with the Issue has handled 46 SME public issue in the past three years out of which 2 SME Public Issue closed below the Issue Price on listing date.
d) Average cost of acquisition of Equity Shares held by the Individual Promoter is

Sr. No.	Name of the Promoters	Average cost of Acquisition (in ₹)
1.	Virender Gupta	1.30
2.	Rakhi Gupta	7.07
3.	Samin Gupta	1.60

and the Issue Price at the upper end of the Price Band is Rs. 67 per Equity Share.
e) The Price/ Earnings ratio based on Diluted EPS for Fiscal 2023 for the company at the upper end of the Price Band is 15.69
f) Weighted Average Return on Net worth for Fiscals 2021, 2022, 2023 is 21.44%.
g) The Weighted average cost of acquisition of all Equity Shares transacted in the last one year, 18 months and three years from the date of Prospectus is as given below:

Period	Weighted Average Cost of Acquisition (in Rs.)	Upper end of the Price Band (Rs. 67) is 'X" times the weighted Average cost of Acquisition	Range of acquisition price: Lowest Price – Highest Price (in Rs.)
Last 1 year	0.30	223.33	0-160
Last 18 months	1.37	48.91	0-150
Last 3 years	2.59	25.87	0-140.95

h) The Weighted average cost of acquisition compared to Floor Price and Cap Price.

Types of transactions	Weighted average cost of acquisition (₹ per Equity Shares)	Floor price (i.e. ₹ 63)	Cap price (i.e. ₹ 67)
WACA of primary issuance(exceeding 5% of the pre issue capital)	NA^	NA^	NA^
WACA for secondary sale / acquisition (exceeding 5% of the pre issue capital)	NA^^	NA^^	NA^^
Weighted average cost of acquisition of primary issuances/ secondary transactions as per paragraph 8(c) above	13.55	4.65 times	4.94 times

Note:
^There were no primary/ new issue of shares (equity/ convertible securities) as mentioned in paragraph 8(a) above, in last 18 months from the date of the Prospectus. ^^There were no secondary transactions as mentioned in paragraph 8(b) above, in last 18 months from the date of the Prospectus.

PROPOSED LISTING: FRIDAY, MAY 17, 2024*

The Issue was being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations, as amended, wherein not more than 50% of the Net Issue was available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs", the "QIB Portion"), Our Company in consultation with the Book Running Lead Manager has allocated upto 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"). Further, not less than 15% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders and not less than 35% of the Net Issue was made available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI (ICDR) Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) were required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of RIBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors were not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, see ***"Issue Procedure"*** beginning on page 247 of the Prospectus.

The investors are advised to refer to the Prospectus for the full text of the Disclaimer clause pertaining to NSE. For the purpose of this Issue, the Designated Stock Exchange will be the National Stock Exchange of India Limited. The trading is proposed to be commenced on or before Friday, May 17, 2024*

**Subject to the receipt of listing and trading approval from the NSE (NSE Emerge).*

SUBSCRIPTION DETAILS

The bidding for Anchor Investors opened and closed on Tuesday, May 14, 2024. The Company received 7 Anchor Investors applications for 23,22,000 Equity Shares. The Anchor Investor Allocation price was finalized at Rs. 67/- per Equity Share. A total of 17,14,000 Equity Shares were allotted under the Anchor Investors portion aggregating to Rs. 11,48,38,000/-.

The Issue (excluding Anchor Investors Portion) received 116813 Applications for 47,20,96,000 Equity Shares (after bid not banked cases and removing multiple and duplicate bids and before technical rejection) resulting 109.54 times subscription (including reserved portion of market maker and excluding anchor investor portion). The details of the Applications received in the Issue from various categories are as under (before technical rejections):

Detail of the Applications Received (excluding Anchor Investors Portion):

Sr. No.	Category	Number of Applications	No. of Equity Shares applied	Equity Shares Reserved as per Prospectus	No. of times Subscribed	Amount (Rs.)
1	Market Maker	1	3,04,000	3,04,000	1.00	2,03,68,000.00
2	QIB (excluding Anchor investor portion)	48	10,23,84,000	11,44,000	89.50	6,85,97,28,000.00
3	Non Institutional Investor	9649	15,51,80,000	8,58,000	180.86	10,39,65,74,000.00
4	Retail Individual Investors	107115	21,42,28,000	20,04,000	106.90	14,35,21,80,000.00
	TOTAL	**116813**	**47,20,96,000**	**43,10,000**		**31,62,88,50,000.00**

Final Demand:
A summary of the final demand as per NSE as on the Bid/ Issue Closing Date at different Bid prices is as under:

Sr. No.	Bid Price	Bids Quantity	% of Total	Cumulative Total	% Cumulative Total
1	63	5,68,000	0.10	5,68,000	0.10
2	64	88,000	0.02	6,56,000	0.12
3	65	2,44,000	0.04	9,00,000	0.16
4	66	1,76,000	0.03	10,76,000	0.20
5	67	40,63,86,000	74.42	40,74,62,000	74.62
6	Cut off Price	13,86,04,000	25.38	54,60,66,000	100.00
	TOTAL	**54,60,66,000**	**100.00**		

The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange, being National Stock Exchange of India Limited (NSE Emerge) on May 15, 2024.

1) Allotment to Retail Individual Investors (After Technical Rejections):

The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, who have Bid at cut-off Price or at or above the Issue Price of Rs. 67 per Equity Share, was finalized in consultation with NSE. The category has been subscribed to the extent of 105.18 times. The total number of Equity Shares Allotted in this category is 20,04,000 Equity Shares to 1002 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category are as under:

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Shares Applied	% to Total	No. of Equity Shares Allotted per Applicant	Ratio	Total No. of Shares Allotted
2000	105392	100	210784000	100	2000	501:52696	2004000

2) Allotment to Non-Institutional Investors (After Technical Rejections):

The Basis of Allotment to the Non-Institutional Investors, who have bid at the Issue Price of Rs. 67 or above per Equity Share was finalized in consultation with NSE. The category has been subscribed to the extent of 177.94 times (after technical rejection). The total number of Equity Shares Allotted in this category is 8,58,000 Equity Shares to 353 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category are as under *(Sample Basis)*:

No. of Shares applied for (Category wise)	Number of applications received	% of Total	Total No. of Shares applied in each category	% to Total	No of Equity Shares allotted per applicant	Ration of allottees to applicants	Total No. of shares allocated/allotted
4000	5266	55.65	2,10,64,000	13.79	2000	59:5266	1,18,000
6000	791	8.36	47,46,000	3.11	2000	13:791	26,000
8000	452	4.78	36,16,000	2.36	2000	5:226	20,000
10000	365	3.86	36,50,000	2.39	2000	2:73	20,000
12000	247	2.61	29,64,000	1.94	2000	8:247	16,000
180000	3	0.03	5,40,000	0.35	2000	2:3	4,000
182000	2	0.02	3,64,000	0.23	2000	1:2	2,000
184000	1	0.01	1,84,000	0.12	2000	1:1	2,000
186000	2	0.02	3,72,000	0.24	2000	1:2	2,000
188000	1	0.01	1,88,000	0.12	2000	1:1	2,000
196000	1	0.01	1,96,000	0.12	2000	1:1	2,000
200000	3	0.03	6,00,000	0.39	2000	2:3	4,000
202000	2	0.02	4,04,000	0.26	2000	1:2	2,000
204000	1	0.01	2,04,000	0.13	2000	1:1	2,000
210000	1	0.01	2,10,000	0.13	2000	1:1	2,000
254000	1	0.01	2,54,000	0.16	2000	1:1	2,000
256000	3	0.03	7,68,000	0.50	2000	2:3	4,000
258000	4	0.04	10,32,000	0.67	2000	3:4	6,000
262000	2	0.02	5,24,000	0.34	2000	1:2	2,000
264000	2	0.02	5,28,000	0.34	2000	1:2	2,000
396000	1	0.01	3,96,000	0.25	2000	1:1	2,000
402000	2	0.02	8,04,000	0.52	2000	1:1	4,000
408000	2	0.02	8,16,000	0.53	2000	1:1	4,000
412000	1	0.01	4,12,000	0.26	2000	1:1	2,000
418000	1	0.01	4,18,000	0.27	2000	1:1	2,000
1414000	1	0.01	14,14,000	0.92	8000	1:1	8,000
1492000	1	0.01	14,92,000	0.97	8000	1:1	8,000
2712000	1	0.01	27,12,000	1.77	16000	1:1	16,000
2820000	1	0.01	28,20,000	1.84	16000	1:1	16,000
2862000	6	0.06	1,71,72,000	11.24	16000	1:1	96,000

3) Allotment to QIBs excluding Anchor Investors (After Technical Rejections):

Allotment to QIBs, who have bid at the Issue Price of Rs. 67 or above per Equity Share has been done on a proportionate basis in consultation with NSE. This category has been subscribed to the extent of 89.50 times of QIB portion. The total number of Equity Shares allotted in the QIB category is 11,44,000 Equity Shares, which were allotted to 48 successful Applicants.

CATEGORY	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI	VC'S	TOTAL
QIB	88000	-	14000	466000	276000	300000	-	**11,44,000**

4) Allotment to Anchor Investors (After Technical Rejections):

The Company in consultation with the BRLM has allocated 17,14,000 Equity Shares to 7 Anchor Investors at the Anchor Investor Issue Price of Rs.67 per Equity Shares in accordance with the SEBI (ICDR) Regulations. This represents upto 60% of the QIB Category.

CATEGORY	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI	OTHERS	TOTAL
ANCHOR	-	-	-	376000	888000	450000	-	**17,14,000**

The Board of Directors of our Company at its meeting held on May 15, 2024 has taken on record the basis of allotment of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange, being NSE and has allotted the Equity Shares to various successful applicants. The Allotment Advice Cum Refund Intimation will be dispatched to the address of the investors as registered with the depositories. Further, instructions to the SCSBs have been dispatched / mailed for unblocking of funds and transfer to the Public Issue Account on or before May 16, 2024. In case the same is not received within ten days, Investors may contact the Registrar to the Issue at the address given below. The Equity Shares allotted to the successful allottees shall be uploaded on May 16, 2024 for credit into the respective beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is in the process of obtaining the listing and trading approval from NSE and the trading of the Equity Shares is expected to commence trading on May 17, 2024.

Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meanings assigned to them in the Prospectus dated May 15, 2024 filed with the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana ("RoC").

INVESTORS, PLEASE NOTE

The details of the allotment made has been hosted on the website of the Registrar to the Issue, Maashitla Securities Private Limited at website: https://maashitla.com/

TRACK RECORD OF BOOK RUNNING LEAD MANAGER: The Merchant Banker associated with the Issue has handled 46 SME Public Issues in the past three years out of which 2 SME Public Issue was closed below the Issue Price on listing date.

All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/ Sole Bidder Serial number of the ASBA form, number of Equity Shares bid for, Bidder DP ID, Client ID, PAN, date of submission of the Bid cum Application Form, address of the Bidder, the name and address of the Designated Intermediary where the Bid cum Application Form was submitted by the Bidder and copy of the Acknowledgment Slip received from the Designated Intermediary and payment details at the address given below:

Maashitla
Creating Successful People

Maashitla Securities Private Limited
Address: 451, Krishna Apra Business Square, Netaji Subhash Place, Pitampura, New Delhi, 110034, India.
Tel No: +91-11-45121795; **Email:** ipo@maashitla.com ; **Investor Grievance Email:** investor.ipo@maashitla.com
Website: www.maashitla.com ; **Contact Person:** Mukul Agrawal;
SEBI Reg. No.: INR000004370; **CIN:** U67100DL2010PTC208725

On behalf of Board of Directors
Premier Roadlines Limited
Sd/-
Gaurav Chakarvati
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Delhi
Date: May 16, 2024

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF PREMIER ROADLINES LIMITED

Disclaimer: Premier Roadlines Limited has filed the Prospectus with the RoC on May 15, 2024 and thereafter with SEBI and the Stock Exchange. The Prospectus is available on the website of the BRLM, Hem Securities Limited at www.hemsecurities.com and the Company at: www.prlindia.com, and shall also be available on the website of the NSE and SEBI. Investors should note that investment in Equity Shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please see ***"Risk Factors"*** beginning on page 25 of the Prospectus. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the ***"Securities Act")*** or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be issued or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares are being Issued and sold outside the United States in 'offshore transactions' in reliance on Regulation under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such Issues and sales are made. There will be no public Issuing in the United States.

आप को घेरने के लिए आरोपपत्र लाएगी भाजपा, तीसरी बार सभी 7 सीटों पर भगवा लहराने के लिए झोंकी ताकत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली के महासमर में चुनाव प्रचार अंतिम चरण में पहुंचने वाला है। तीसरी बार सभी सातों सीटों पर भगवा लहराने के लिए भाजपा पूरी ताकत झोंक रही है।

भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़े नेता यहां चुनाव प्रचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी की चुनावी सभाएं आयोजित होने वाली है। केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार को मुद्दा बना रही बीजेपी चुनाव प्रचार के साथ ही आम आदमी पार्टी सरकार की विफलताओं और भ्रष्टाचार के लग रहे आरोप को भाजपा मुद्दा बना रही है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी की सरकार और उसके विधायकों के विरुद्ध आरोपपत्र लाने की तैयारी है।

भारतीय जनता पार्टी नेताओं का कहना है कि आरोपपत्र के माध्यम से दिल्लीवासियों से किए गए आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वादों की पड़ताल की गई है। दिल्ली सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, प्रदूषण की गंभीर होती जा रही समस्या, यमुना की सफाई नहीं हो पाना, पूरी दिल्ली में पेयजल आपूर्ति की समस्या, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली, खस्ताहाल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की पड़ताल कर वास्तविक स्थिति आरोपपत्र में शामिल की जा रही है।

इसके साथ ही खस्ताहाल सड़कें, शिक्षा की स्थिति, रोजगार, कारोबारियों की समस्या सहित अन्य विषयों को इसमें शामिल किया गया है। अगले कुछ दिनों में इसे जारी करने की तैयारी है।

अअढ विधायकों ने जनता से किए वादों को पूरा नहीं किया विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और उसके विधायकों की ओर से किए गए वादों की पड़ताल भाजपा कर रही है। दिल्ली की प्रत्येक विधानसभा की समस्याओं को सूचीबद्ध कर जनता के सामने रखने की तैयारी है। भाजपा का कहना है कि जानता से किए गए आप विधायकों के वादे सच नहीं हैं। जिन्हें पूरा ही नहीं किया गया है। दिल्ली सरकार पर भाजपा के आठों विधायकों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए इसे भी आरोपपत्र में उठाया गया है।

कांग्रेस को भी कटघरे में खड़ा करेगी भाजपा भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस नेताओं के भ्रष्टाचार को उजागर करने के नाम पर दिल्ली की सत्ता प्राप्त की थी। अब वह उसके साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रहे हैं। आरोपपत्र में इसे लेकर भी केजरीवाल और कांग्रेस से प्रश्न पूछे जाएंगे। केंद्र सरकार की योजनाओं को बाधित करने का लगाया आरोप

भाजपा नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार की विकास से संबंधित योजनाओं को पूरा करने में दिल्ली सरकार बाधा डालती है। कभी अपने हिस्से का फंड उपलब्ध नहीं कराती है तो कभी अन्य औपचारिकता पूरी नहीं होने देती है। इसी कारण मेट्रो के फेज चार के निर्माण कार्य में देरी हुई है। ऐसे विषयों को आरोपपत्र में उजागर किया गया है।

एनसीडब्ल्यू ने बिभव कुमार को भेजा समन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजीवाल के करीबी बिभव कुमार को समन जारी किया है। एनसीडब्ल्यू ने बिभव कुमार को कल (17 मई) को राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश होने के लिए बुलाया है। मालूम हो कि बिभव कुमार पर दिल्ली में सीएम आवास पर आप सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट का आरोप लगा है। स्वाति मालीवाल दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रह चुकी हैं। स्वाति मालीवाल के साथ हो रही है साजिश, इखढ ने केजरीवाल और संजय सिंह के साथ विभव कुमार की फोटो की जारी स्वाति मालीवाल के घर पहुंची दिल्ली पुलिस उधर, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी प्रमोद सिंह कुशवाहा व उत्तरी जिला के एडिशनल डीसीपी राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के नई दिल्ली स्थित घर पर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव पर अपने साथ मारपीट करने का आरोप लगाया था।

माता की स्वास्थ जीवनशैली उनके बच्चों में मोटापा होने की संभावना कम करती हैं

मातृ दिवस के अवसर पर अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पतालद्वारा आग्रह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

- हर साल 500 मरीजों में लगभग 200 माताएं होती हैं। माता की अस्वास्थ्य जीवनशैली बच्चों में मोटापा का कारण बनता हैं। - डॉ. सरदाना

माताएं अपने बच्चों की जीवनशैली की आदतों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लेकिन कई बार माता की अस्वस्थ जीवनशैली के कारण बच्चे मोटापा के शिकार होते हैं। स्वास्थ्य जीवनशैली के लिए संतुलित आहार का सेवन करना, धुम्रपान औ मदयपान का सेवन नही करना चाहिए। इसके अलावा माताएं स्वास्थ जीवनशैली अपनाएं ताकि बच्चों में मोटापा की शिकायत कम हो सके। मातृ दिवस के अवसर सभी माताओं को स्वास्थ्य जीवनशैली अपनाने के बारे में जागरूकता निर्माण करना जरूरी हैं। डॉ. अतुल सरदाना न केवल अपने लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर देते हैं। ४६ वर्षीय सुषमा शर्मा (नाम बदला हुआ) मोटापे के कारण मधुमेह, हाई बीपी और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थीं। उनका वजन १४६ किलोग्राम था और उन्होंने वजन कम करने के लिए कई तरीके आजमाए लेकिन सफलता नहीं मिली। जब उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई तो उन्होंने डॉक्टरों की मदद लेने का फैसला किया। वह अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल गई और डॉ. अतुल सरदाना से मिली, जिन्होंने स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी का सुझाव दिया। केवल तीन हफ्तों में, उसने २५ किलो वजन कम कर लिया। अब, उसमें अधिक ऊर्जा है और वह बेहतर महसूस कर रही है और अगले १८ हफ्तों में उन्होंने और अधिक वजन कम किया है। उनकी कहानी मोटापे से जूझ रही माताओं को चिकित्सा सहायता लेने के लिए प्रेरित करती है। स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी सर्जरी के बाद महिला की जिंदगी बदल गई।बेरिएट्रिक सर्जरी गंभीर मोटापे से पीड़ित लोगों की मदद कर सकती है।

दिल्ली के अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल के बॅरिएट्रिक सर्जन डॉ. अतुल सरदाना ने कहॉ की, माताएँ अस्वास्थ्यकर जीवनशैली जी रही हैं जो उनके बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं। हर साल ५०० मरीजों में से लगभग २०० ऐसी माताएँ होती हैं जिनकी आदतों के कारण उनके बच्चे या तो मोटे हो जाते हैं या मोटे होने के करीब पहुँच जाते हैं। जबकि आनुवांशिकी मोटापे में भूमिका निभा सकती है, डॉ. सरदाना इस बात पर जोर देते हैं कि जीवनशैली विकल्पों का वजन और स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। कई महिलाएं शाम को सैर करना पसंद करती हैं, फिर भी जंक फूड खाने के प्रलोभन से बचने के लिए संघर्ष करती हैं। स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रखने के लिए शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ भोजन का सेवन करना जरूरी हैं। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के समर्थन के लिए पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। भारत में लगभग ४०% महिलाएँ अधिक वजन वाली या मोटापे की श्रेणी में आती हैं। अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में डॉ. सरदाना मोटापा से पिडीत मरीजों को स्वास्थ्य जीवनशैली के बारे में जागरूक करने का काम करते हैं। स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए जीवनशैली में बदलाव करना महत्त्वपूर्ण हैं। व्यक्तिगत देखभाल के अलावा, वह दिल्ली और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में मोटापे की रोकथाम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में इंडिया स्किल्स 2024 का आगाज

- द्वारका में पहुंचे अलग-अलग राज्यों से सैकड़ों युवा
- विजेता प्रतियोगियों को लियोन जाने का मिलेगा मौका
- फ्रांस में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्वारका के यशोभूमि कनवेंशन सेंटर से है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एम एस डी ई) के तत्वाधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा देश की सबसे बड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता इंडिया स्किल्स 2023-2024 की शुरुआत 15 मई को द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेन्शन सेन्टर में हो गई है। देश की यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अनेक कौशलों को उत्सव के रूप में मनाने के साथ ही युवाओं को सुनहरे अवसरों से भरा हुआ भविष्य देने के लिए सशक्त करेगी। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता को विभिन्न उद्योगों के साथ तालमेल को बढ़ावा देने, वैश्विक मानकों के साथ प्रशिक्षण मानकों को एक साथ लाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें अंतिम पुरस्कार के रूप में विजेता प्रतियोगी को 2024 में फ्रांस के लियोन में वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

इस वर्ष शुरूआती ट्रेंड्स से यह अनुमान लगाया गया है कि भारत वर्ल्ड स्किल्स में ऑटोमोबाइल, हॉस्पिटैलिटी मेक्ट्रोनिक्स और वाटर टेक्नोलॉजी में पदक जीतने में सफल रहेगा। प्रतियोगिता देश के 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 900 से अधिक छात्र और 400 से अधिक इंडस्ट्री एक्सपर्ट को एक साथ एक बड़ा राष्ट्रीय प्लेटफार्म दे रही है।

प्रतिभागी ड्रोन-फिल्म मेकिंग, टैक्सटाइल वीविंग, लेदर शू मेकिंग और प्रोस्थेटिक्स-मेकअप जैसे नौ प्रकार के एग्जीबिशन स्किल्स में भी भाग ले रहे हैं। प्रतिभागियों को आईटीआई, एनएसटीआई, पॉलिटेक्निक, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग और इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में प्रशिक्षित होने का अवसर मिला है। जो भारतीय युवा अंतरराष्ट्रीय मानक प्रशिक्षण के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए कुशल बन रहे हैं।

शुभारंभ पर कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने कहा कि यह आयोजन हमारे देश में कौशल विकास और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में हमारे सामने है। वास्तव में यह एक अनूठा प्लेटफार्म है जो हमारी उत्तरोत्तर प्रतिस्पर्धी और तेजी से विकसित हो रही दुनिया में कौशल के उच्च मानक का लाभ सभी तक पहुंचाती है।

जो मन में आ जाए वही ही चोरी कर लेता था दोनों दोस्त

संवाददाता

- नाला पर ट्रैप लगाकर अअढ़र ने पकड़े दो आरोपी

द्वारका जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने दो शातिर लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जो मोटरसाइकिल, ई रिक्शा और मोबाइल चोरी करता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संदीप उर्फ गोल्डी और विजय उर्फ के रूप में हुई है। यह दोनों नजफगढ़ के जय विहार इलाके के रहने वाले हैं। इनकी गिरफ्तारी से उत्तम नगर और द्वारका नॉर्थ थाना के तीन मामलों का खुलासा किया गया।

डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार इनके पास से मोटरसाइकिल, ई रिक्शा मोबाइल इत्यादि बरामद किया गया। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने इन दोनों के बारे में पता लगाना शुरू किया था। इस दौरान हेड कांस्टेबल जयराम को जानकारी मिली की इस तरह की वारदात को अंजाम देने वाले दोनों आरोपी जय विहार नाला के पास आने वाले हैं। पुलिस टीम ने वहां पर ट्रैप लगाकर दोनों को दबोचा।

पूछताछ में इनकी पहचान की गई। तलाशी में चोरी का मोटरसाइकिल मिला, जो उत्तम नगर इलाके से चुराया गया था। जो मोटरसाइकिल और ई रिक्शा बरामद किया गया, वह उत्तम नगर और द्वारका नॉर्थ थाना इलाके से चुराया गया था। आगे की छानबीन पुलिस टीम कर रही है।

बच्चों के महंगी रेंजर साइकिल का शौकिन था यह चोर

- इंद्रपुरी पुलिस ने दबोचा,,6 महंगी साइकिल बरामद
- फैक्ट्री में काम करने वालो को औने-पौने दाम में बेचता था

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

इंद्रपुरी थाना की पुलिस टीम ने छोटे बच्चों के द्वारा चलाई जाने वाली रेंजर साइकिल के शौकिन एक साइकिल चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से आधा दर्जन साइकिल भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। वह लाजवंती गार्डन, मायापुरी का रहने वाला है। पहले से चार मामलों में शामिल भी रहा है।

डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि पूसा इलाके में साइकिल चोरी की एक वारदात हुई थी। पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस को बताया गया था, की उनके यहां से महंगी साइकिल चोरी हो गई है। उस सूचना पर पुलिस ने छानबीन शुरू की थी। एसएचओ गुरमेल सिंह की देखरेख में एएसआई विजय सिंह और कांस्टेबल रणधीर की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता लगाना शुरू किया।

उसी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम छानबीन करती हुई इस शातिर आरोपी तक पहुंचने में कामयाब हुई। जब इसे पकड़ा गया तो उसकी निशानदेही पर छह चोरी की और साइकिल बरामद की गई। जिसका इस्तेमाल आमतौर पर बच्चे ही करते हैं, एक-एक साइकिल की कीमत 10 से 15 हजार तक होती है। पुलिस को यह भी पता चला कि यह ड्रग एडिक्ट तो है ही साइकिल चोरी की वारदात उन्हें टारगेट करता था क्योंकि इस लगता था कि चुकी साइकिल पर नंबर प्लेट नहीं होता है रजिस्ट्रेशन नहीं होता है इस वजह से उसे ट्रैक करना पुलिस के लिए आसान नहीं होगा 10 से 15000 की साइकिल को वह फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर को बेवकूफ बना करके आने-पुणे डैम में बेचकर अपनी जरूरत पूरी करता था। पहले से जो कर मामले इसके ऊपर दर्ज हैं उनमें से तीन साइकिल चोरी की ही मामले इसके ऊपर चल रहे हैं।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर आई एम इंटर कॉलेज मे छात्रों ने किया जागरूक

अमरोहा। राष्ट्रीय डेंगू दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है. इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को डेंगू बुखार के प्रति जागरूक करना है। नगर के आई एम इंटर कॉलेज में डेंगू दिवस पर डिबेट प्रतियोगिता तथा आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे छात्रों ने डेंगू से बचने बातों को छात्रों के समक्ष रखा तथा चित्र बनाकर जागरूक किया। प्रधानाचार्य डॉ जमशेद कमाल ने कहा कि हर वर्ष 16 मई को नेशनल डेंगू दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य डेंगू जैसी बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह दिवस स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तरफ से मनाया जाता है। क्योंकि आज भी लोगों के बीच डेंगू जैसी गंभीर बुखार के प्रति जागरुकता की कमी है। इसलिए डेंगू डे को मनाने के पीछे का मकसद लोगों को इस खतरनाक बीमारी से जागरूक करना है। आगे कहा कि नेशनल डेंगू दिवस का महत्व खास है। डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और निवारक उपायों को बढ़ावा देने के लिए इस दिन को मनाया जाता है। डेंगू बीमारी को नियंत्रित करने और खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। फिलहाल आपको बताते चलें कि कुछ आंकड़ों के अनुसार इस समय 100 से अधिक देशों में डेंगू का प्रकोप जारी है और विश्व भर की लगभग आधी आबादी इस समय डेंगू से प्रभावित है। यह बुखार एडीज मच्छरों के काटने के 5 से 6 दिन बाद लोगों के बीच देखने को मिलता है।

जेएस हिंदू इंटर कॉलेज की छात्र- छात्राओं को प्रबंधन समिति द्वारा किया गया सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जेएस हिंदू इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ गृह परीक्षा में अपनी अपनी कक्षा में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय स्टाफ एवं प्रबंध समिति द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉक्टर जीपी सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को बधाई दी तथा भविष्य में और अच्छे अंक लाकर अपने परिवार और विद्यालय का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य ने कहा की विद्या अनमोल धन है विद्या धन सभी धरो में प्रधान है जिसके पास विद्या धन होता है वह जीवन में कभी असफल नहीं होता। विद्यालय प्रबंधक अनिल स्वरूप टंडन ने प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी भेंट करते हुए छात्र-छात्राओं से अपेक्षा की कि भविष्य में और अच्छे अंक लाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाएंगे । उन्होंने कहा की कीर्तिमान तोड़ने के लिए ही बनते हैं ।जो कीर्तिमान बनते हैं उनको आने वाले छात्र छात्राएं अपने दम पर तोड़कर अपना कीर्तिमान स्थापित करते हैं। प्रबंधक महोदय ने कहा कि आगामी बोर्ड परीक्षा में जो भी छात्र छात्रा जनपद की टॉप 10 सूची में अपना स्थान बनाएगा उसको विद्यालय सम्मानित करेगा। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।हाई बोर्ड परीक्षा 2024 में कुमारी प्रतिभा ने प्रथम कुमारी पलक ने द्वितीय एवं रजनीश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 में विद्यालय के दो होनहार छात्र अनमोल गोले एवं धनंजय जोशी संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहे द्वितीय स्थान पर ऋतिक तथा तृतीय स्थान पर दीपाली शर्मा रहे। इसी तरह गृह परीक्षा में प्रत्येक कक्षा में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सफल छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजवीर सिंह यादव ने किया।

अपहरण, लूट के 20 साल पुराने मामले में 14 साल से था फरार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

क्राइम ब्रांच की टीम ने 14 साल से फरार चल रहे एक वांटेड को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान शिव शंकर उर्फ छलिया के रूप में हुई है। यह गगन विहार, दिल्ली का रहने वाला था। लगभग 14 साल पहले कोर्ट ने इसे भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। डीसीपी राकेश पावरिया ने बताया कि यह पहले से 12 मामलों में शामिल रहा है। जिसमें से अधिकतर मामले एक्साइज एक्ट के शामिल थे। एसीपी नरेश सोलंकी की देखरेख में इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया, सहायक सब इंस्पेक्टर विजूमन, हेड कांस्टेबल अरविंद, कांस्टेबल शोभा की टीम ने इसके बारे में इनफॉरमेशन डेवलप किया और जब पुलिस टीम को पूरी जानकारी मिल गई। वहां पर छापा मारकर इसे पकड़ा गया। इसके ऊपर 20 साल पहले सरिता विहार थाना में अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज हुआ था। जिसमें किडनैपिंग, मारपीट और सामान लूट का आरोप लगा था। उस मामले में शुरू में तो यह गिरफ्तार हो गया लेकिन,जब यह बेल पर बाहर निकाला तो यह फिर वापस सरेंडर नहीं किया। फिर कोर्ट ने इसे भगोड़ा घोषित कर दिया। पुलिस से बचने के लिए यह लगातार अपना ठिकाना 10 सालों से बदल रहा था जिससे कि यह पकड़ में ना आ सके।

क्या चुनाव को लेकर हरियाणा से लाई गई 10 हजार क्वार्टर शराब ?

- तस्कर गिरफ्तार,, पूछताछ कर सप्लायर तक पहुंचने की कोशिश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ और एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने शराब तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। इस मामले में 10 हजार क्वार्टर शराब का बरामद किया गया है। पुलिस टीम ने शराब तस्करी करने वाले मास्टरमाइंड को भी गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान अतुल के रूप में हुई है, वह उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का रहने वाला है।

डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि शराब तस्करी को रोकने के लिए पुलिस की आपरेशन सेल की टीम को लगाया गया है। इसी को देखते हुए पुलिस टीम लोकल इनफॉर्मर और अपने सोर्स की मदद से लगातार पता लगा रही है। पहले भी शराब की खेप स्पेशल स्टाफ, एएटीएस के द्वारा बरामद की जा चुकी है। इसी कड़ी में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की टीम को फिर शराब तस्करी के बड़े मामले के बारे में पता चला। उस सूचना पर एसआई दिनेश कुमार, एएसआई रेशम सिंह, तोपेश, हेड कॉन्स्टेबल विजेंदर, राजवीर, हेमचंद और कांस्टेबल प्रदीप की टीम ने उस सूचना पर काम किया। जैसे ही जानकारी कंफर्म हुआ की शराब की एक बड़ी खेप हरियाणा से बड़े टेंपो में भरकर दिल्ली लाई जा रही है। इसे डाबड़ी इलाके में सप्लाई किया जाएगा। पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया, उस टेंपो को डाबड़ी इलाके में पहुंचते ही पुलिस टीम ने रोक लिया। उसकी तलाशी ली गई तो उसके अंदर 200 कार्टून शराब के भरे हुए थे। जिसमें 10 हजार क्वार्टर शराब के भरे हुए थे। जो सिर्फ हरियाणा में ही बिकने के लिए मान्य थे। पुलिस टीम ने टेंपो के ड्राइवर अतुल को गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि वह राजेश के डायरेक्शन पर शराब तस्करी का यह गोरखधंधा कर रहा था। क्योंकि उसे शॉर्ट कर्ट से अच्छे पैसे की कमाई हो रही थी। पुलिस टीम अब इस मामले में आगे की और छानबीन कर रही है।

डीयू के पूर्व छात्रों ने आधुनिक सुविधाओं से लैस अध्ययन कक्ष एवं पुस्तकालय विकसित कराया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के छह पूर्व छात्र व शिक्षकों ने मिलकर पदमश्री डॉ. एस.आर.रंगनाथन के नाम पर डीयू के उत्तरी परिसर में आधुनिक सुविधाओं से लैस अध्ययन कक्ष एवं पुस्तकालय को गोद लिया है, जो पूरी तरह से डिजिटल होगी। विश्वविद्यालय में इस तरह का पहला अध्ययन कक्ष होगा जिसमें 100 छात्र एक साथ बैठकर अध्ययन कर सकेंगे। इस अध्ययन कक्ष में एक ओपन लाइब्रेरी, 10 से अधिक कंप्यूटर वर्क स्टेशन, इंटरनेट के अतिरिक्त ऑडियो -वीडियो की सुविधाएं उपलब्ध कराई है। दिल्ली विश्वविद्यालय की ट्यूटोरियल बिल्डिंग में बनाए गए अध्ययन कक्ष का उद्घाटन डीयू के कुलपति, प्रोफेसर योगेश सिंह ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, दक्षिणी परिसर निदेशक, प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह थे। कार्यक्रम में डीन, प्रोफेसर अमिताव चक्रवर्ती, प्रोफेसर रजनी अब्बी, प्रोफेसर गीता भट्ट, प्रोफेसर अनिल राय, प्रो.बीपी सिंह, प्रो.एन के. कक्कड़, प्रो.रविंद्र कुमार, प्रो. रूपम कपूर, प्रो.ममता शर्मा, प्रो.विजय लक्ष्मी सिंह, प्रो.अमित कुमार सिंह, प्रो. रंजन त्रिपाठी, प्रो.नीरा अग्निमित्र, डॉ. केपी चिन्दा, डॉ.हंसराज सुमन, डॉ. मनोज कुमार केन, आदि के अलावा डीन, कॉलेजों के प्रिंसिपल, विभागों के प्रोफेसर व पीएचडी शोधार्थी भी उपस्थित थे।

अध्ययन कक्ष के उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्थान में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस अध्ययन कक्ष एवं पुस्तकालय एक महत्वपूर्ण संसाधन है, पुस्तकालय के बिना छात्र का ज्ञान अधूरा है उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास पुस्तकालय के माध्यम से ही होता है। उन्होंने बताया कि नई डिजिटल पुस्तकालय के खुलने से ऐसे लोगों को अवसर मिलेगा जो इस विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं या करके चले गए और अब वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, वे इस अध्ययन कक्ष में बैठकर अध्ययन कर सकेंगे। प्रोफेसर सिंह ने पूर्व छात्रों द्वारा लिए गए निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि हमारे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए इस तरह की की संस्कृति को बढ़ाने के लिए हर कॉलेज/विभाग के पूर्व छात्रों को आगे आना चाहिए। उन्होंने यह आह्वान किया कि जिस तरह से हमारे छह पूर्व छात्रों ने आधुनिक सुविधाओं से अध्ययन कक्ष एवं पुस्तकालय विकसित कराके इसे गोद लिया है, मुझे आशा है कि भविष्य में इस तरह के नेक कार्य से अवश्य कुछ लोग प्रेरणा लेंगे और विकसित भारत बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि आज हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि पढ़ने वाले लोगों के लिए अपने आसपास लाइब्रेरी का निर्माण अवश्य कराए और उस लाइब्रेरी में पुस्तकें दान करें ताकि ज्ञान का ज्यादा से ज्यादा विस्तार हो। पुस्तकालय विज्ञान विभाग के प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि पुस्तकालय एक ऐसी संस्था है जिसके माध्यम से छात्रों को सूचना और संसाधनों को सभी तक पहुंचाना है। पुस्तकें छात्र को पढ़ने के लिए तैयार करती है जिससे ज्ञान का विकास होता है, पुस्तकों के बिना छात्रों का कोई अस्तित्व नहीं है। पुस्तकें ही व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण कर उसे अपनी भाषा, साहित्य, संस्कृति व जन सरोकारों से जोड़ती है। वर्तमान पुस्तकालय में भौतिक और डिजिटल रूप में विभिन्न सेवाएं प्रदान की जायेगी। पुस्तकें, पत्र -पत्रिकाएं, ईबुक, ऑडियो बुक ही नहीं बल्कि लाइब्रेरी में कम्प्यूटर, स्मार्ट डिजिटल बोर्ड, डिजिटल पोडियम आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी।

छह झपटमार गिरफ्तार, नौ मोबाइल फोन व दो मोटरसाइकिल बरामद

नई दिल्ली। पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने दो दिनों में छह कुख्यात झपटपारों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से नौ मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। आरोपी दिल्ली-एनसीआर में वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि 13 मई को थाने की पेट्रोलिंग टीम को रात करीब आठ बजे एक झपटमार के आईएसबीटी आनंद विहार डिपो के पास आने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर आरोपी को झपटे हुए एक मोबाइल फोन के साथ दबोच लिया। उसकी पहचान शिवम उर्फ अद्दू के रूप में हुई। पूछताछ में उसने पुलिस को उदय, नितेश उर्फ निक्की की संलिप्तता के बारे में बताया। साथ ही कहा कि मोबाइल फोन कल्याणपुरी निवासी जसवंत उर्फ मटरू को बेचा है। शिवम की निशानदेही पर पुलिस ने जसवंत को गिरफ्तार कर आठ मोबाइल फोन बरामद कर लिए। साथ ही पुलिस ने उदय व नितेश को देहरादून से मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार कर लिया। शिवम पर 12 व नितेश पर चार आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। इस बीच थाने की एक अन्य टीम ने 14 मई को युवती महिमा के साथ ईडीएम मॉल के पास हुई लूट के मामले को सुलझाते हुए दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

लाखों रुपये के गहने के साथ दो चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के एमएस पार्क थाना पुलिस ने लाखों रुपये के गहने व वारदात में इस्तेमाल ऑटो रिक्शा के साथ दो कुख्यात चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर पहले से ही 16 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि एमएस पार्क थाने में एक मई को चोरी की शिकायत दर्ज की गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि बदमाश सीमापुरी श्मशान घाट के पास ऑटो से आने वाले हैं। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर जाल बिछाकर दो आरोपियों अमन और जाकिर को गिरफ्तार कर लिया।

शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने माननीय श्री रामदास आठवले और श्रीमती सीमा ताई आठवले को वैवाहिक वर्षगांठ की दी मुबारकबाद

पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले से 2019 में सांसद प्रत्याशी एवं दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता रहे शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री माननीय श्री रामदास आठवले और श्रीमती सीमा ताई आठवले को आज उनकी वैवाहिक वर्षगांठ पर एक्स पर पोस्ट करके अपनी हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दी हैं। वत्स ने आठवले दंपति के उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की भी मंगलकामनाएं की हैं।

मालीवाल मामले में चुप्पी साधने पर भाजपा ने साधा केजरीवाल पर निशाना

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल के साथ दुर्व्यवहार करने वाले को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए उनसे आज पूछा कि क्या सुश्री मालीवाल के साथ यह दुर्व्यवहार मुख्यमंत्री के इशारे पर ही किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल के साथ दुर्व्यवहार के मामले में श्री केजरीवाल पर जमकर हमला किया। श्री भाटिया ने कहा कि एक महिला सांसद के साथ हुए दुर्व्यवहार पर श्री केजरीवाल की चुप्पी से स्पष्ट होता है कि महिला सम्मान उनके लिए कोई मायने नहीं रखता है। विपक्ष की नेत्री होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी सुश्री मालीवाल के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही है। नारीशक्ति के सम्मान के लिए भाजपा दल गत राजनीति की कभी परवाह नहीं करती है। उन्होंने कहा कि महिला सांसद के साथ दुर्व्यवहार का आरोपी अरविंद केजरीवाल के संरक्षण में उनके साथ घूम रहा है और वे समाजवादी पार्टी के मुखियालय में भी दिखाई दिया। देश की जनता की ओर से भाजपा ने अरविन्द केजरीवाल से सवाल पूछे और जवाब की उम्मीद की है कि शीश महल में हो रहे पाप पर अरविंद केजरीवाल का क्या रुख है? जिस पर केजरीवाल को कार्रवाई करनी थी वह जुड़वा भाई बनकर उनके साथ घूम रहा है, क्यों? भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिला सम्मान के लिए उनके पास कोई जगह नहीं है, कोई प्रतिबद्धता नहीं है कि वे कार्रवाई करें। उन्होंने पूछा कि क्या स्वाति मालीवाल को दबाव बनाकर जबरन कहीं रखा गया है? क्या श्री केजरीवाल के इशारे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास पर स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार हुई थी? श्री भाटिया ने कहा कि श्री केजरीवाल ने इस घटना की अब तक खंडन नहीं किया है। भ्रष्टाचारी अरविंद केजरीवाल ह्वजेल सीएमह्व से ह्वबेल सीएमह्व बने और 4 जून को ह्वफेल सीएमह्व बन जाएंगे, लेकिन केजरीवाल अब ह्वडरपोक सीएमह्व बन गए। एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान में संशोधन कर महिलाओं को संसद और विधानसभा में आरक्षण देकर राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ा है और महिला सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं दूसरी ओर घमंडिया गठबंधन के दल महिलाओं का अपमान करने में लगे हुए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से जब स्वाती मालीवाल के साथ हुई मारपीट के बारे में प्रश्न किए गए, तब अखिलेश यादव ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है और भी बहुत महत्वपूर्ण बातें हैं करने को। इनके लिए महिला सम्मान की बात जरूरी नहीं हैं, क्योंकि इनका मानना है कि लड़कों से गलतियां हो जाती हैं।

श्री भाटिया ने कहा कि इंडी गठबंधन के नेताओं को महिला सम्मान की कोई चिंता नहीं है। आम आदमी पार्टी के दोनों नेताओं ने स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट के लिए न कोई क्षमा नहीं मांगी और न ही उन्हें न्याय देने की बात कही। श्री भाटिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और सांप्रदायिक राजनीतिज्ञ अखिलेश यादव के द्वारा कुछ समय पहले भ्रष्टाचार की बोतल में महिला सम्मान को कुचल कर उसकी शराब बनाकर परोसने का काम किया गया है। भाजपा हमेशा महिला सशक्तीकरण की बात करती है और महिला सम्मान के लिए काम करती है।

उन्होंने कहा, ह्लइंडी गठबंधन के कायर नेता को यह समझना होगा कि जो अपनी सीटें नहीं बताते हैं, वे भी भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सीटों का आकलन कर रहे है। 4 जून को राजग को 400 पार और भाजपा को 300 से अधिक, उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें हमारी आएंगी। यह जो सपा की टूटी-फूटी साइकिल है, जिसका टायर पंचर है और अरविंद केजरीवाल साइकिल में हवा भरने के लिए एक पम्प लेकर पहुँच गए हैं, लेकिन केजरीवाल की सभी कोशिश नाकाम होने वाली है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्वाती मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में जिस तरह का घिनौना व्यवहार हुआ और मारपीट भी हुई है, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। शराब घोटाले मामले में जमानत पर बाहर आए भ्रष्टाचारी संजय सिंह ने स्वयं इस घटना की पुष्टि करते हुए निंदनीय बताया और भर्त्सना की है। श्री भाटिया ने कहा कि सभी लोगों को उम्मीद थी कि अरविंद केजरीवाल नारी शक्ति के साथ समझौता नहीं करेंगे, लेकिन अपनी पार्टी की ही नेत्री के साथ दुर्व्यवहार होने या मारपीट होने पर उनकी अंतरात्मा से आवाज उठेगी और वह अपने निजी सहायक विभव कुमार के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेंगे। लेकिन, आज जो बातें सामने आई हैं वह बेहद चौंकाने वाली है। आज अरविंद केजरीवाल को उनके आवास पर महिला सांसद के साथ हुए दुर्व्यवहार पर कोई पछतावा नहीं है, उनकी पार्टी की महिला सांसद के साथ मारपीट होती है, तो कार्रवाई बहुत दूर की बात है, वे पश्चाताप भी नहीं कर रहे हैं। श्री भाटिया ने कहा कि जब मीडिया ने बड़ी ईमानदारी से जज्बा दिखाते हुए केजरीवाल से सवाल पूछा है कि स्वाती मालीवाल के साथ जो हुआ है उस पर अरविंद केजरीवाल का क्या कहना है? तब अरविंद केजरीवाल सकपका गए और ह्वआपह्व सांसद संजय सिंह ने माइक अपनी ओर कर अनर्गल बातें शुरू कर दी, मगर स्वाती मालीवाल के साथ हुए अभद्र व्यवहार के बारे में एक शब्द भी उनके मुँह से नहीं निकला। संजय सिंह ने इस प्रकरण में पार्टी स्तर पर या कानूनी स्तर पर दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई की कोई बात नहीं कही। श्री भाटिया ने कहा कि भाजपा ने एक स्वस्थ परंपरा को आगे बढ़ाया है। स्वाती मालीवाल विपक्षी पार्टी की नेत्री हैं, मगर उनको न्याय दिलाने की लड़ाई भाजपा लड़ रही है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित समूचे देश के लिए यह बहुत बड़ा संदेश है कि जब महिला सम्मान की बात आएगी, तो भाजपा दल गत राजनीति से ऊपर उठकर महिला को न्याय दिलाने की लड़ाई को लड़ेगी।

श्री भाटिया ने कहा कि स्वाती मालीवाल ने दुर्व्यवहार की घटना के बाद पुलिस में शिकायत की गयी थी, उस शिकायत में एक लाइन बहुत ही महत्वपूर्ण है, जिसमें लिखा गया है ह्वमैं ह्लेडी कॉल करके बोल रही हैं कि मैं सीएम आवास पर हूँ, उन्होंने मुझे अपने पीए विभव कुमार से मुझे पिटवाया है ह्व इसका अर्थ स्पष्ट है कि श्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पीए को आदेश दिया कि अपने ही पार्टी के महिला सांसद को पीटो और गाली दो। संविधान की शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री श्री केजरीवाल द्वारा इस घटना पर एक शब्द भी नहीं कहना, बहुत ही पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण है।

उत्तर पश्चिम भारत के लिए लू का अलर्ट जारी; दिल्ली में तापमान 45 डिग्री से. तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आगामी पांच दिन के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में लू चलने की आशंका है और इसका सबसे ज्यादा असर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली पर पड़ने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

इसके अलावा, 18 मई से पूर्वी और मध्य भारत में भी गर्मी का दौर शुरू हो जाएगा। मौसम कार्यालय ने हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया जिसमें बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रस्त लोगों एवं गरीबी में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधित चिंता पर जोर दिया गया।

चेतावनी में कहा गया है कि लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में गर्मी से संबंधित बीमारियां बढ़ने की आशंका है। आईएमडी ने कहा, 17-20 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में और 18-20 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में प्रचंड लू चलने के आसार हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार तक तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम कार्यालय ने इससे पहले मई में उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और मध्य भारत में लू चलने के दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने का पूर्वानुमान जताया था।

आम तौर पर उत्तरी मैदानी इलाकों, मध्य भारत और प्रायद्वीपीय भारत के आसपास के क्षेत्रों में मई में लगभग तीन दिन लू चलती है।

इस बार अप्रैल में ही पूर्व, पूर्वोत्तर और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। यहां तक की, सरकारी एजेंसियों को स्वास्थ्य संबंधित चेतावनियां जारी करनी पड़ीं और कई राज्यों ने स्कूलों में कक्षाएं बंद कर दीं।

कई स्थानों पर अप्रैल में अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जो कि अप्रैल में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। केरल में संदिग्ध तौर पर लू लगने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई।

हरियाणा से लाई 10 हजार क्वार्टर शराब बरामद

नई दिल्ली। द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ और एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की ज्वाइंट पुलिस टीम ने शराब तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। इस मामले में 10 हजार क्वार्टर शराब बरामद की गई है। पुलिस टीम ने शराब तस्करी करने वाले मास्टरमाइंड को भी गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान अतुल के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि शराब तस्करी को रोकने के लिए पुलिस की आपरेशन सेल की टीम को लगाया गया है। इसी को देखते हुए पुलिस टीम लोकल इनफॉर्मर और अपने सोर्स की मदद से लगातार पता लगा रही है। पहले भी शराब की खेप स्पेशल स्टाफ, एएटीएस के द्वारा बरामद की जा चुकी है। इसी कड़ी में स्पेशल स्टाफ और एएटीएस के इंचार्ज इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की टीम को शराब तस्करी के बड़े मामले के बारे में पता चला था। उस सूचना पर एसआई दिनेश कुमार, एएसआई रेशम सिंह, तोपेश, हेड कॉन्स्टेबल विजेंदर, राजवीर, हेमचंद और कांस्टेबल प्रदीप की टीम ने जानकारी को डेवलप करना शुरू किया। जैसे ही जानकारी कंफर्म हुई कि शराब की एक बड़ी खेप हरियाणा से बड़े टेंपो में भरकर दिल्ली लाई जा रही है। इसे डाबड़ी इलाके में सप्लाई किया जाएगा। पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया, उस टेंपो को डाबड़ी इलाके में पहुंचते ही पुलिस टीम ने रोक लिया।

चोरी कर ऑटो से हो जाते थे नौ दो ग्यारह, 2 शातिर बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पुलिस ने दो ऐसे शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है जो ऑटो से चोरियों को अंजाम दिया करते थे। शाहदरा जिला अंतर्गत मानसरोवर पार्क थाना पुलिस ने इन दोनों चोरों के पास से ऑटो रिक्शा बरामद किया है जिसका अपराध करने में इस्तेमाल किया जाता था। इन दोनों आरोपियों की पुलिस सरगर्मी से तलाश में जुटी हुई थी, इन्होंने नत्थूम कालोनी चौक इलाके में 1 मई को चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। मुखबिर से प्राप्तल सूचना के आधार पर इन दोनों को सीमापुरी इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्तआ सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक नत्थूत कालोनी चौक पर 1 मई, 2024 को चोरी हुई थी जिसके बारे में एमएस पार्क थाने में शिकायत दर्ज करवायी गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया। जिसमें एएसआई सतपाल, एएसआई कुलदीप, हेड कांस्टेरबल अनुज और हेड कांस्टेपबल प्रदीप को शामिल रहे। इस टीम को गुप्तप सूचना मिली कि 1 मई को चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोर सीमापुरी इलाके में श्मगशान घाट के पास खड़े ऑटो रिक्शो में मौजूद हैं। इसके बाद पुलिस ने तुरंत सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ दबिश दी और उनको दबोच लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन निवासी जगतपुरी, शाहदरा, दिल्ली और साकिर निवासी अशोक नगर, गाजियाबाद, यूपी के रूप में की गई है। दोनों आरोपियों से लगातार पूछताछ की गई जिसके बाद उन्होंने नत्थूी कालोनी चौक की चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात को कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद घटनास्थल से ऑटो रिक्शा को बरामद कर लिया है जिसका क्राइम में इस्तेमाल होता था।

पुलिस जांच में पता चला कि चोरी के माल को एक रसीवर नरेश कुमार खरीदता था। पुलिस ने रिसीवर नरेश कुमार निवासी बृज विहार, गाजियाबाद, यूपी के कब्जे से एक सोने की चेन, तीन अंगूठियां और दो कान की बालियां भी बरामद की हैं। यह सभी चोरी की हैं। इन सभी को आरोपी अमन के भाई पारस शर्मा निवासी जगतपुरी, शाहदरा, दिल्ली की निशानदेही पर रसीवर से बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मामले में शामिल अन्य दो व्यक्तियों को भी पकड़ने का काम तेजी से किया जा रहा है। आरोपी अमन (जगतपुरी, शाहदरा) के खिलाफ पिछली 12 आपराधिक संलिप्तताएं मिली हैं जबकि दूसरे आरोपी साकिर (अशोक नगर, गाजियाबाद) के खिलाफ 4 संलिप्तताएं हैं।

पूर्वी दिल्ली से आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार ने निकाली जन आशीर्वाद यात्रा

जानकारी

- कृष्णा नगर विधानसभा में कुलदीप कुमार के रोड शो को जनता का मिला जबरदस्त समर्थन
- दिल्ली की जनता अपने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने का जवाब वोट देगी- कुलदीप कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार ने गुरुवार को कृष्णा नगर विधानसभा में जन आशीर्वाद यात्रा निकाली। इस रोड शो में भारी तादात में आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं और दिल्ली के लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को दिल्ली के लोगों से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। इस बार दिल्ली की जनता अपने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने का जवाब वोट देने जा रही है। दिल्लीवालों से मेरी अपील है कि दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल दोबारा जेल न जाएं। इसके लिए सभी लोग 25 मई को झाड़ू का बटन दबाएं।

कृष्णा नगर विधानसभा में रोड शो के दौरान आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार ने कहा कि आज मैंने कृष्णा नगर विधानसभा में जन आशीर्वाद यात्रा निकाल कर जनता का आशीर्वाद प्राप्त किया। जन आशीर्वाद यात्रा में भारी संख्या में शामिल होकर जनता ने अपना समर्थन दिया। जनता से मेरी अपील है कि आगामी 25 मई को दिल्ली की सातों सीटों पर मतदान होने जा रहा है। इस बार दिल्ली की जनता को अपने चहेते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने का जवाब अपने वोट देना है। ये लोग फिर आपके मुख्यमंत्री को जेल भेजना चाहते हैं। आपके मुख्यमंत्री और दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल दोबारा जेल न जाएं, इसके लिए सभी लोग 25 मई को झाड़ू का बटन दबाएं और हमें विजयी बनाने का काम करें।

कुलदीप कुमार का लोगों ने किया भव्य स्वागत

पूर्वी दिल्ली से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप द्वारा कृष्णा नगर विधानसभा में निकाली गई जन आशीर्वाद यात्रा में जबरदस्त भीड़ रही है। समर्थकों ने फूल-मालाओं के साथ कुलदीप कुमार का भव्य स्वागत किया। रोड शो के दौरान चारों तरफ आम आदमी पार्टी का झंडा दिखाई दे रहा था। आप की टोपी लगाए कार्यकताओं ने जेल का जवाब वोट से के जोरदार नारे लगाए। इस दौरान कुलदीप कुमार ने हाथ जोड़कर लोगों से 25 मई को आम आदमी पार्टी को वोट करने की अपील की। जनता ने भी कुलदीप कुमार पूरा समर्थन किया और भारी मतों के अंदर से जीत का भरोसा दिया।

पश्चिमी दिल्ली से आप प्रत्याशी महाबल मिश्रा ने विभिन्न इलाकों में किया जन संपर्क

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली से आज इंडिया गठबंधन के आप प्रत्याशी पूर्व सांसद महाबल मिश्रा जनकपुरी, हरिनगर, मादीपुर, नजफगढ़, द्वारका, विकासपुरी, मटियाला समेत अन्य विधानसभाओं में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। जनकपुरी विधानसभा के सी-2 श्री दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान महावीर जी की पूजा और आरती में शामिल होकर भगवान महावीर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही वहां आयोजित जनसंवाद को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की गारंटी सिर्फ जुमला है, जबकि केजरीवाल की गारंटी हर सरकारी स्कूल, अस्पताल और हाल ही में घोषित सरकारी स्कूल के सीबीएसई बोर्ड के नतीजे हैं, जो साफ कर देते हैं कि अगर इंडिया गठबंधन को मौका देंगे, तो दिल्ली का विकास सही मायने में संभव और सफल होगा।

नजफगढ़ विधानसभा में स्थित दांगी भवन में आयोजित अखिल भारतीय दांगी क्षत्रीय समाज की सभा में शामिल हुए। उन्होंने सभी लोगों से अनुरोध किया कि आने वाली 25 मई को चुनाव चिन्ह झाड़ू पर अपना कीमती वोट देकर इंडिया गठबंधन को भारी बहुमत से विजयी बनाएं। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में आज देश के युवाओं से संवाद किया। युवाओं में भीषण बेरोजगारी, अग्निवीर और पेपर लीक जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान अग्निवीर योजना को खत्म कर पुरानी भर्ती व्यवस्था को लागू करने की इंडिया गठबंधन की घोषणा की और लोगों का ध्यान इस ओर दिलाया। आज शाम विकासपुरी और मटियाला विधानसभाओं में आप के वरिष्ठ नेता गोपाल राय के द्वारा विशाल संकल्प सभा को संबोधित किया गया। वहां मौजूद भारी जनसैलाब यह बता रहा था कि आने वाली 25 मई को वे जेल का जवाब झाड़ू पर वोट देकर देंगे।

आईपीयू में एमबीए और एलएलबी में दाखिला काउंसिलिंग 20 तक

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी में एमबीए कैट के अंक से और एलएलबी एवं एलएलएम के दाखिले क्लैट के अंक से होंगे। इसके लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया चल रही है। यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन मोड में है। जिन आवेदकों ने आवेदन शुल्क 1,500 रुपये जमा करा दिए हैं, वह अब 20 मई तक 1,000 रुपये काउंसिलिंग भागीदारी शुल्क के रूप में जमा करा सकते हैं। अन्य नेशनल लेवल टेस्ट आधारित एवं मेरिट आधारित प्रोग्राम में दाखिले के लिए 25 मई तक आवेदन किया जा सकता है। बीटेक में जेईई के आधार पर आवेदन की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। जल्द ही इस प्रोग्राम के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। उस दौरान एक साथ आवेदन शुल्क और काउंसिलिंग भागीदारी शुल्क जमा कराया जा सकता है।

समिट इंडिया ने मुख्य भूमिकाओं में प्रतिष्ठित लीडर्स को नियुक्त किया

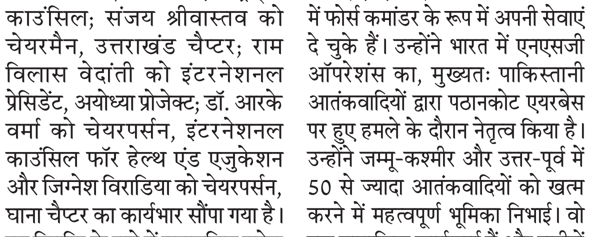

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

समिट इंडिया ने संगठन के अंदर कई प्रतिष्ठित लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार सौंपने की घोषणा की है, जिससे संगठन की लीडरशिप टीम मजबूत बनेगी। समिट इंडिया के अनुसार ब्रिगेडियर गौतम गांगुली को चेयरपर्सन, प्लानिंग एवं स्ट्रेट्जी काउंसिल; संजय श्रीवास्तव को चेयरमैन, उत्तराखंड चैप्टर; राम विलास वेदांती को इंटरनेशनल प्रेसिडेंट, अयोध्या प्रोजेक्ट; डॉ. आरके वर्मा को चेयरपर्सन, इंटरनेशनल काउंसिल फॉर हेल्थ एंड एजुकेशन और जिग्नेश विराडिया को चेयरपर्सन, घाना चैप्टर का कार्यभार सौंपा गया है। इस नियुक्ति के बारे में महासचिव महेश वर्मा समिट इंडिया ने कहा ने कहा, हमें समिट इंडिया में महत्वपूर्ण पदों पर इन प्रतिष्ठित लोगों की नियुक्ति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इनमें से प्रत्येक के पास अपनी भूमिकाओं में विशेषज्ञता, नेतृत्व और प्रतिबद्धती की अद्वितीय पूंजी है। उनकी रणनीतिक दूरदर्शिता और वर्षों के अनुभव के साथ वो हमारे संगठन की वृद्धि और सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। हम उनके बहुमूल्य योगदान के साथ अपने मिशन को आगे बढ़ाने और अपने समुदायों में सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए आशान्वित हैं।

समिट इंडिया ने नए कार्यभार संभालने वालों के बारे में जानकारी दी है। इनमें संजय श्रीवास्तव पत्रकार, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिन्हें मीडिया में काम करने का 25 सालों का अनुभव है। जिग्नेश विराडिया जी एक डायनैमिक उद्यमी और बिजनेस लीडर हैं, जो स्वास्थ्य, ह्यमेक इन इंडियाह्ल कंपनियों और उत्पादों को बढ़ावा देने, फाइनेंसिंग एवं एग्रोकमोडिटीज जैसे क्षेत्रों में विस्तृत पोर्टफोलियो संभाल चुके हैं। वो घाना में भारतीय समुदायों में एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं और सामुदायिक विकास एवं सांस्कृतिक एकीकरण के अनेक प्रभावशाली अभियानों में मुख्य भूमिका निभा चुके हैं। ब्रिगेडियर गौतम गांगुली सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल के साथ रेजिमेंट ग्रेनेडियर्स से भारतीय सेना के एक अत्यधिक सम्मानित सैन्य अधिकारी हैं। वह नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ब्लैक कैट कमांडोज में फोर्स कमांडर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने भारत में एनएसजी ऑपरेशंस का, मुख्यतः पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा पठानकोट एयरबेस पर हुए हमले के दौरान नेतृत्व किया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व में 50 से ज्यादा आतंकवादियों को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वो एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और शहीदों के परिवारों के लिए काम कर रहे हैं। उन्हें एफबीआई द्वारा बम निष्क्रिय करने का प्रशिक्षण भी दिया गया है। वर्तमान में वह भारत में आत्म निर्भर भारत के अंतर्गत हथियारों और ड्रोन्स के निर्माण में शामिल हैं। राम विलास वेदांती एक भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। वो एक धार्मिक हिंदू नेता हैं और 12वीं लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) लोकसभा सीट से सांसद रहे हैं। वह श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य और विश्व हिंदू परिषद के सदस्य हैं। डॉ. राकेश वर्मा नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में कार्डियोलॉजी के प्रोफेसर हैं, जिन्हें अपने क्षेत्र का विस्तृत अनुभव और विशेषज्ञता प्राप्त है। एक प्रतिष्ठित करियर के साथ डॉ. वर्मा कई महत्वपूर्ण भूमिकाओं में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जिनमें से एक भारत के प्रधानमंत्री के फिजिशियन का दायित्व भी है। उनके योगदान क्लिनिकल अभ्यास से बढ़कर रहे हैं। उन्होंने डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेस और वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज में एडिशनल प्रोफेसर और हेड ऑफ कार्डियोलॉजी के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

अमित शाह की राह के सभी रोड़े मोदी जी ने हटा दिए हैं, बस योगी बचे हैं, वो भी हटेंगे- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गुरुवार को लखनऊ में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोदी जी ने अमित शाह को प्रधानमंत्री बनने की राह के सभी रोड़े हटा दिए हैं। अब केवल योगी आदित्यनाथ बचे हैं, वो भी हटाए जाएंगे। चार दिन पहले मैंने ये बात कही थी, लेकिन योगी जी के पक्ष में अभी तक भाजपा के किसी नेता की टिप्पणी नहीं आई है। इससे साफ है कि उनको मुख्यमंत्री पद से हटाया जाएगा। मोदी जी ने अमित शाह की राह में रोड़ा बनने वाले शिवराज सिंह, वसुंधरा राजे और मनोहर लाल खट्टर समेत कई नेताओं को पहले ही हटा दिया है। हालांकि ये लोग चुनाव हार रहे हैं। यूपी, बिहार, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भाजपा की काफी सीटें कम हो रही हैं। मेरी यूपी की जनता से अपील है कि इंडिया गठबंधन को जीताएं। हमारी सरकार देश में भाजपा की फैलाई गई नकारात्मकता को ठीक करेगी।

ये लोग जीत गए तो एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे- केजरीवाल इंडिया गठबंधन के घटक दल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ में संयुक्त प्रेसवार्ता की। प्रेस को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने चार प्रमुखख बिन्दुओं पर बात करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी मतदाताओं से इंडिया गठबंधन को भारी मात्रा में वोट देने के लिए अपील करने आया हूं। पहला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लिए नहीं, बल्कि अमित शाह जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। दूसरा, अगर ये लोग जीत गए तो योगी आदित्यनाथ अगले दो-तीन महीने के अंदर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा देंगे। तीसरा, अगर ये लोग जीत गए तो बाबा साहब के लिखे संविधान को बदल कर एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को खत्म कर देंगे। चौथा, देश भर से मतदान के जो आंकड़े आ रहे हैं, उनके अनुसार चार जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है और एनडीए-भाजपा को बहुत कम सीटें मिलने जा रही है।

मोदी जी के 75 साल में रिटायर होने के बनाए नियम के तहत लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को रिटायर किया गया- केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने मोदी जी द्वारा अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांगने मुद्दे पर विस्तार से बताते हुए कहा कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे, तब उन्होंने खुद एक नियम बनाया था कि भारतीय जनता पार्टी के अंदर और उनकी सरकारों में 75 साल से उपर कोई भी व्यक्ति होगा, तो उसको संगठन और सरकार में किसी भी पद पर नहीं रखा जाएगा। उसको रिटायर कर दिया जाएगा। उस नियम के तहत सबसे पहले लालकृष्ण आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी जी को रिटायर किया गया था। उसके बाद यशवंत सिन्हा, सुमित्रा महाजन समेत कई लोगों को भाजपा ने टिकट नहीं दी। कई लोग जो पद पर बैठे थे, उनको इस्तीफा दिलवा कर हटाया गया। अब अगले साल 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 साल के होंगे और मोदी जी ने तय कर लिया है कि अमित शाह को अपना वारिश बनाएंगे। मोदी जी अगले साल 17 सितंबर को अमित शाह जी को प्रधानमंत्री बनाने का तय किया है। अमित शाह की राह में रोड़ा बनने वाले भाजपा नेताओं को एक-एक खत्म कर दिया गया- केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले एक-दो साल से मोदी जी अमित शाह जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए लगे हुए भी हैं। क्योंकि भाजपा के अंदर जो भी नेता अमित शाह के सामने बाधाएं पैदा कर सकता है, एक-एक कर उन सभी नेताओं को साइड कर दिया गया, उनका पत्ता साफ कर दिया गया। शिवराज सिंह को हटा दिया गया, वसुंधरा राजे को हटा दिया गया। डॉ. रमन सिंह को हटा दिया गया। देवेंद्र फड़नवीस जी और मनोहर लाल खट्टर जी को खत्म कर दिया गया। इस तरह एक-एक करके सभी नेताओं को खत्म कर दिया गया है। अब अमित शाह जी के रास्ते का कांटा बनने वाले केवल योगी आदित्यनाथ जी बचे हैं। अब इन्होंने योगी आदित्यनाथ जी को हटाने का पूरा मन बना लिया है। अगर मोदी जी की सरकार बनी तो अगले दो महीने में योगी आदित्यनाथ जी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जाएगा।

देश को यकीन, मोदी जी खुद के बनाए नियम का पालन करेंगे और 75 साल होने पर रिटायर हो जाएंगे- केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि तीन-चार दिन पहले मैंने दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर इस संबंध में मुद्दा उठाया था।

भारतीय रेल

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत सरकार, रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड)

ई–निविदा सूचना

सं. आरएस(पोल)/58/0504/2024 नई दिल्ली, दिनांक : 15.05.2024

विषय : डीजल इंजनों के लिए क्रैंक केस ऑयल की खरीद के लिए रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की ई–निविदा सं. 2024 सीसीएलबी टीसी के लिए ई–निविदा सूचना का प्रकाशन

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से कार्यपालक निदेशक, रेल भंडार (सी), रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड), भारत सरकार नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार ई–निविदा आमंत्रित करते हैं:

1.	ई–निविदा सं.	2024 सीसीएलबी टीसी
2.	कार्य का नाम	अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा यथा अनुमोदित संगत विशिष्टियों के अनुरूप ब्रांडेड क्रैंक केस ल्यूब ऑयल (एचएचपी एवं एल्को इंजनों दोनों के लिए). वर्तमान में नियमित और अनियंत्रित उपयोग के लिए अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित मल्टीग्रेड ऑयल के निम्नलिखित ब्रांड हैं: (i) सर्वो आरआर–606 एमजी प्लस–II (आई ओ सी) (ii) एचपीआरआर–813 एम (एचपीसी) (iii) मैक आरआर–513 एम (बीपीसी) (iv) मोबिल आरआर सुपर 2413 (v) बामरोल आरआर 513 एम
3.	अनुमानित मात्रा लीटर में	थोक - 6085000 लीटर पैक्ड - 76000 लीटर
4.	बयाना	Rs. 50,00,000/-
5.	ई–निविदा को जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय	06/06/2024 को 14.30 बजे
6.	पूर्ण ब्यौरों और आगे के शुद्धिपत्र के लिए तथा ई–निविदा के लिए वेबसाइट	http://www.ireps.gov.in
7.	आवंटन शीर्ष	अनुदान सं. 01

1476/2024 (सुनील वर्मा), निदेशक, रेल भंडार (एम)

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना सं. 14/2024-2025 दिनांक: 15.05.2024

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	18241059	प्री–प्रिंटिड कंप्यूटर टिकट्स	164430 रोल्स	10.06.2024
02	09243006A	सिंथेटिक इनेमल, इंटीरियर, अंडरकोटिंग, वाइट	60646 लीटर	10.06.2024
03	09243041	इनेमल सिंथेटिक, एक्सटेरियर, फिनिशिंग ब्लैक	104174 लीटर	10.06.2024
04	09243025	इनेमल सिंथेटिक, एक्सटेरियर, फिनिशिंग सिग्नल रेड	66965 लीटर	17.06.2024
05	09243014	इनेमल सिंथेटिक, एक्सटेरियर, फिनिशिंग पले क्रीम	20954 लीटर	25.06.2024
06	11231076	स्टेनलेस स्टील स्ट्रैट एयर ब्रेक पाइप	7429 मीटर	01.07.2024
07	19241819	शंटिंग कंटक्टर असेंबली	263 नग	19.08.2024

निविदा शर्तें:- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

1475/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विचार मंथन

सम्पादकीय

हर समस्या का हल सैनिक अभियान नहीं

इस्राइल ने दक्षिणी गाजा के शहर राफा में सैनिक अभियान शुरू कर दिया है। सेना ने सोमवार रात को राफा में हवाई हमले किए जिनमें 23 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इस सैन्य कार्रवाई के बाद इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच संभावित युद्ध-विराम के रास्ते बंद हो गए हैं। हैरानी की बात है कि इस्राइल के पैरोकार अमेरिका की अनिच्छा और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के विरोध के बावजूद इस्राइल गाजा को पूरी तरह तबाह करने पर आमादा है। विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर. इस्राइल और उसके प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शांति की राह छोड़कर युद्ध के पथ पर चलने की ताकत और प्रेरणा कहां से मिल रही है। करीब आठ महीने से चल रहे इस युद्ध के बारे में कहा जा सकता है कि इस्राइल अब आत्मरक्षा के लिए नहीं, बल्कि घरेलू राजनीति में बढ़त बनाने के लिए यह युद्ध लड़ रहा है। हमास युद्ध विराम के लिए तैयार है, लेकिन इस्राइल ने यह कहते हुए इस प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया कि इससे उसकी मुख्य मांगें पूरी नहीं होतीं। गाजा पट्टी के शहर राफा में करीब 14 लाख फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं जो इस्राइल के ताजा सैन्य अभियान से डरे और सहमे हुए हैं। इनका जीवन संकटग्रस्त है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने चेतावनी दी है कि राफा में जमीनी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने अपने कान बंद कर रखे हैं। इस्राइल के सैनिक अभियान से जाहिर होता है कि वह इसके जरिए अपने बंधकों को रिहा कराना और हमास के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना चाहता है। हालांकि सैन्य कार्रवाई के जरिए बंधकों की रिहाई आसान नहीं है। हकीकत यह है कि इससे बंधकों की जान को खतरा पहुंच सकता है। वास्तव में युद्ध-विराम और शांति समझौते के रास्तों पर आगे बढ़कर ही बंधकों की सुरक्षित रिहाई संभव है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि हर समस्या का हल सैनिक अभियान नहीं हो सकता। आक्रामक सैनिक अभियान से गाजा के मासूम नागरिक ही मारे जाएंगे। अब तक करीब 35 हजार नागरिक मारे गए हैं। इस्राइल को अपने गॉड फादर अमेरिका से सबक लेना चाहिए कि उसे आखिरकार, अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी क्यों करनी पड़ी। वियतनाम के साथ लड़ाई में उसे क्या हासिल हुआ। बंदूक की गोली से नहीं शांति वार्ता की मेज से ही समस्या का हल निकलेगा। यह सार्वभौमिक सत्य है, जिसे समझा जाना चाहिए।

और अब नामांकन भी बन गया उत्सव

निर्मल रानी

चाहे वह प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो, चुनाव प्रचार में रैली या रोड शो करना हो, जी एस टी जैसी नीति लागू करनी हो यहां तक कि कोविड जैसी विश्व की अब तक की सबसे बड़ी आपदा ही क्यों न हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन जैसे सभी अवसरों में उत्सव तलाशने में विशेष महारत रखते हैं। हालांकि समय समय पर जरूरत के अनुसार वे यह भी बताने से भी नहीं चूकते कि उनकी परवरिश बेहद गरीबी में हुई। वह सार्वजनिक तौर पर भी कई बार अपनी गरीबी का ज़िक्र करते हुये अपने बचपन की कई दास्तानें सुना चुके हैं। वे स्वयं अपने व अपनी मां के पीड़ादायक दिनों का ज़िक्र करते हुये बता चुके हैं-कि बेचारी मेरी मां बर्तन साफ किया करती थीं। मैंने अपनी मां को दूसरों के घरों में बर्तन मांजते देखा है। साथ ही वह हमारा पालन पोषण भी बखूबी करती थीं। उन्होंने यह भी बताया था कि- हम बिनौले छीलते थे, सुबह बेचने जाते थे, जिससे हमें जीने के लिए कुछ मजदूरी मिलती थी। मोदी ने कहा कि मजबूरियों से घिरी मां के बोझ को कम करने के लिए मैंने चाय बेची थी। प्रायः वे अपनी परवरिश के लिए दिये गये अपनी मां के बलिदान को याद करते रहते हैं। उनकी इस बाल कथा को सुनकर निश्चित रूप से सुनने वालों का मन यह सोचकर द्रवित हो उठता है कि इतनी गरीबी में पलने वाला व्यक्ति किस तरह भारतीय संविधान व लोकतंत्र की महिमा से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँच सका। और जब वही मोदी यह कहते हैं कि मैं प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रधानसेवक हूं। वे स्वयं को फ़कीर भी बताते हैं। यहां तक कि जब उनसे यह पूछा जाने लगता है कि उनमें यह फ़कीरी आई कहां से? और वे खुद ही यह भी कहते हैं कि-विरोधी मेरा क्या कर लेंगे? हम तो फ़कीर आदमी हैं, झोला लेकर चल पड़ेंगे। यह फ़कीरी है, जिसने मुझे गरीबों के लिए लड़ने की ताकत दी है। संघ से जुड़े अपने शुरुआती दिनों पर रौशनी डालते हुये वे यह भी बता चुके हैं कि काफ़ी दिनों तक वे अहमदाबाद के मणिनगर में डॉ. हेडगेवार भवन में रुके थे, वहां वे सफाई करते थे। वहां उनका यही काम था, सुबह 5 बजे उठना, झाड़ू-पोछा लगाना. सबके लिए चाय बनाना और 5.20 बजे सबको उठाकर चाय देना। मोदी यह भी कह चुके हैं कि-कोई भरोसा नहीं करेगा, लेकिन मैं 35 साल तक भिक्षा मांग कर खाया हूं। बेशक ये बात किसी के गले नहीं उतरेगी। हालांकि, मैं कहीं बता कर नहीं जाता था। वहां जाने पर जो भी मिल जाता, मैं खा लेता। जरूर नहीं मिलता तो नहीं खाता। मेरा जीवन ऐसे ही गुजरा है। कभी पार्टी के काम से देर से आया तो खिचड़ी बनाकर खा लेता था। और प्रधानमंत्री बनने के बाद जब वे कभी कभी संतों की वेशभूषा में कहीं कहीं शाष्टांग दंडवत करते दिखाई देते हैं तो भी यही गुमान भी होने लगता है कि वास्तव में देश को गरीबी में परवरिश पाने वाला कोई संत फ़कीर रुपी प्रधानमंत्री मिला है। ज़ाहिर है ऐसे घोर गरीबी में पलने वाले ऐसे व्यक्ति से तो यही उम्मीद की जा सकती है कि उसका सारा जीवन सादगी से भरा हुआ होगा उसके रहन सहन व क्रिया कलापों में भी सादगी की झलक नज़र आएगी। और उसका सारा जीवन गरीबों के कल्याण में व उनका जीवन स्तर ऊपर लेजाने में गुज़रेगा।

परन्तु इन्हीं नरेंद्र मोदी का एक ऐसा रूप भी है जो उनकी बालकथा से बिल्कुल विपरीत है। उनका खान पान परिधान आदि तो शाही हैं ही साथ ही उनके राजनैतिक व सरकारी क्रिया कलाप व आयोजन भी इतने खर्चीले हैं जितने कि पूर्व के किसी भी प्रधानमंत्री के नहीं रहे। मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही अपनी यात्रा के लिए लगभग 8, 458 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक दो बोईंग 777-300ईआर विमान खरीदे। यह विमान अमेरिकी राष्ट्रपति के एयरफोर्स वन की तरह के हैं। बल्कि कई मामलों में उससे भी आधुनिक हैं। एक ह्यग्रीब प्रधानमंत्रीह्न के इस कदम की बहुत आलोचना हुई थी क्योंकि इसमें देश की गरीब जनता का पैसा लगा था। इसी के साथ मोदी ने सेंट्रल विस्टा नामक परियोजना के तहत नया संसद भवन बनवा डाला। इस परियोजना की लागत अनुमानतः 13, 450 करोड़ थी। यह भी जनता के टैक्स के पैसों से बनाया गया ऐसा प्रोजेक्ट था जिसकी देश को कोई आपातकालीन जरुरत नहीं थी। पुराना संसद भवन भी अभी पूरी तरह मजबूत अवस्था में है। मगर यह सब एक फ़कीर प्रधानमंत्री के फ़ैसले थे। मोदी जी को जहां महंगे व बेशक़ीमती परिधान पहनने व दिन में कई बार लिबास बदलने का शौक़ है वहीं इनकी घड़ियाँ व पेन आदि भी लाखों रुपए क़ीमत के और विदेशी होते हैं। याद कीजिये राष्ट्रपति ओबामा के भारत दौरे पर मुलाक़ात के समय नरेंद्र मोदी ने जो कोट सूट पहना था उसके फैब्रिक में ही नरेंद्र दामोदरदास मोदी बुना हुआ था। जब इस आलीशान शहंशाही परिधान की खूब आलोचना हुई तो इसे नीलाम कर दिया गया। उसी के बाद विपक्षी मोदी सरकार को सूट बूट वाली सरकार कहते हैं। मेकअप कराना फोटो शूट कराना, पोज देना, कैमरे में अपने सिवा अन्यों को फ्रेम से बाहर रखना जैसी फ़कीरी भरी बातों से तो सभी वाकिफ़ हैं।

इतना ही नहीं बल्कि सरकारी खर्च पर बड़े बड़े आयोजन करना चुनावी सभाओं व रैलियों को करोड़ों खर्च कर उत्सव का रूप देना, अपनी छवि चमकाने के लिया एजेंसियां अनुबंधित करने व विज्ञापन आदि पर जनता का पैसा खर्च करना भी इनके शगल में शामिल है। गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान सी प्लेन मोदी ने सी प्लेन उद्घाटित किया और वोट बटोरने की कोशिश की परन्तु बाद में वह सेवा ही बंद हो गयी। जी एस टी जैसा कथित तौर पर व्यावसायिक विरोधी कहा जाने वाला कानून जिस रात लागू हुआ उस रात तो ऐसा जश्न मनाया गया गोया देश को नई आजादी मिली हो। चुनावों में होने वाले इनके रोड शो बेहद खर्चीले होते हैं। इनके रोड शो में ट्रकों में भरकर फूल मंगाए जाते हैं। एक स्थान पर सैकड़ों कार्यकर्त्ता उनकी पंखुड़ियां अलग करते हैं। फिर पूरे रस्ते में पार्टी कार्यकर्त्ता निर्धारित दूरी व स्थान पर थैलों में उन पंखुड़ियों को लेकर सड़कों व छतों पर खड़े होते हैं। और ह्यशहंशाह रुपी फक़ीरह्न के वहां से गुजरने पर उनपर पुष्प वर्षा करते हैं। जबकि देश को टी वी पर देखने में यही लगता है कि जनता फूल बरसा कर उनका स्वागत कर रही है। पिछले दिनों वाराणसी में उनके नामांकन के दौरान भी इसी तरह का दृश्य देखने को मिला। पहले उन्होंने 13 मई को वाराणसी में 6 किमी लंबा बेहद खर्चीला रोड शो किया। उसके बाद क्रूज पर बैठ वाराणसी के घाटों का भ्रमण किया। उसी क्रूज पर एक ह्यगोदी मीडियाह्न के सदस्य टी वी चैनल को एक सुगम साक्षात्कार दिया। उसमें अपनी भावुकता जमकर दर्शायी।

औषधीय एवं पौष्टिक गुणों से भरपूर सहजन की खेती में लागत कम, आय ज्यादा

पृथ्वी पर पाए जाने वाले किसी भी पौधे में सहजन के बराबर औषधीय एवं पौष्टिक गुण नही पाए जाते है। सहजन बिहार में सालो भर उगाये जाने वाला बहुवर्षीय सब्जी है। सहजन के लिए किसी विशेष देखभाल की आवश्यकता नही होती हैं। सामान्यतः सहजन में फल सालभर में एक बार आता है, जिसके फल का उपयोग लोग साल में एक बार जाड़े के दिनों में सब्जी के रूप में करते हैं। सहजन की कुछ प्रजातियों में फल साल में दो बार आता है। दक्षिण भारत में सहजन के फूल, फल, पत्ती का उपयोग अपने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में सालों भर किया जाता हैं। सहजन की खेती भारत ही नहीं बल्कि फिलीपिंस, मैक्सिको, श्रीलंका, मलेशिया आदि देशों में होती है। सहजन के बीज से तेल भी निकाला जाता है। बीज को उबालकर सुखाने और फिर पाउडर बनाकर विदेशों में निर्यात भी किया जा रहा है। सहजन में औषधीय गुण प्रचुर मात्रा में है और इसके पौधे के सभी भागों का उपयोग विभिन्न कार्यो में किया जाता है। सहजन का वैज्ञानिक नाम मोरिंगा ओलीफेरा है। सामान्यतया यह एक बहुवर्षीय, कमजोर तना और छोटी-छोटी पत्तियों वाला लगभग दस मीटर से भी उंचा पौधा होता है। यह कम उपजाऊ जमीन में भी बिना सिंचाई के सालों भर हरा-भरा और तेजी से बढने वाला पौधा है। हाल के दिनों में सहजन का साल में दो बार फलने वाला वार्षिक प्रभेद तैयार किया गया है, जो न सिर्फ ज्यादा उत्पादन देता है , बल्कि यह प्रोटीन, लवण, लोहा, विटामिन-बी, और विटामिन-सी. से भरपूर है। बिहार के किसानों और खासकर अपनी भू-भागीय पसंद के कारण सहजन दियारा क्षेत्र के किसानों के लिए उनकी फसल प्रणाली का एक आर्थिक महत्व का उपयुक्त फसल हो सकता है ।

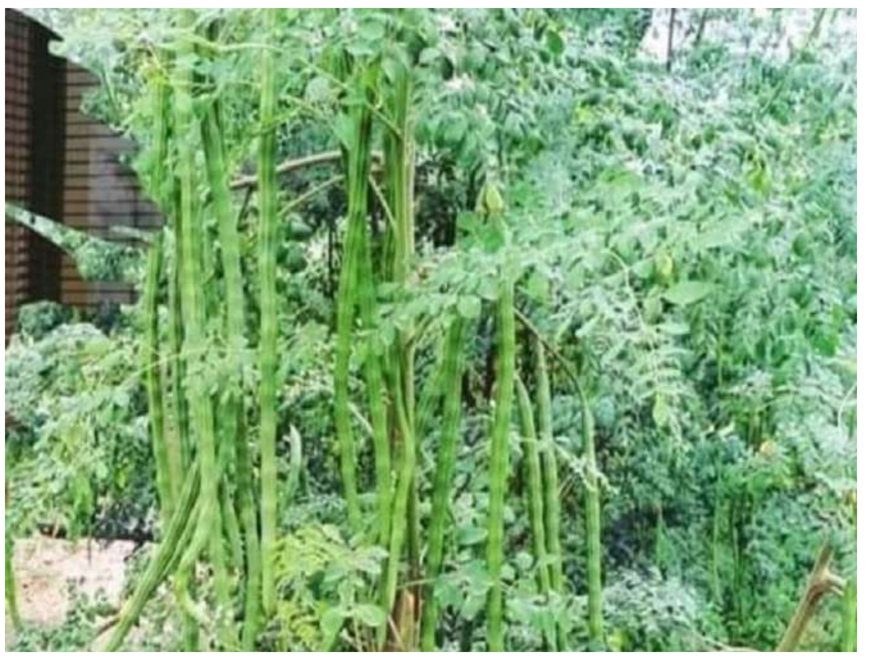

डाक्टर एसके सिंह
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक हैं

सहजन के महत्व को उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण भारत के लोगों को पहले से मालूम है लेकिन अब इसका महत्व सभी को पता है जब पौष्टिक सब्जियों की चर्चा होती है तो सबसे पहले जो नाम आता है,वह सहजन है। पृथ्वी पर पाए जाने वाले किसी भी पौधे में सहजन के बराबर औषधीय एवं पौष्टिक गुण नही पाए जाते है। सहजन बिहार में सालो भर उगाये जाने वाला बहुवर्षीय सब्जी है। सहजन के लिए किसी विशेष देखभाल की आवश्यकता नही होती हैं। सामान्यतः सहजन में फल सालभर में एक बार आता है, जिसके फल का उपयोग लोग साल में एक बार जाड़े के दिनों में सब्जी के रूप में करते हैं। सहजन की कुछ प्रजातियों में फल साल में दो बार आता है। दक्षिण भारत में सहजन के फूल, फल, पत्ती का उपयोग अपने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में सालों भर किया जाता हैं। सहजन की खेती भारत ही नहीं बल्कि फिलीपिंस, मैक्सिको, श्रीलंका, मलेशिया आदि देशों में होती है। सहजन के बीज से तेल भी निकाला जाता है। बीज को उबालकर सुखाने और फिर पाउडर बनाकर विदेशों में निर्यात भी किया जा रहा है। सहजन में औषधीय गुण प्रचुर मात्रा में है और इसके पौधे के सभी भागों का उपयोग विभिन्न कार्यो में किया जाता है।

सहजन का वैज्ञानिक नाम मोरिंगा ओलीफेरा है। सामान्यतया यह एक बहुवर्षीय, कमजोर तना और छोटी-छोटी पत्तियों वाला लगभग दस मीटर से भी उंचा पौधा होता है। यह कम उपजाऊ जमीन में भी बिना सिंचाई के सालों भर हरा-भरा और तेजी से बढने वाला पौधा है। हाल के दिनों में सहजन का साल में दो बार फलने वाला वार्षिक प्रभेद तैयार किया गया है, जो न सिर्फ ज्यादा उत्पादन देता है , बल्कि यह प्रोटीन, लवण, लोहा, विटामिन-बी, और विटामिन-सी. से भरपूर है। बिहार के किसानों और खासकर अपनी भू-भागीय पसंद के कारण सहजन दियारा क्षेत्र के किसानों के लिए उनकी फसल प्रणाली का एक आर्थिक महत्व का उपयुक्त फसल हो सकता है । सामान्यतया 25-30 डिग्री सेल्सियस के औसत तापमान पर सहजन के पौधा को हरा-भरा बनाए रहने व काफी फैलने वाला विकास होता है। यह ठंढ को भी सहता है, परन्तु पाला से पौधा को नुकसान होता है। फूल आते समय यदि तापक्रम 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो तो फूल झड़ने लगता है। कम या ज्यादा वर्षा से पौधे को कोई नुकसान नहीं होता है। यह विभिन्न पारिस्थितिक अवस्थाओं में उगने वाला पौधा है इसकी खेती सभी प्रकार की मिट्टियों में की जा सकती है। यहाँ तक कि बेकार, बंजर और कम उर्वरा भूमि में भी इसकी खेती की जा सकती है, परन्तु व्यवसायिक खेती के लिए साल में दो बार फलनेवाला सहजन के प्रभेदों के लिए 6-7.5 पी.एच. मान वाली बलुई दोमट मिट्टी बेहतर पायी गई है। सहजन की वर्ष में दो बार फलने वाले प्रभेदों में पी.के.एम.1, पी.के.एम.2, कोयेंबटूर 1 तथा कोयेंबटूर 2 प्रमुख हैं। इसका पौधा 4-6 मीटर उंचा होता है तथा 90-100 दिनों में इसमें फूल आता है। जरूरत के अनुसार विभिन्न अवस्थाओं में फल की तुड़ाई करते रहते हैं। पौधे लगाने के लगभग 160-170 दिनों में फल तैयार हो जाता है। साल में एक पौधा से 65-70 सें.मी. लम्बा तथा औसतन 6.3 सेंमी. मोटा, 200-400 फल (40-50 किलोग्राम) मिलता है। यह काफी गूदेदार होता है तथा पकने के बाद इसका 70 प्रतिशत भाग खाने योग्य होता है। एक बार लगाने के बाद से 4-5 वर्षो तक इससे फलन लिया जा सकता है। यहां यह बता देना आवश्यक है की आजकल सहजन की खेती दुधारू जानवरों को चारा के लिए किया जा रहा है,इससे जानवरों का स्वास्थ्य एवं दूध भी बढ़ रहा है।

प्रत्येक वर्ष फसल लेने के बाद पौधे को जमीन से एक मीटर छोड़कर काटना आवश्यक है। कटे हिस्से को भी जमीन में लगाया जा सकता है। सहजन के पौध की रोपनी गड्ढा बनाकर की जाती है। खेत को अच्छी तरह खरपतवार मुक्त करने के बाद 2.5 ७ 2.5 मीटर की दूरी पर 45 ७ 45 ७ 45 सेंमी. आकार का गड्ढा बनाते हैं। गड्ढे के उपरी मिट्टी के साथ 10 किलोग्राम सड़ा हुआ गोबर का खाद मिलाकर गड्ढे को भर देते हैं। इससे खेत पौध के रोपनी हेतु तैयार हो जाता है सहजन में बीज और शाखा के टुकड़ों दोनों प्रकार से ही प्रबर्द्धन होता है। अच्छी फलन और साल में दो बार फलन के लिए बीज से प्रबर्द्धन करना अच्छा है। एक हेक्टेयर में खेती करने के लिए 500 से 700 ग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज को सीधे तैयार गड्ढों में या फिर पॉलीथीन बैग में तैयार कर गड्ढों में लगाया जा सकता है। पॉलीथीन बैग में पौध एक महीना में लगाने योग्य तैयार हो जाता है एक महीने के तैयार पौध को पहले से तैयार किए गये गड्ढों में जून से लेकर सितम्बर तक रोपनी किया जा सकता है। पौध जब लगभग 75 सेंमी का हो जाये तो पौध के ऊपरी भाग को तोड़ देना चाहिए , इससे बगल से शाखाओं को निकलने में आसानी होगी। रोपनी के तीन महीने के बाद 100 ग्राम यूरिया , 75 ग्राम सुपर फास्फेट ,और 75 ग्राम पोटाश प्रति गड्ढा की दर से डालें तथा इसके तीन महीने बाद 100 ग्राम यूरिया प्रति गड्ढा का पुनः व्यवहार करें। सहजन पर किए गए शोध से यह पाया गया कि मात्र 15 किलोग्राम गोबर की खाद प्रति गड्ढा तथा एजोसपिरिलम और पी.एस.बी. (5 किलोग्राम/ हेक्टेयर) के प्रयोग से जैविक सहजन की खेती, उपज में बिना किसी ह्रास के किया जा सकता है।अच्छे उत्पादन के लिए सिंचाई करना लाभदायक है। गड्ढों में बीज से अगर प्रबर्द्धन किया गया है तो बीज के अंकुरण और अच्छी तरह से स्थापन तक नमी का बना रहना आवश्यक है। फूल लगने के समय खेत ज्यादा सूखा या ज्यादा गीला रहने पर दोनों ही अवस्था में फूल के झड़ने की समस्या होती है।

सहजन पर सबसे ज्यादा आक्रमण बिहार हेयरी कैटर पीलर नामक कीट से है । इसे अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो यह सम्पूर्ण पौधे की पत्तियों को खा जाता है तथा आसपास में भी फैल जाता है और अन्य पौधों को भी आक्रांत कर सकता है। अंडा से निकलने के बाद अपने नवजात अवस्था में यह कीट समूह में एक स्थान पर रहता हैं बाद में भोजन की तलाश में यह सम्पूर्ण पौधों पर बिखर जाता है। इस कीट के नियंत्रण के लिए कीट के नवजात अवस्था में सर्फ को घोलकर अगर इसके ऊपर डाल दिया जाय तो सभी कीट मर जाते हैं। वयस्क अवस्था में जब यह सम्पूर्ण पौधों पर फैल जाता है तो एकमात्र दवा डाइक्लोरोवास (नूभान) 0.5 मिली. एक लीटर पानी में घोलकर पौधों पर छिड़काव करने से तत्काल लाभ मिलता है।

सहजन के दूसरे कीट में कभी-कभी फल पर फल मक्खी का आक्रमण होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु भी डाइक्लोरोवास (नूभान) 0.5 मिली. दवा एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने पर कीट का नियंत्रण होता है। साल में दो बार फल देनेवाले सहजन की किस्मों की तुड़ाई सामान्यतया फरवरी-मार्च और सितम्बर-अक्टूबर में होती है। प्रत्येक पौधे से लगभग 200-400 (40-50 किलोग्राम) सहजन सालभर में प्राप्त हो जाता है। सहजन की तुड़ाई बाजार और मात्रा के अनुसार 1-2 माह तक चलता है। सहजन के फल में रेशा आने से पहले ही तुड़ाई करने से बाजार में मांग बनी रहती है और इससे लाभ भी ज्यादा मिलता है। सहजन बहुउपयोगी पौधा है। पौधे के सभी भागों का प्रयोग भोजन, दवा औद्योगिक कार्यो आदि में किया जाता है। सहजन में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व व विटामिन है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें दूध की तुलना में चार गुणा पोटाशियम तथा संतरा की तुलना

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में वृद्धि से गरीब वर्ग तक सहायता पहुंचाना हुआ आसान

केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया था तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे धीरे दूर कर लिया गया है एवं आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में कर व्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और यह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मक्खी गुलाब के फूल से शहद कुछ इस प्रकार से निकालती है कि फूल को मालूम ही नहीं पड़ता है, ठीक इसी प्रकार की कर व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं कर सेवा के माध्यम से, देश में लागू करने के प्रयास किये गए हैं।

प्रहलाद सबनानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आपको ध्यान होगा कि जब केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया था तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे धीरे दूर कर लिया गया है एवं आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में कर व्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और यह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मक्खी गुलाब के फूल से शहद कुछ इस प्रकार से निकालती है कि फूल को मालूम ही नहीं पड़ता है, ठीक इसी प्रकार की कर व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं कर सेवा के माध्यम से, देश में लागू करने के प्रयास किये गए हैं। गरीब वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर को या तो शून्य रखा गया है अथवा कर की दर बहुत कम रखी गई है। इसके विपरीत, धनाडय वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर बहुत अधिक रखी गई है। वस्तु एवं सेवा कर की दर को शून्य प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत अधिकतम तक रखा गया है। भारत में वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू किया हुए 6.5 वर्षों से अधिक का समय हो चुका है एवं आज देश में अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में लगातार हो रही तेज वृद्धि के रूप में इसके सुखद परिणाम स्पष्टतः दिखाई देने लगे हैं। दिनांक 1 मई 2024 को अप्रेल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से देश में कर संग्रहण में आई वृद्धि के चलते ही आज केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग को विभिन्न विशेष योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 80 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पीएम उज्जवल योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये गए हैं।

प्रवासी कामगारों से मजबूत होती अर्थव्यवस्था

ललित गर्ग-

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई 2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत विदेशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गौरवपूर्ण गाथा को दशार्ता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्त्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई है, जो 117 मिलियन तक पहुँच गई है, जो विस्थापन संकट को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है।

भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि जैसे पेशेवरों का अनुपात बढ़ गया है। इनके वेतन ज्यादा होता है और वे बड़ी मात्रा में पैसा भारत भेजते हैं। इनके अलावा भारतीय कामगार भी बड़ी संख्या में विदेशों में अपने श्रम से धन अर्जित करके न केवल अपने परिवारों का पालन-पोषण करते हैं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव एवं देशप्रेम को ही दशार्ता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दुनिया में भारतीय श्रम-शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल आर्थिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वार खोलती है, जिससे दुनिया में भारत की ताकत को नये पंख लगते हैं। भारतीय कामगारों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल के लिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब हैं जबकि राजनीतिक कारणों से भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश से आती है। प्रश्न है कि भारतीय कामगार एवं प्रतिभाएं जितनी बड़ी संख्या में विदेशों में जाकर अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभा का लोहा मनवा रही है, विदेशी प्रतिभाएं उतनी संख्या में भारत नहीं आ रही है। वोट बैंक बढ़ाने के लिये बांग्लादेश आदि पडौसी देशों से गरीब एवं मुसलमानों का बड़ी संख्या में देश में आना, यहां के विकास को अवरोध करता है। इस तरह के लोगों के आने से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वही उनका भारत के विकास में योगदान नगण्य है और उनका भारत से कोई मजबूत एवं आत्मीय रिश्ता भी कायम नहीं हो पाता है, यह एक समस्या के रूप में भारत के विकास को बाधित करता है। दुनिया में भारतीय श्रम एवं कौशल की बड़ी मांग है। क्योंकि भारतीय मजबूर मेहनती, ईमानदार एवं कार्यनिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भारी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के वास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इरादा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एग्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घट रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एग्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय वहां खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

मतदाता जागरूकता अभियान का किया गया शुरूआत

मोतीहारी ।चैम्बर ऑफ कॉमर्स के द्वारा 24 लोकसभा के चुनाव के तहत मतदाता जागरूकता अभियान की शुरूवात किया गया ।चैंबर का स्टिकर का लोकार्पण चैंबर के वरीय सदस्य सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर आशुतोष शरण चैंबर के अध्यक्ष राजीव विजडम पूर्व अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल रविकृष्ण लोहिया के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । इस अवसर पे महासचिव सुनिल कुमार श्रीवास्तव, पुर्व महासचिव अभिमन्यु कुमार संयुक्त सचिव आलोक कुमार उपस्थित थे। उक्त जानकारी चैम्बर के मिडिया प्रभारी आलोक कुमार ने दिया।

आओ मिलकर अलख जगायें शत प्रतिशत मतदान करायें

रसूलपुर ।थाना क्षेत्र की असहनी पंचायत के रामनंदन हाईस्कूल योगियां में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आओ मिल कर अलख जगाएं शत प्रतिशत मतदान करायें ।उम्र अठारह पुरी है ,वोट भी अब जरूरी है जैसे स्लोगनों पर आधारित गीत शिक्षिका व छात्राओं प्रस्तुत किया ।गीत को विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से लोग देख सुन प्रशंसा कर रहे हैं ।प्रधानाचार्य लाल बाबू यादव की अध्यक्षता में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में संगीत शिक्षिका अर्चना मिश्रा के संगीत निर्देशन में छात्राओं व शिक्षकों ने सामुहिक रूप से गीत गाये ।सह वादन व गायन शिक्षक रामेश्वर गोप ,संगीत शिक्षक राजेश प्रसाद, नेहा कुमारी, सुनैना,कामिनी कुमारी, राजकुमारी,अमरनाथ गुप्ता ,शिव कुमार ,कुमार प्रिंस ,रघुवीर सिंह आदि ने किया।

कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

डोरीगंज। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील मोदी के निधन से भाजपा समेत बिहार की राजनीतिक महकमे में मायूसी छा गई है। सभी जगहों पर अपने नेता को कार्यकर्ता श्रद्धांजलि दे रहे हैं। गुरुवार को चिरांद में भारतीय जनता पार्टी के भाजपा के कार्यकताओं ने चिरांद विकास परिषद के संस्थापक सदस्य रघुनाथ सिंह के आवासीय परिसर मे शोक सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिलाउपाध्यक्ष हरेश्वर सिंह ने की। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से नवल किशोर प्रसाद,दीनानाथ प्रसाद,राजेश्वर मिस्त्री, लक्ष्मीनारायण साह, चन्देश्वर कुशवाहा,विनय कुमार विमल, सुजित कुमार,गसंध्या सिंह, रामावती देवी,मोहन साह सहित कई गणमान्य लोगों ने सुशील मोदी को श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि भी की। कार्यकताओं ने सुशील मोदी के राजनीतिक जीवन पर भी विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

योजनाओं को कार्य कराए बिना राशि उठाव का डीडीसी को आवेदन

बनियापुर । सतुआ पंचायत के एक दर्जन ग्रामीणों ने डीडीसी को आवेदन देकर बीडीसी के को आरोपित करते योजना क्रियान्वन की जांच की मांग किया है। जिसमे सतुआ पश्चिमी के बीडीसी नितीश कुशवाहा को आरोपित करते बताया गया है कई योजनाओं की राशि का उठाव स्थानीय कर्मी की मिलीभगत से बिना कार्य कराए राशि उठाव कर लिया गया है ।आवेदक सुरेश प्रसाद साह तेरस प्रसाद कृष्णा प्रसाद राजकुमार प्रसाद राजकुमार राम लालझड़ी देवी मीना देवी आदि ने पत्र मे लिखा है कि उक्त बीडीसी सदस्य द्वारा विभिन्न कई योजनाएँ जिनका नाम पता नही है राशि का भुगतान करा लिया गया है वही जिन योजनाओं का कार्यकाल पांच वर्ष था उनपर भी राशि निकासी हो गयी है आवेदको ने योजनाओं की जाँच की मांग की गयी है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चलाया हर घर दस्तक अभियान

एकमा। जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बृहस्पतिवार के दिन सुबह से ही बीईओ द्वारा हर घर दस्तक अभियान चलाया गया । जहां नगर के वार्ड संख्या 12 13 व 4 तथा 5 में हर घर दस्तक देकर मतदाताओं से संवाद किया । उन्होंने पूछा कि मतदाता पर्ची मिली है या नहीं कुछ घरों में उन्होंने मतदाता पर्ची का अवलोकन भी किया। कई मुहल्लों में स्थानीय बीएल ओ द्वारा मतदाता पर्ची वितरण करते हुए पाए गए ।वहीं कई वार्ड क्षेत्र में मतदाता पर्ची का वितरण नहीं किए जाने की सूचना मिली है । जिस पर बीईओ ने कहा कि 1 से 2 दिनों में सभी के घरों तक मतदाता पर्ची पहुंच जाएगी । इस दौरान बीएल ओ को स्पष्ट निर्देश दिया गया है ।इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह मतदाता जागरुकता अभियान हंसराजपुर एकमा हेकाम नरहनी सहित अन्य जगहों पर स्थानीय सैकड़ो महिला व पुरुषों के बीच जागरूकता चलाया गया ।

एनडीए गठबंधन लोगों के विश्वास पर खरा उतरा है :नीतीश

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भेलाही में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन पर बिहार की जनता ने विश्वास किया और हमलोग लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का काम किया है। एनडीए द्वारा पक्षपात रहित विकास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सड़क योजना से गांवों को शहर से जोड़ने का काम किया गया। आज किसी भी सुदूरवर्ती गांव में जाने के लिए किसी भी मौसम में सोचने की जरूरत नहीं है। आज सरकार के प्रयासों से बिहार को उस दलदल से निकाला गया है जहा इस राज्य को अपमानित होना पड़ता था। बिहार की बेटियों के लिए वह सभी काम सरकार ने किया जिससे उनका उतथान हुआ है। मुख्यमंत्री साईकिल योजना, छात्रवृत्ति योजना और प्रोत्साहन योजनाओं को चलाकर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया गया है। बिहार की बेटियां किसी से कम नहीं। कानून व्यवस्था इस प्रकार स्थापित किया गया है कि बेटियां बेधड़क आ रही और जा रही हैं। यह जंगल राज वाले लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की उपलब्धि को भी बताया और कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का मान बढ़ा है। आज कोई देश भारत की तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकता। देश नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित है और यह चुनाव उनका है। लोग एनडीए को इनके नाम पर मतदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश के विकास के लिए पश्चिम चम्पारण लोकसभा क्षेत्र से डां संजय जायसवाल को जिताने का आह्वान किया। कहा कि संजय जायसवाल अपने लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा संघर्ष करते हैं और राज्य से लेकर कई केंद्रीय योजनाओं को इस लोकसभा क्षेत्र में उतारा है ।एन एच पर कई रेल ओवर ब्रीज का निर्माण कराएं हैं वही बेतिया शहर, नरकटियागंज इत्यादि शहरों में इनके प्रयास से ओवर ब्रीज का जाल बिछाया गया है। मौके पर बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी, राज्य सभा सांसद संजय झा ने भी पहुच सभा को संबोधित किया। वही इस चुनावी सभा की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय ने की, मंच का संचालन जेडीयू जिलाध्यक्ष मंजू देवी ने की। धन्यवाद ज्ञापन बिहार भाजपा मुख्यालय सह प्रभारी ई जीतेन्द्र कुशवाहा ने किया वही मौके पर सांसद प्रत्याशी डॉ संजय जायसवाल, मंत्री बिहार सरकार कृष्णनंदन पासवान, स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा, केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद, पूर्व मंत्री वीरेंद्र कुशवाहा, जेडीयू प्रदेश महासचिव भुवन पटेल, राजकुमार गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मनाया विश्व डेंगू दिवस

पानी में पनपता है डेंगू का मच्छर, घरों के आसपास न जमा होने दें पानी

प्रात: किरण, संवाददाता

मोतिहारी। जिले के सदर अस्पताल जीएनएम हॉस्टल परिसर मोतिहारी, सदर स्वास्थ्य केंद्र, अनुमण्डलीय अस्पताल ढाका, पकड़ीदयाल, अरेराज सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा गुरुवार को विश्व डेंगू दिवस मनाया गया ।इस सम्बन्ध में जिले के डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की आशा, नर्स, भीबीडीएस व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से बैनर, पोस्टर, लीफलेट के साथ लोगों को डेंगू से बचाव की जानकारी दी गईं। भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया की डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते है। इसलिए घरों के आसपास पानी जमा होने दें, किटनाशक का छिड़काव करें,रात को सोते समय मछड़ दानी का उपयोग करें। डेंगू का जाँच व इलाज सभी सरकारी पीएचसी में उपलब्ध है ।वैसे व्यक्ति दुबारा डेंगू बुखार की शंका होने पर तुरंत ही सरकारी अस्पताल चिकित्सक से संपर्क करें,सरकारी अस्पतालों में है उपचार व जांच हेतु किट निःशुल्क उपलब्ध है ।बरसात बाद जब डेंगू के जब मामले आते तब सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों की सुविधाओं के लिए अलग से बेड की व्यवस्था की जाती है ।अनुमण्डलीय अस्पताल ढाका में विश्व डेंगू दिवस के मौके पर उपाधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुधीर कुमार गुप्ता, स्वास्थ्य प्रबंधक विनय कुमार गुप्ता व उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों को डेंगू के लक्षण की जानकारी देते हुए कहा की मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। इसमें तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द त्वचा पर लाल धब्बे या चकते का निशान, काला पखाना होना आदि डेंगू के लक्षण देखने को मिलते हैं ।इसमें मरीज के शरीर में प्लेटलेट काउंट कम होने लगता है। जिससे रोगी की स्थिति गंभीर हो जाता है। इससे बचने के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक से तुरंत इलाज करवाना चाहिए ।सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। इसके साथ-साथ मच्छर भगाने वाली क्रीम या दवा का प्रयोग दिन में भी करें। पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। घर के सभी कमरों को साफ-सुथरा रखें। टूटे-फूटे बर्तनों, कूलर, एसी, फ्रीज में पानी जमा नहीं होने दें। पानी टंकी और घर के आसपास अन्य जगहों पर भी पानी नहीं जमने दें। घर के आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखें और कीटनाशक दवा का इस्तेमाल करें।

केविवि के विद्यार्थी को देश की प्रतिष्ठित कंपनी में मिली नियुक्ति

प्रबंध विज्ञान विभाग के फोर्थ सेमेस्टर के छात्र हैं रौशन

- एग्जीक्यूटिव क्लाइंट सर्विसिंग के पद पर करेंगे कार्य

प्रात: किरण, संवाददाता

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि अंतर्गत प्रबंध विज्ञान विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को लगातार अभूतपूर्व सफलता मिल रही। विभाग में फोर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत रौशन सिन्हा को प्रतिष्ठित कंपनी इंडियामार्ट इंटरमेश लिमिटेड कंपनी में मिली नियुक्ति के बाद विवि परिवार में हर्ष व्याप्त है। कंपनी में रौशन का सालाना पैकेज 4 लाख रूपए होगा। वह अगले माह 6 जून को कंपनी ज्वाइन करेंगे। यह जानकारी प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने रौशन को नियुक्ति पत्र सौंप दिया है। वहीं कार्य क्षेत्र की भी घोषणा कर दी है। एनसीआर/दिल्ली अंतर्गत शहादरा रौशन का कार्य क्षेत्र होगा। वह यहां पर एग्जीक्यूटिव क्लाइंट सर्विसिंग के पद पर कार्य करेंगे। उन्होंने रौशन की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमारी कोशिश है कि विवि में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ बेहतर रोजगार भी मिले। खासकर, प्रबंध विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के संबंध में वह विशेष तौर पर प्रयासरत हैं। उन्होंने निकट भविष्य में प्रबंध विज्ञान विभाग में अध्ययनरत और भी विद्यार्थियों के देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में नियुक्ति मिलने की उम्मीद जाहिर की है। विभाग के प्राध्यापकों ने रौशन की सफलता पर खुशी जाहिर कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रबंध विज्ञान विभाग की प्लेसमेंट कॉर्डिनेटर प्राध्यापक डॉ. सपना, डॉ. अरूण कुमार, डॉ. अलका ललहाल, डॉ. कमलेश कुमार आदि ने बधाई दी है।

तीसरी बार बनेंगे पीएम : डॉ संजय

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। पश्चिम चंपारण लोक सभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार डां संजय जायसवाल क्षेत्र भ्रमण के दौरान कैप्टन आलोक सिंह के टाटा मोटर्स परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आम मतदाता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन बना चुके हैं ।निवर्तमान सांसद ने कहा कि जब से वे सांसद बने है क्षेत्र में विकास कार्य तेज गति से हुई है ।इस दौरान उन्होंने देश हित में कमल के फूल पर मतदान करने की अपील की। इसके बाद इनके आवास पर कार्यकताओं ने दिन का भोजन किया ।मौके पर पूर्व मंत्री राजेश सिंह,लोजपा प्रदेश महासचिव पंकज ऊर्फ लोहा पाण्डेय,भाजपा नेता हरिमोहन भगत ऊर्फ राजू भगत,कैप्टन अश्लोक सिंह,अभिषेक सिंह,प्रमुख पति विशाल गुप्ता,उप प्रमुख अरविंद पांडेय,भूषण सिंह ,मुखिया अशोक कुमार, कैप्टेन यशलोक सिंह, अभिषेक सिंह, सत्येंद्र सिंह, मुन्ना ओझा, चुन्नू सिंह सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

चित्रांशों की बैठक आज, वर्तमान राजनीति व चुनाव पर होगी विस्तृत चर्चा

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय ।शहर के आशीर्वाद मार्केट काम्प्लेक्स में कुछ कायस्थ संगठनों की बैठक हुई । हालाँकि विगत दिनो पहले भी बैठक हुई थी । गुरुवार की बैठक में उपस्थित लोगो ने निर्णय लिया कि वर्तमान राजनीति पर विचार विमर्श होना आवश्यक है छपरा संसदीय क्षेत्र के शहर एवं प्रखंड में जो भी कायस्थ समाज के सक्रिय लोग है । सभी लोगों से दूरभाष एवं व्यक्तिगत रूप से मिलकर एक विशाल कायस्थ सम्मेलन का आयोजन की जा रही है । 17 मई को संध्या 5बजे से 8बजे तक कायस्थ महासम्मेलन सह प्रीति भोज स्थानीय शिव वाटिका भवन , दलदली बाजार छपरा में होगा । जिसमें हजारों हजार लोग चित्राँश समाज से जुटने की संभावना है । इस सम्मेलन में मुख्य रूप से विनोद कुमार श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष कायस्थ महासभा भाग लेंगे । साथ ही साथ कई कायस्थ के वरिष्ठ नेता भी भाग लेंगे । छपरा शहर एवं ज़िले के कई कायस्थ शिरोमणि डॉक्टर , अधिवक्ता , प्रोफेसर , व्यवसायी एवं कई सक्रिय समाज सेवी लोग भी भाग लेंगे । उधर,श्री चित्रगुप्त समिति एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष नागेन्द्र कुमार वर्मा ने जानकारी दी है कि गुरुवार को दोपहर में अशोका ग्रांड होटल के सभागार में दोनों संगठनों के अलावा अन्य चित्रांश संगठनों के सदस्यों की बैठक होगी जिसमें लोक सभा के ताजातरीन चुनाव पर चर्चा की जाएगी ।उन्होंने सभी चित्रांश बंधुओ से आग्रह किया है कि इस बैठक में अवश्य उपस्थिति दर्ज कराए तथा अपने विचार को साझा करें। इस आयोजन को सफल करने के लिए मुख्य रूप से कायस्थ समाज के जो भी संगठन है सभी से अपील की गई है इस आयोजन को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप विकास बहादुर चाँद , अनिल शरण , राजेश कुमार सिन्हा मिंटू जी , अभिजीत श्रीवास्तव , धनंजय श्रीवास्तव ,ओम प्रकाश पुतुल , मुकुंद मोहन राजू ,अमितेश्वर सहाय रोमी , सुबोध कुमार सिन्हा, राकेश दत्ता , दिलीप श्रीवास्तव, हिमाशु, ब्रिज किशोर श्रीवास्तव, भूपेश नंदन , रुपेश नंदन , रणजीत श्रीवास्तव , के साथ साथ शहर एवं प्रखंड के अनेक सक्रिय लोगो ने की है ।

डाकघर पारंपरिक सुविधा के साथ आधुनिक सुविधा देने के प्रति तत्पर है : वरीय डाकपाल

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा। हेड पोस्ट ऑफिस अब ग्राहकों को पारंपरिक सुविधाओं के साथ-साथ आधुनिक सेवा प्रदान करेगी, ग्राहकों को लंबी-लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी,इसके लिए एक विशेष काउंटर भी बनाया गया है। उक्त बातें वरीय डाकपाल पवन कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। प्रेस मीडिया से बात-चीत करते हुए वरीय डाक पालने कहा कि मुख्य डाकघर ने एक नई योजना आपका डाकघर,आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत की है,जिसमें पांच सदस्यों के अलावा 14 डाकिया भी शामिल है। गठित टीम द्वारा सब्जी,ठेला, रिक्शा एवं छोटे-छोटे कारोबारी से संपर्क कर बचत योजनाओं की जानकारी देंगे, और बचत के लिएउन्हें प्रेरित भी करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि डाकघर द्वारा डाक निर्यात केंद्र काउंटर भी खोला गया है, जिससे विदेश में भेजने वाले पार्सलों को भी बुकिंग कर सभी प्रक्रियाओं को मुख्य डाकघर द्वारा पूरा करते हुए,कम दरों पर सुरक्षित रूप से विदेशों में पहुंचाएगी। प्रेस मीडिया को सम्बोधित करते हुए वरीय डाकपाल ने कहा कि ग्राहकों को पासबुक प्रिंट के लिए लंबी-लंबी कतारों अब में खड़ा नहीं होना पड़ेगा, बल्कि एटीएम की तर्ज पर एक आधुनिक मशीन भी लगाया गया है, इसके माध्यम से लेनदेन संबंधी पासबुक पर प्रिंट स्वयं ग्राहक कर सकेंगे। डाकपाल पवन कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हर काउंटर पर प्रिंटर लगाया गया है। इसके अलावा पब्लिक परिसर हॉल में पिन कोड संबंधी बोर्ड लगा दिया गया है। छोटे कारोबारी के लिए लगभग एक दर्जन बचत योजनाएं चल रही हैं, जिसमें आम जनता बचत कर अन्य बैंकिंग संस्थाओं से ज्यादा ब्याज प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की जरूरत के हिसाब से ग्रामीण डाक जीवन बीमा, आयात- निर्यात सुविधा के साथ-साथ जनता की हर जरूरत के लिए डाक घर तत्पर है। डाकघर सबसे पुरानी और विश्वसनीय संस्था है, जहां पत्र वितरण से लेकर बचत योजना संबंधी अनेकों योजनाएं चल रही है, जो आम जनता के लिए लाभप्रद है।

भेल्दी में मारपीट कर हकर से 5 हजार तथा सोने की चेन छीन ली गई

भेल्डी थाना क्षेत्र के सोनहो बाजार में सब्जी खरीद रहे हकर को गाली गलौज कर मारपीट कर घायल कर दिया गया जिसका इलाज अमनौर स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है मिली जानकारी के अनुसार शशिकांत कुमार उम्र 28 वर्ष बताया जा रहा है शशिकांत कुमार ने बताया कि मेरी दुकान सोनोहो बाजार पर है जो मैं प्रतिदिन पेपर बेच कर अपनी रेडीमेड दुकान पर चला आता हूं मैं शाम को दुकान बंद कर सब्जी खरीद रहा था कि बजरंगी कुमार पिता प्रभु महतो हिमांशु कुमार पिता प्रभु महतो एवं तीन अज्ञात लोगों ने मुझे गाली गलौज करने लगे तथा मारपीट कर लहू लुहान कर पॉकिट से 5000 नगद सोने की चेन लेकर चले गए जाते-जाते उन्होंने धमकी दिए कहां की केस किया तो अंजाम बुरा होगा ।

तीसरा मतदाता जागरुकता अभियान ऑनलाइन नि:शुल्क शतरंज प्रतियोगिता 18 मई को

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) ।अखिल बिहार शतरंज संघ से मान्यता प्राप्त चंपारण शतरंज अकादमी के द्वारा आयोजित होगी तीसरा मतदाता जागरुकता अभियान ऑनलाइन निःशुल्क शतरंज प्रतियोगिता 18 मई शुक्रवार को ऑनलाइन लीचेस पे आयोजित होगी ।

अकादेमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन ने बताया की यह प्रतियोगिता 18 मई को रात 8 बजे से शुरू होगा और रात 9:10 तक चलेगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चंपारण शतरंज के प्रांगण कोतवाली चौक में जाकर अपना एंट्री करा सकते हैं।

और अपना लीचेस भी आई डी बनवा सकते हैं और प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं तीसरा मतदाता जागरुकता अभियान ऑनलाइन निःशुल्क शतरंज प्रतियोगिता 17 मई शुक्रवार को भाग लेने की अंतिम तिथि हैं।

यह प्रतियोगिता लीचेस पेयरिंग सिस्टम पर खेला जाएगा और खेलने का समय प्रत्येक मैच पाँच मिनट तीन सेकंड इंक्रीमेंट मैच में होगा और कुल एक घंटा दस मिनट का प्रतियोगिता होगा उसमे से टॉप दस आने वाले को विजेता घोषित किया जाएगा।

उसमें से टॉप आने वाले 10 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इसमे से जितने वाले सभी खिलाडियों ट्रॉफी, मेडल और डिजिटल सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। अकादमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन ने बताया कि यह प्रतियोगिता ऑनलाइन कराकर पश्चिमी चंपारण, बिहार , भारत में जागरूकता अभियान के लिए कराया जा रहा है जिससे ज्यादा से ज्यादा मतदाता प्रतिशत में बढ़ोतरी हो।

लोकसभा चुनाव के बिहार में पांचवें चरण का मतदान मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मधुबनी हाजीपुर, सारण में 20 मई को मतदान हैं । । इस जिले से इस प्रतियोगिता में ज्यादा से ज्यादा खिलाडियों ने भाग लेंगे ।

अपने पश्चिम चंपारण और बाल्मीकि नगर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 25 मई को मतदान होगा इसके लिए चंपारण शतरंज अकादेमी के अनेक प्रकार के प्रतियोगिता और जागरूकता अभियान चलाए जाएगा और जिले में ज्यादा से ज्यादा मतदाता प्रतिशत में बढ़ोतरी हो।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान हुई मौत

प्रात: किरण, संवाददाता

इसुआपुर ।पिछले दिनों मोटरसाइकिल के धक्के से घायल स्थानीय थाना क्षेत्र के चकहन गांव निवासी ओम प्रकाश राय के 23 वर्षीय पुत्र मंटू कुमार राय की असामयिक मौत बुधवार की देर संध्या इलाज के दौरान पटना के एक निजी अस्पताल में बुधवार को हो गई। मालूम हो कि मंटू कुमार राय पिछले 10 मई की रात को एक शादी समारोह से लौटकर अपने घर चकहन आ रहे थे कि इसुआपुर-नेवारी पथ पर अज्ञात मोटरसाइकिल की चपेट में आ गए। जिसके बाद परिजनों द्वारा गंभीर स्थिति में उन्हें पटना के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। मृतक मंटू कुमार राय अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे तथा घर के एकमात्र कमाऊं सदस्य थे। उनके असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी सरिता देवी का रो-रो के हाल बुरा है ।अब उसे अपनी 6 माह की दूधमुंही बच्ची के परवरिश को लेकर चिंता सता रही है। तरैया के पूर्व राजद विधायक मुद्रिका प्रसाद राय, पूर्व प्रखंड प्रमुख राजकुमार राय, बुन्नीलाल राय ने मृतक के घर पहुंच कर अपनी गहरी शोक संवेदना प्रकट की तथा शोक संतप्त परिजनों का ढ़ाढस बंधाया।

स्टेट स्वीप आईकॉन मैथिली ठाकुर पश्चिमी चंपारण जिले के मतदाताओं को करेंगी जागरूक

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर स्वीप गतिविधि के तहत राज्य स्पीप आईकॉन लोक गायिका मैथिली ठाकुर का आज बेतिया में आगमन हो रहा है। इस दौरान मैथिली ठाकुर रोड शो तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से जिले के मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करेंगी। नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग कमलाकांत त्रिवेदी ने बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी पश्चिम चम्पारण दिनेश कुमार राय के दिशा-निर्देश के आलोक में शत-प्रतिशत मतदान के लिए स्वीप गतिविधि के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 17 मई को स्टेट स्वीप आईकॉन मैथिली ठाकुर का जिले में आगमन हो रहा है। उन्होंने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने हेतु रोड शो समाहरणालय परिसर से अपराह्न 03.30 बजे प्रारंभ होगा, जो मुहर्रम चौक, जनता सिनेमा चौक, रेडक्रॉस चौक, पावर हाउस होते हुए स्थानीय प्रेक्षागृह जाकर समाप्त होगा। इसके उपरांत प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें गीत-संगीत के माध्यम से स्टेट स्वीप आईकॉन लोक गायिका मैथिली ठाकुर मतदाताओं को जागरूक करेंगी।

सोलहवीं पुण्य तिथि पर याद किए गए युवा पत्रकार रणधीर

प्रात: किरण, संवाददाता

डोरीगंज ।सोलहवीं पुण्यतिथि पर याद किए गए पत्रकार रणधीर। सदर प्रखंड अंतर्गत चिरांद पंचायत में पत्रकार रणधीर के पैतृक आवास पर उनके सोलहवें पुण्यतिथि पर मीडिया के लोगों के अलावे कई गणमान्य लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि के अवसर पर पत्रकार श्रीराम तिवारी ने कहा कि रणधीर बहुत कम समय में ही लोगों के चहेते हो गए थे। उन्होंने कहा कि आज मीडिया के कारण ही लोगों की समस्याएं हल हो रही हैं तथा आम जनता इन्हीं के सहयोग से अपनी समस्याएं सुलझा रहे हैं। वही पत्रकार सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि मृदुभाषी सरल स्वभाव तथा अपने कर्तव्य के प्रति सदा जागरूक रहते थे रणधीर और बहुत कम समय में लोगों के हृदय के पास पहुंच गए थे। ज्ञात हो 16 वर्ष पूर्व पत्रकार रणधीर लोकसभा चुनाव के मतगणना की कवरेज करने के लिए जा रहे थे कि सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गयी थी। उनके पैतृक आवास पर उनके पिता द्वारा एक आदमकद मूर्ति का अनावरण किया गया है। वे अपने मां-बाप के इकलौते पुत्र थे। माल्यार्पण के समय उनके पिता की आंखें नम देख सभी की आंखों में आंसू छलक गए। उनकी माता काफी भावुक हो गई। पिता राय जगन्नाथ प्रसाद तथा माता रानी सुशीला देवी अपने पुत्र की प्रतिमा पर हर रोज अपने हाथों से माला गुंथ कर चढ़ाती हैं। उनके यहां भोजन बनने के बाद पहले अपने पुत्र के सामने भोग लगता है तब दोनों खाना खाते हैं। श्रद्धांजलि व्यक्त करने वालों में पत्रकार रंजीत सिंह बहन बबिता भगीना आदर्श कुमार,सन कुमार सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

एकमा। बिहार माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव के द्वारा जारी निर्देश के आलोक में बीईओ रागिनी कुमारी ने नगर व प्रखंड के दर्जनों विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। बीईओ ने बताया कि निर्देशक द्वारा स्पष्ट रूप से बताया गया है कि राज्य के सभी प्रारंभिक मध्य विद्यालय और उच्च माध्यमिक विद्यालय में 15 अप्रैल से 15 में तक ग्रीष्म अवकाश घोषित है उक्त अवधि के भिषण गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े इस आलोक में 16 मई से 30 मई तक राज्य के सभी विद्यालयों को प्रातः कालीन संचालित करने का निर्णय लिया गया है। उक्त आदेश के आलोक में सभी विद्यालय में शिक्षण कार्य पूर्वाहन से 12 मध्यान तक निर्धारित किया जाता है। इसी बीच 10:00 बजे से लेकर 10:30 बजे तक मध्यान भोजन कराया जाएगा 12 बजे के बाद कमजोर बच्चों को मिशन दक्ष के तहत उसको पढ़ना है । साथ ही अन्य कार्य जैसे साप्ताहिक या मानसिक मूल्यांकन का कॉपी जांच करना पाठ टीका लिखना साथ ही हेड मास्टर साहब नए बच्चों का एडमिशन लेंगे । इस दौरान बीईओ मीना कुमारी ने नगर के मध्य विद्यालय हँसराजपुर मठनपुरा नरहनी वहीं प्रखंड के बढेया पारसा गढ़ पारसा दक्षिणी मधुबन आदि जगहों के विद्यालय का निरीक्षण किया । इस दौरान सभी विद्यालयों पर छात्र एवं शिक्षक पठन पाठन का कार्य करते हुए दिखाई दिए ।इस मौके पर मध्य विद्यालय हँसराजपुर के शिक्षक उपेंद्र कुमार यादव संजय साह रीता कुमारी गीता कुमारी उमेश साह अफरौजी खातून पप्पू प्रसाद आदि उपस्थित थे।

आबकारी विभाग ने छापेमारी कर भारी मात्रा में नेपाली शराब के साथ तस्करों को किया गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल शहर के समीप नहर चौक पर आबकारी विभाग के द्वारा एक टेम्पू पर लदे भारी मात्रा में शराब को बरामद किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए आबकारी के निरीक्षक लालू कुमार ने बताया कि यह कार्यवाही गुप्त सूचना के आधार पर की गई। ऐसी सूचना मिली कि नेपाल से एक टेम्पू पर नेपाली कस्तूरी शराब की खेप आ रही है। इसपर कार्यवाही करते हुए नहर चौक पर जांच के दौरान टेम्पू पर उक्त शराब को बरामद किया गया ।650 बोतल में 195 लीटर कस्तूरी शराब बरामद हुई। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त स्प्लेंडर रजिस्ट्रेशन नंबर बी आर 05 वाई 4275 को भी जब्त किया गया। इस कार्यवाही में रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर निवासी शहजाद आलम, नीर कुमार व जीवन कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। यह बरामदगी इंस्पेक्टर लालू कुमार के नेतृत्व में की गई और इनके साथ उपेंद्र कुमार, अवधेश कुमार, अमित राज, रीमा कुमारी और वशिष्ठ कुमार इत्यादि के द्वारा की गई।

संक्षिप्त खबरें

आरा मे 50 रेलकर्मियों का स्वास्थ्य जाँच आयोजन हुआ

आरा। ईस्ट सेंट्रल रेलवे के आरा रेलवे स्टेशन परिसर मे आज शिकायत निवारण कैम्प और स्वास्थ्य जाँच की व्यवस्था रेल प्रशासन के तरफ से की गयी! सुबह 10 बजे से शाम 04 बजे तक चले इस कार्यक्रम मे पुरे सेक्शन से लगभग 50 रेलकर्मियों ने भाग लेकर अपनी लंबित शिकायतों को दर्ज कराया और उसके उपरांत बक्सर से आए रेलवे डॉक्टर श्री हरि ओम पाठक की टीम द्वारा स्वास्थ्य जाँच कराया जिसमे सुगर, प्रेसर के साथ अन्य जाँच कर दवा का भी वितरण किया गया! साथ ही दानापुर कार्मिक विभाग से वरीय कल्याण निरीक्षक श्री शशि भूषण जी और श्री भूषण प्रसाद एवम दानापुर के लेखा विभाग से श्री शंकर दयाल जी उपस्थित थे।

बीडीओ ने कई मतदान केंद्र का किया भौतिक सत्यापन

संझौली(रोहतास)। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर बीडीओ मोहम्मद सयैद सरफराजुद्दीन अहमद ने मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया। गुरुवार को संझौली, बसौरा, मसोना व अमैठी सहित लगभग एक दर्जन मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन बीडीओ द्वारा किया गया। जहां आवश्यक बुनियादी सुविधा के तहत रैंप, शौचालय, पेयजल व विद्युत कनेक्शन आदि की जांच किया गया। गौरतलब है कि आगामी एक जून को मतदान किया जाना है। जिसके निमित्त मतदान केंद्रों पर आवश्यक बुनियादी सुविधा की उपलब्धता आवश्यक है। भौतिक सत्यापन के दौरान बीसीओ मनोज कुमार व बिद्यालय के कई शिक्षक मौजूद थे।

10 लीटर महुआ शराब बरामद, धंधेबाज फरार

काराकाट(रोहतास)। काराकाट थाना क्षेत्र के सकला गांव से पुलिस ने देशी शराब बरामद किया लेकिन शराब धंधेबाज फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने गुप्त सूचना पर सकला गांव में छापेमारी किया जहां शराब धंधेबाज पुलिस को देखकर फरार होने में कामयाब हो गया हालाकि 10 लीटर देशी महुआ शराब को पुलिस ने जप्त कर लिया। थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि शराब धंधेबाज को चिन्हीत कर लिया गया है। शराब धंधेबाज सकला गांव निवासी राहुल पासवान पिता सुरेंद्र पासवान है। शराब धंधेबाज को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आपसी विवाद में मारपीट चार पर एफआईआर

काराकाट(रोहतास) : काराकाट थाना क्षेत्र के ईटढिया गांव में आपसी विवाद में मारपीट होने का मामला प्रकाश में आया है। आपसी विवाद में हुये मारपीट में ईंटढियां गांव निवासी संजय कुमार राय पिता अर्जुन राय ने अपने गांव के ही चंदन राय पिता कैलास राय सहित चार को आरोपी बनाया है। थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताता कि मारपीट के मामले कि जानकारी मिली है, जांच जारी है।

सहरियार मोहम्मद अफजल एवं सुनील कुमार सिंह का एडीजे में हुआ प्रमोशन

कैमूर। पटना उच्च न्यायालय ने सिविल कोर्ट भभुआ के न्यायिक दंडाधिकारियों को प्रमोशन देकर सुचारू रूप से काम संचालन का जिम्मेदारी दिया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सहरियार मोहम्मद अफजल को एडीजे पंचम एवं एसीजेएम द्वितीय सुनील कुमार सिंह को एडीजे ग्यारह पर नियुक्त किया गया है। सिविल कोर्ट के जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व संयुक्त सचिव मंटू पांडे ने बताया कि सिविल कोर्ट में दो न्यायिक दंडाधिकारियों को एडीजे बनने पर सुचारू रूप से न्याय प्रक्रिया आरंभ होगी लोगों को समय पर न्याय मिलेगी। दोनों न्यायिक दंडाधिकारियों ने पदभार संभाल लिया है।

जिलाधिकारी ने बीस लोगों की समस्याओं को सुना

गया। गुरुवार आज दोपहर को तपिस के साथ साथ उमस वाली गर्मी के बावजूद समाहरणालय में आए अनेकों फरियादी को देख जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम अपने कार्यालय कक्ष से निकलकर आये सभी फरियादियों को मीटिंग हॉल में बैठाकर बारी बारी से सबकी फरियाद को सुना है। लगभग 20 लोगो की समस्याओं को सुना गया है। गुंजा कुमारी छात्रा का चाँद चौरा सरकारी विद्यालय में नामांकन नही लेने के संबंध में डीएम को अवगत करवाया गया है। डीएम ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि इस मामला को देखे एव समाधान करवाये। डीएम ने आये हुए छात्रा एव उनके माता जी को कहा कि आज ही जिला शिक्षा पदाधिकारी के पास जाकर मिले।

सभी वार्डों में लोगों को माइकिंग के जरिए डेंगू से बचाव का संदेश प्रसारित करेगा नगर निगम

नगर निगम और जिला वेक्टर जनित रोग कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चलाया जाएगा विशेष अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के लोगों को मच्छरों और डेंगू से बचाव को लेकर जिले भर के स्वास्थ्य संस्थानों में वृहद पैमाने पर अभियान चलाया गया। इस क्रम में जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में डेंगू, उसके लक्षण, जांच, इलाज और बचाव को लेकर लोगों को जानकारी दी गई। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन जिला मुख्यालय में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने जीएनएम सभागार में किया। जहां पर जीएनएम की छात्राओं को डेंगू के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को डेंगू बुखार के प्रति जागरूक करना है। डेंगू वायरस संक्रमित मादा मच्छरों मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से लोगों के बीच फैलता है। गर्मी के दिनों में सबसे अधिक लोग डेंगू के शिकार होते हैं। जिसमें कई बार तो लोगों की जान भी चली जाती है। हर वर्ष 16 मई को नेशनल डेंगू दिवस मनाया जाता है। वहीं, दूसरी ओर सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में लोगों के बीच हैंडबिल का वितरण करते हुए उन्हें डेंगू के प्रति जागरूक किया गया।

नगर निगम क्षेत्र में चलाया जाएगा विशेष अभियान : वीबीडीसीओ अजीत कुमार पटेल ने बताया कि जिला वेक्टर जनित रोग कार्यालय और नगर निगम के संयुक्त अभियान के तहत निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में डेंगू के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। ताकि, शहरी इलाकों में रहने वाले लोग इस बीमारी की गंभीरता से जागरूक हो सके। उन्होंने बताया कि नगर निगम सभी वाहनों में माइकिंग के माध्यम से लोगों को डेंगू और मच्छरों से बचाव का संदेश प्रसारित करेगा। साथ ही, वाहनों पर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनको पढ़ कर लोग स्वयं जागरूक होंगे। उन्होंने कहा कि आज भी लोगों के बीच डेंगू जैसी गंभीर बुखार के प्रति जागरुकता की कमी है। इसलिए डेंगू दिवस को मनाने के पीछे का मकसद लोगों को इस खतरनाक बीमारी से जागरूक करना है। मौके पर जीएन कॉलेज की प्रचार्या ममता भारती, एफएलए प्रियंका कुमारी, वीबीडीसीओ अनुज कुमार, प्रधान लिपिक संतोष कुमार

डेंगू से बचाव के उपाय :

- मच्छरों से बचने के लिए लंबी बाजू वाले कपड़े पहनें। पैरों को भी ढक कर रखें। लाइट कलर के कपड़े गर्मी से तो बचाते ही हैं, साथ ही मच्छरों से भी। मच्छर डार्क कलर की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं।
- नियमित रूप से नालियों, गमलों और अन्य जगहों की जांच करते रहें। उनमें पानी न जमा होने दें। इसमें डेंगू के लार्वा पैदा हो सकते हैं।
- मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी या स्प्रे का प्रयोग करें।
- घरों में कुछ खास तरह के पौधे लगाने से भी मच्छर दूर रहते हैं।
- घरों के आसपास पानी का जमाव न होने दें

अवैध चुंगी वसूली के साथ मारपीट किये जाने को ले चालकों ने रखा टेम्पों बंद

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। शहर के टेंपू चालकों ने बुधवार को अपने-अपने टेंपू का परिचालन पूरी तरह बंद रखा। जिसका कारण अवैध चुंगी वसूली, रंगदारी व चालकों के साथ मारपीट किया जाना. बताया जा रहा है। टेंपू हड़ताल के बाद करीब दो दर्जन से ऊपर चालक नगर निगम पहुंच गए एवं नगर निगम गेट पर प्रदर्शन भी किया और अपनी मांगों से संबंधित नगर आयुक्त को ज्ञापन भी सौपा। टेंपू का परिचालन शहर में बंद होने से लोगो को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

टेंपू चालक संघ के सचिव किरण प्रसाद ने बताया कि स्टेशन, पुरानी पुलिस लाईन, गांगी, बिहारी मिल सरदार पटेल बस पडाव समेत शहर में कई जगह अवैध चुंगी वसूली की जा रही है। टेंपू हड़तालं की वजह नवादा थाना के समीप टेंपू चालक के साथ ठीकेदार द्वारा मारपीट किया जाना है। कहा कि नगर निगम के नियम के अनुसार 24 घंटा में सिर्फ एक जगह ही चुंगी का 15 रुपये का कूपन कटवाना है, जबकि ठीकेदार द्वारा अवैध रूप से 15 रुपये की जगह 20 रुपये वसूली की जाती है वह भी एक नई तीन-तीन जगह। स्टेशन पर 15 रुपये की जगह 20 रुपये देने के बावजूद पुराने पुलिस लाइन और गांगी पर भी 20-20 रुपये देने पड़ते है। नहीं देने पररंगदारी और मारपीट करने लगते है। टेंपू चालकों ने कहा कि सभी टेंपू चालक गरीब वर्ग से आते है। वही नगर आयुक्त से बात करने बताया किया नगर निगम का मामला नहीं है हमारा जो निगम का एजेंसी है वैसा काम नहीं कर सकता अगर करता है तो उसे पर कार्रवाई की जाएगी।

चाहे जो हो मजबूरी वोट देना बहुत जरूरी, बूढ़ा हो या जवान सभी करें मतदान

प्रात: किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) काराकाट लोक सभा चुनाव 2024 को लेकर काराकाट लोक सभा क्षेत्र में आगामी 1 मई दिन शनिवार को चुनाव आयोग ने मतदान की तिथि तय की है। मतदान तिथि तय के बाद चुनाव आयोग के निर्देश पर स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है कि संविधान में मिले अधिकार को मतदान कर अपना अधिकार पाएं। बता दें कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जिले में 54.72% मतदान हुआ था.वर्ष 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य है .स्वीप कार्यक्रम के तहत ग्रामीण मतदाताओं को प्रेरित कर बूथ तक लाने की जिम्मेदारी आशा, आंगनबाड़ी सेविकाओं को सौंपी गई है। बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने कहा कि पुरुष मतदाता तो वोट डालने के लिए बूथ पर स्वयं आते हैं, मगर महिला मतदाता कोई न कोई परेशानी बताकर बूथ तक जाने में दिलचस्पी नहीं दिखाती हैं। इस लिए इस बार गांव में तैनात आंगनबाड़ी सेविका और आशा कार्यकर्ता उन्हें बूथ तक लाने में अहम भूमिका निभाएंगी। स्वीप कार्यक्रम के तहत सीएचसी काराकाट से गोडारी बाजार में सीएचसी के कर्मियों व आशा कार्यकताओं के द्वारा पैदल मार्च के साथ रैली भी निकली गई। जिसमें बूढ़ा हो या जवान, सभी करें मतदान जैसे नारे लगाते हुये रैली के माध्यम से जन-जन को वोट देने के लिए जागरूक किया गया। चाहे जो हो मजबूरी वोट देना बहुत जरूरी जैसे स्लोगन बोलते हुए आशा कार्यकताओं ने मतदाताओं से 1 मई को मतदान करने की अपील की। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी सभी आशा रही। स्वास्थ विभाग रोहतास डीपीएमयू अजय कुमार सिंह ने कहा कि मतदान करने से लोकतंत्र मजबूत होता है। स्वीप कार्यक्रम के तहत आशा कार्यकताओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर मतदाताओं को जागरूक करने का काम रही हैं। जिसमें आशा कार्यकर्ता हाथों में तख्ती लिये ह्लजन-जन की यही पुकार, वोट देना अबकी बारह्व जैसे नारे लगाते हुए रैली के माध्यम से जन-जन को वोट देने के लिए जागरूक किया जा रहा हैं। मौके पर सीएचसी प्रभारी,बीएचएम, बीसीएम सहित स्वास्थ्य कर्मी व आशा कार्यकर्ता शामिल थी।

भोजपुरिया जन घोषणा पत्र का हुआ विमोचन

आरा। अगली लोकसभा की पहली बैठक में संवैधानिक मान्यता की मांग वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के भोजपुरी छात्र संघ ने भोजपुरिया जन घोषणा पत्र का विमोचन किया। विमोचन के बाद छात्र संघ के सदस्यों ने कहा कि इस घोषणा पत्र में भोजपुरी को लेकर कुछ मांगें रखी गई है और इसे शाहाबाद के सभी लोकसभा क्षेत्रों के प्रमुख राजनितिक दलों और उनके प्रत्याशियों तक पहुँचाया जायेगा। जन घोषणा पत्र की प्रमुख मांगों में अगली लोकसभा की पहली बैठक में भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करवाना, भोजपुरी को बिहार की द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिलवाना, मेडिकल कॉलेज को विश्वविद्यालय द्वारा दी गई जमीन के बदले कृषि विभाग की जमीन, विश्वविद्यालय में फामेर्सी, सांख्यिकी, मानव विज्ञान, विधि संकाय की पढ़ाई, भिखारी ठाकुर के नाम पर राष्ट्रीय स्तर का नाट्य विश्वविद्यालय, अश्लील तथा जातिसूचक गायकों का राजनितिक एवं सामाजिक बहिष्कार, विश्वविद्यालय में भोजपुरी के उच्च स्तर का अध्ययन केंद्र और शिक्षकों की बहाली, स्कूलों में भोजपुरी की पढ़ाई आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा घोषणा पत्र में युवा उद्यमियों के लिए भोजपुरिया हाट, हर जिले के लिए विशेष उद्योग, कृषि एवं पर्यटन नीति की भी मांग की गई है। विमोचन के दौरान उपस्थित सह संयोजक सोहित सिन्हा, राजेश कुमार, रवि प्रकाश सूरज और हर्षित निर्मल ने कहा कि भोजपुरी में सिर्फ भाषण देने से काम नहीं चलेगा, अगर सभी राजनितिक दल भोजपुरी के मान सम्मान को लेकर जनता की आवाज संसद तक नहीं पहुंचा सकते तो भोजपुर की जनता उन्हें नकार सकती है।

दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, शाखा चांदी के जिद्दी ऋणीयो के खिलाफ जारी किया गया नीलाम पत्र गिरफ्तारी वारंट

प्रात: किरण संवाददाता

आरा : दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, आरा के शाखा चांदी के जिद्दी ऋणीयो के खिलाफ नीलाम पत्र पदाधिकारी द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को तामिला करते हुए चांदी थाना प्रभारी एवम पुलिस बल के द्वारा 2 ऋणियों संतोष कुमार सिंह पुत्र नन्हक सिंह,ग्राम एवं पोस्ट जोकता, थाना चांदी एवं कामाख्या नारायण अभियान सिंह पुत्र छबीला सिंह, ग्राम झ सुंदरा, पोस्ट झजोकता ,थाना झचांदी को गिरफ़्तार किया गया है।

दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक आरा के क्षेत्रीय अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि ग्रामीण बैंक के द्वारा भोजपुर ज़िले में 6000 से ज्यादा लोगो पर पी डी आर वाद दायर किया गया है और 500 से ज्यादा लोगो पर वारंट निर्गत हुआ है। क्षेत्रीय अधिकारी ने दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सभी चुककर्ता ऋणियों से अपने नजदीकी शाखा में जाकर समझौता कराने एवं बैंक द्वारा चालाए जा रहे समझौता अभियान का लाभ लेने की अपील की जिससे वे भविष्य में होने वाले कानूनी कारवाई से बच सकते है एवं अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बरकरार रख सकते है।

पुलिस ने लूटकांड मामले में तीन अंतर जिला अभियुक्त को दो मोबाइल एवं एक लैपटॉप साथ किया गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के एसबीआई सीएसपी केंद्र से हथियार का भय दिखाकर लूटकांड मामले में पुलिस ने तीन अंतर जिला अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। घटना 23 जनवरी 2024 को बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मोहनी में स्थित एसबीआई सीएसपी केंद्र में घटी थी। सीएसपी संचालक अभय कुमार के आवेदन पर यह मामला दर्ज किया गया था। जहां पुलिस ने अंतर जिला तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जिसमें गिरफ्तार तीनों अभियुक्त भोजपुर जिला का रहने वाला बताया जाता है। इस संदर्भ में अपने कार्यालय कक्ष में गुरुवार को प्रेसवार्ता कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने बताया कि थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज- आरा मुख्य मार्ग पर स्थित मोहनी में एसबीआई ग्राहक सेवा केन्द्र को तीन अपराधकर्मी ने केन्द्र खोलते ही समय करीब 11.10 बजे दिन में दिनांक 23 जनवरी 2024 को दो लाख तीस हजार रुपए नगद ,एक लैपटॉप, एक मोबाईल फोन तथा तीन एटीएम की लूट की घटना को अंजाम पिस्टल के बल पर किया था। जिसके लिए संचालक अभय कुमार के आवेदन पर बिक्रमगंज थाना में कांड संख्या 43/ 24 तहत लूट का कांड दर्ज किया गया था। साथ ही साथ लूट कांड के ही मामले में भी तीन अपराधकर्मी के विरुद्ध दिनांक 3 फरवरी 2024 को आयरकोठा थाना में कांड संख्या 14/24 के आलोक में लूटकांड का मामला दर्ज किया गया था। एसडीपीओ ने बताया कि रोहतास एसपी के निर्देश पर मेरे नेतृत्व में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष एवं डीआईयू टीम के साथ उद्भेदन हेतु टीम गठित की गई थी। गठित टीम ने अनुसंधान व तकनीकी सहयोग के आधार पर गड़हनी (भोजपुर) थाना क्षेत्र में कांड के संदिग्ध भगवान जी यादव उर्फ मगन को गिरफ्तार किया गया। जिसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर घटना में लूटी गई मोबाईल तथा आयरकोठा थाना क्षेत्र से लूटी गई लैपटॉप को बरामद किया गया तथा दो अन्य लैपटॉप रखने वाले व मोबाईल खरीदने वाले को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्य सरगना रणवीर राय उर्फ मकरध्वज पिता स्व० रामप्रवेश सिंह साकिम अगियांव थाना गड़हनी जिला भोजपुर छपरा जेल में है, जबकि राहुल राय पिता संजय सिंह साकिम लहरपा थाना गड़हनी जिला भोजपुर छापेमारी में फरार पाया गया। बताया कि सभी का आपराधिक इतिहास रहा है। गठित टीम द्वारा काफी सराहनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि लूटकांड मामले में भगवान जी यादव उर्फ मगन उम्र करीब 19 वर्ष पिता दशरथ राय निवासी छोटका इटहना थाना कृष्णागढ़ जिला भोजपुर , सुनील कुमार उर्फ निरहु पिता शिवचरण सिंह निवासी सलेमपुर थाना चांदी भोजपुर तथा किशोर पवन कुमार पिता जितेंद्र सिंह निवासी खरेंचा थाना गड़हनी भोजपुर को गिरफ्तार किया गया है। एसडीपीओ ने कहा कि लूटकांड मामले में गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों के पास से दो मोबाइल और एक लैपटॉप भी टीम ने बरामद किया है। मौके पर छापेमारी दौरान थाना के पुअनि अतवेंद्र कुमार सिंह ,डीआइयू प्रभारी सहित सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे।

दो दिनों बाद में छात्र अनमोल का नहीं मिला कोई सुराग

पूर्व विधायक परिजनों से मिल छात्र की तालाश को लेकर अधिकारियों से बात करने का दिया आश्वासन

प्रात: किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : काराकाट थाना क्षेत्र के कुरूर गांव निवासी उमेश लाल का 18 वर्षीय पुत्र अनमोल कुमार का दो दिनों बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। अनहोनी की आशंका से परिजनों में कोहराम मच गया है। पूर्व विधायक राजेश्वर राज परिजनों से मिल कर छात्र की तालाश के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस अधिकारी से बात करेंगे। गौरतलब हो कि छात्र अनमोल किताब खरीदने के लिए पैशन प्रो बाइक से मंगलवार को करीब ग्यारह बजे अपने घर से बिक्रमगंज गया था। बिक्रमगंज से किताब खरीद कर मां को फोन पर बताया कि किताब खरीद लिया हूं वापस घर आ रहा हूं। लेकिन दो बजे तक घर वापस नहीं आने पर परिजन चिंतित हो गये। परिजन जब फोन करने लगे तो उसका मोबाइल पर रिंग हो रहा था, लेकिन कोई रिसीव नहीं कर रहा था। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन खोजबीन करने बिक्रमगंज गये। जहां काफी खोजबीन के बाद बिक्रमगंज काव नदी के पास से देर शाम करीब 8 बजे लवारिस हालत में बाइक मिला। वहीं पास में हेलमेट व मोबाइल भी मिला। इसके बाद परिजनों ने दुर्घटना की आशंका व्यक्त करते हुए बिक्रमगंज के सभी सरकारी व निजी अस्पतालों में खोजबीन किया। लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद परिजन लापता की सूचना देने थाना पहुंचे। जैसे ही पुलिस के संज्ञान में मामला आया तो लापता छात्र के खोजबीन में पुलिस जुट गई। लेकिन अब तक लापता छात्र का कोई सुराग नहीं मिला है। डीएसपी कुमार संजय ने बताया कि मामले को काफी गंभीरता से लिया गया हैं। घटना कि हर पहलू पर जांच किया जा रहा है। उधर सामाजिक कार्यकर्ताओ और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता सहित इलाका के लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है तथा आंदोलन करने की सुगबुगाहट तेज होती जा रही है सैकड़ो लोगों ने कहा कि अगर पुलिस अनमोल को जल्द बरामद कर परिजन को नही सौपती है तो बाध्य होकर प्रजातांत्रिक ढंग से आंदोलन किया जाएगा।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर से दूर होगा किरायेदारों व मकान मालिकों के बीच बिजली बिल विवाद

बिक्रमगंज(रोहतास)। राज्य मे बिजली को लेकर किरायेदारों और मकान मालिकों के बीच विवाद की बात सामने आती रहती थी। अब इस विवाद के समाधान में स्मार्ट प्रीपेड मीटर बेहतर भूमिका निभायेगा। अब किरायेदार अपनी पहचान और मकान में निवास का प्रमाण वाले कागजात (रेंट एग्रीमेंट) के साथ आवेदन कर बिजली कंपनी के माध्यम से स्मार्ट प्रीपेड मीटर निःशुल्क लगवा सकेंगे। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि नयी व्यवस्था तहत उपभोक्ता जितने का रिचार्ज करवायेंगे उतना का ही बिजली की खपत कर सकेंगे।

इस मीटर का डाटा सुरक्षित रहता है, इसलिए गड़बड़ी की आशंका नहीं है। इससे बिजली बिल बकाया रहने का झंझट खत्म हो जायेगा। साथ ही किरायेदार के स्मार्ट प्रीपेड मीटर की वजह से मकान मालिक अब बिजली बिल के बकाये की समस्या से बचे रहेंगे। बताते चलें कि बिक्रमगंज शहरी क्षेत्र में लगभग 9 हजार 890 एवं ग्रामीण क्षेत्र मे 81हजार 127 उपभोक्ता हैं। शहरी क्षेत्र में किरायेदारों को अलग से स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगने से बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी।

विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि राज्य में स्मार्ट प्रीपेड मीटर एक वेब- मॉनीटरिंग सिस्टम से जुड़ा है। इसके लग जाने से राजस्व संग्रह की प्रक्रिया और आसान हो जायेगा तथा स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाणिज्यिक नुकसान को कम करेगा। पहले बिजली मीटरों में पोस्टपेड व्यवस्था लागू थी। ऐसे में किरायेदार यदि अपने नाम से बिजली कनेक्शन लेकर उसका बिल चुकाये बिना ही मकान बदल लेता था तो बकाये राशि की वसूली संबंधित मकान के मालिक से की जाती थी।

सड़क दुर्घटना वाद के पीड़िता को मिला 10 लाख का मुआवजा

औरंगाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अशोक राज के द्वारा औरंगाबाद नगर थाना काण्ड संख्या 112/23 के मृतक संजय कुमार उर्फ संजय कुमार चौधरी, पिता- देवानंद चौधरी निवासी ग्राम- सागरीय थाना- डिहरी, जिला- रोहतास की माँ कौशल्या देवी और उनकी पत्नी निर्मला देवी को 10 लाख का मुआवजा प्रदान किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सुकुल राम द्वारा बताया गया कि 09 मार्च 2024 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना वाद संख्या 13/23 को समझौते के आधार पर निस्तारण कराया गया था। उक्त घटना के सम्बन्ध में सचिव ने बताया कि औरंगाबाद नगर थाना काण्ड संख्या 112/23 के मृतक संजय कुमार उर्फ संजय कुमार चौधरी के मोटर साइकिल संख्या बी आर 24 एन 2968 को ट्रक संख्या यू पी 67 ए टी 2533 द्वारा धक्का मारने से संजय कुमार उर्फ संजय कुमार चौधरी की मृत्यु घटना स्थल पर ही हो गया था।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

औरंगाबाद। काराकाट लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत 1 जून को संपन्न होने वाले चुनाव में समाज के सभी वर्गों की शत प्रतिशत प्रतिभागिता हेतु जिला प्रशासन औरंगाबाद जागरूकता कार्यक्रम एवम गतिविधियों के माध्यम से जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के नेतृत्व में लगातार प्रयास करते हुए प्रेरित रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निदेशानुसार दाउदनगर प्रखंड मुख्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा गठित स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी औरंगाबाद श्वेता प्रियदर्शी ने बताया कि दाउदनगर में आयोजित यह जागरूकता रैली प्रखंड कार्यालय से प्रारंभ होकर नगर परिषद दाउदनगर के कार्यालय तक गई। इस जागरूकता रैली में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका जीविका दीदी, आशा, दाउदनगर अनुमंडल के विभिन्न कोटि के विद्यालय के शिक्षक ,शिक्षा सेवक एवं अन्य कर्मी भाग लिए। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दाउदनगर ,प्रखंड विकास पदाधिकारी दाउदनगर, अंचल अधिकारी दाउदनगर ,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी दाउदनगर उपस्थित थे। नोडल पदाधिकारी ने बताया कि इसका आयोजन कई रूपों में किया जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी औरंगाबाद श्रीकांत शास्त्री के द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में लोकसभा निर्वाचन के सफल आयोजन हेतु गठित स्वीप कोषांग के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि शत प्रतिशत मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा सके। इसी क्रम में आज दाउदनगर प्रखंड में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जमीनी विवाद में चली गोलियां, एक व्यक्ति घायल

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर क्षेत्र में जमीनी विवाद में चचेरे भाई ने पिस्टल से गोली मारी दी।जिसमें चचेरे घायल हो गया। जिसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।इस मामले में एक अपराधी एक पिस्टल,पांच ज़िन्दा कारतुस्त गोलियां, साढ़े सात हजार से अधिक नगद रुपए के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उक्त जानकारी पुलिस अनुमंडल कार्यालय में गुरुवार को एसडीपीओ 2 सदर अमीत कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि औरंगाबाद एसपी स्वप्न गौतम मेश्राम के निर्देशन पर गया जिले के डुमरिया थाना के सिद्धपुर में 15 मई को जमीनी विवाद दो चचेरे भाइयों के बीच हुई थी। जिसमें संतोष प्रसाद ने पिस्टल से फायर कर चचेरे भाई दीपक कुमार को घायल कर दिया। घटना का अंजाम देकर देव थाना क्षेत्र के बंगला बगीचा से जगन्नाथ बांध के आगे जंगल में छुप गया था।डुमरिया थाना पुलिस द्वारा इसकी जानकारी दी गई।जिसे धरपकड़ के लिए एक दल का गठन किया गया। जिसमें देव थाना अध्यक्ष विकाश कुमार,इसी थाना के एस आई नीतु कुमारी,एस टी एफ पडरिया और एसटीएफ कंचनपुर तथा डुमरिया सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस टीम के द्वारा घटना अंजाम के 8 घंटे भीतर अपराधी संतोष प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया।

ग्रामीण कार्य विभाग के कर्मचारियों के समक्ष वेतन के लाले पड़े : सूर्यवंशी

पटना। ग्रामीण कार्य विभाग में 3 महीने से वेतन के भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों के समक्ष भुखमरी एवं आर्थिक संकट उत्पन्न हो गई है। नवंबर 2023 में ग्रामीण कार्य विभाग में कर्मचारियों के पद एवं कार्यालय का युक्तिकरण एवं पुनर्गठन किया गया है ' उसके बाद 4 मार्च 2024 को सभी कर्मचारियों को विभिन्न कार्यालय में पदस्थापित कर दिया गया लेकिन कुछ कर्मचारी नए पदस्थापन स्थल पर योगदान दिए और कुछ कर्मचारी लोकसभा चुनाव हेतु आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के कारण नए कार्यालय में योगदान भी नहीं कर सके, जिसके कारण राशि आवंटित नहीं हो सका और अधिकांश कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं हो पा रहा है' इस संबंध में संघ के सम्मानित अध्यक्ष सूर्यवंशी सिंह एवं महासचिव लवकुश सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर माननीय मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री एवं विभागीय पदाधिकारी से अनुरोध किया है कि इस आर्थिक संकट का जल्द से जल्द समाधान किया जाए एवं कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए ताकि आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारी को इससे निजात मिल सके।

बारुण में दुर्घटना में घायल हुए युवक की सल्लू खान ने की मदद

औरंगाबाद। बारुण के समीप बुधवार की राद्धि डेढ़ बजे सड़क हादसे में घायल हुए एक युवक को बारुण पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। मगर उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। घायल युवक कहां का है और कैसे हादसा हुआ इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। क्योंकि वह बेहोशी के अवस्था में है। घटना की सूचना इंसानियत जन सेवा के अध्यक्ष मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान को लगी वे रात्रि में ही अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे और सदर अस्पताल के जीएनएम धर्मेंद्र कुमार एवं जोगेंद्र कुमार की मदद से युवक का इलाज कराया और उसकी जान बचाने के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल गया भिजवाया।

गुरुवार की आठ बजे तक उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई थी। सल्लू खान ने बताया कि घायल व्यक्ति के सदर अस्पताल पहुंचाए जाने की जानकारी नगर थाना की पुलिस को भी दी गई है और पुलिस अपने स्तर से उसकी पहचान में जुटी हुई है ताकि स्वजनों को इस हादसे की सूचना दिया जा सके। मानव संस्था सेवा समिति औरंगाबाद के जिलाध्यक्ष सल्लू खान को 1,30 सूचना अस्पताल से आया। समाजसेवी सल्लू खान रात ने पहुंचकर मरीज का चिकित्सक से फीडबैक लेकर फिर सदर अस्पताल के बाहर रात में ही कुछ दवाइयां जो बाहर की थी जो सदर अस्पताल में दवाई की सप्लाई न नहीं है जो बंद से चोट से संबंधित मामला था।

सितारों की लंबी चौड़ी टीम के खर्च से नाखुश हैं फराह

फराह खान हिंदी सिनेमा की मशहूर हस्ती हैं। करियर की शुरुआत उन्होंने बतौर कोरियोग्राफर की थी। उन्होंने बतौर कोरियोग्राफर कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। अपने करियर के अगले पड़ाव में उन्होंने निर्देशन में कदम रखा। फिल्म मैं हूं ना से उन्होंने बतौर निर्देशक अपनी नई पारी की शुरुआत की थी। फिलहाल वह अपने एक बयान की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने अदाकारों के साथ चलती उनकी लंबी चौड़ी टीम को और उनके बढ़ते खर्चों पर बात की है।

सितारों की टीम के खर्च पर हो नियंत्रण

उन्होंने कहा,मैं इंडस्ट्री में एक बदलाव लाना चाहूंगी कि अभी सितारो के साथ उनकी टीम का खर्च काफी बढ़ गया है। एक अभिनेत्री नौ लोगों की टीम के साथ आती हैं। वहीं, एक अभिनेता अपने साथ आठ लोगों की टीम लेकर आता है। ये पैसे की बर्बादी है। इन पैसों का फिल्म मे कहीं से भी उपयोग नहीं हो पाता। इसे थोड़ा नियंत्रित करना काफी आवश्यक है। वो निर्माताओं पर काफी भारी पड़ता है।

पहले सबकुछ निजी संबंधों पर निर्भर था

फराह ने मौजूदा हालातों से बेहतर पहले के समय को बताया है। उन्होंने कहा कि पहले इंडस्ट्री निजी संबंधों पर ज्यादा निर्भर रहती थी। उन्होंने कहा कि पहले किसी चीज की आवश्यकता महसूस होने पर वह सीधा अभिनेता से बात कर सकती थीं। हालांकि, आजकल उन्हें अभिनेताओं तक पहुंचने से पहले कई पड़ावों को पार करना पड़ता है। इस कड़ी में पहले मैनेजर का सब मैनेजर फिर मैनेजर और आखिर में स्टार के काम की देखभाल करने वाली एजेंसी। फराह इससे काफी नाखुश हैं, उनका मानना है कि इसे आपसी संबंधों में भी दूरी आई है। हालांकि, इस दौरान इंडस्ट्री में आए सकरात्मक बदलावों पर भी उन्होंने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि आज इंडस्ट्री काफी ज्यादा व्यवस्थित रुप से काम करती है। लोग समय पर आते हैं। सब कुछ पूरी तरह से कॉन्ट्रैक्ट में लिखा होता है, कोई किसी का पैसा नहीं खा सकता है।
एक दिन में स्टार पर है लाखों का खर्च
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पॉट ब्वॉय औसतन एक दिन के लिए 25000 रुपये लेता है। वहीं, एक निजी सुरक्षा कर्मी लगभग 15 हजार रुपये तक लेता है। इनके अलावा एक स्टाईलिस्ट को एक लाख रुपये तक देने पड़ते हैं। इस तरह से अगर सभी खर्चों को मिला दें तो एक स्टार पर एक दिन का खर्च लगभग 20 से 22 लाख रुपये तक पड़ जाता है।

ऋतिक के बाद अब उनकी कजिन पश्मीना हैं जलवा बिखेरने को तैयार

ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन आने वाले दिनों में इश्क विश्क रिबाउंड में नजर आने वाली हैं। ऋतिक ने बहन की फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, हमें तुम पर नाज है। तुमने जो किया है वह खुद से किया है। मैं तुम्हें बड़े पर्दे पर चमकता देखना चाहता हूं। बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन अभिनय के अलावा अक्सर अपनी निजी जिंदगी की वजह से सुर्खियां बटोरते रहते हैं। उनके लिए उनका परिवार बहुत मायने रखता है। ऋतिक रोशन अपनी चचेरी बहन पश्मीना रोशन से बहुत प्यार करते हैं। ऋतिक की तरह ही पश्मीना भी अब बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए अपनी प्यारी बहन को बधाई देते नजर आए।

तुम पर गर्व है

ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन आने वाले दिनों में इश्क विश्क रिबाउंड में नजर आने वाली हैं। ऋतिक ने बहन की फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, हमें तुम पर नाज है। तुमने जो किया है वह खुद से किया है। मैं तुम्हें बड़े पर्दे पर चमकता देखना चाहता हूं। मुझे यकीन है तुम बहुत आगे जाओगी और अपने मेहनत के दम पर अपना नाम कमाओगी। इश्क विश्क रिबाउंड धमाल मचाने जा रहा है। आप सब भी तारिख नोटिस कर लीजिए। ऋतिक का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

खुद को योगा से फिट रखती हैं इश्क विश्क रिबाउंड में पश्मीना रोशन
ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन बला की खूबसूरत हैं। ऋतिक रोशन द्वारा साझा किए गए पोस्टर में पश्मीना रोशन गोल्फ स्टिक के साथ बैठी नजर आ रही हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए पश्मीना रोशन लिखती हैं, यह शॉट एकमात्र शॉट ऐसा शॉट है जिसे वे मिस करती हैं और जिसे वे शूट नहीं करती हैं। पश्मीना रोशन की फिल्म को देखने के लिए दर्शको में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

कब होगी रिलीज इश्क विश्क रिबाउंड

पश्मीना रोशन अपनी फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके अलावा रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल की मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। पश्मीना रोशन की यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई फिल्म इश्क विश्क के सीक्वल की झलक देती है।

मिस्टर एंड मिसेज माही के लिए जान्हवी ने इन दो लोगों को दिया क्रेडिट

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। यह फिल्म इसी महीने रिलीज होने जा रही है। अभिनेत्री फिल्म में राजकुमार राव के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। दोनों सितारे फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। इस फिल्म के लिए जान्हवी कपूर ने जीतोड़ मेहनत की है। जान्हवी कपूर ने खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कई तकलीफें हुईं और चोटें आईं। जान्हवी कपूर के मुताबिक इस फिल्म की तैयारी के दौरान ट्रेनिंग करते हुए उनके दोनों कंधे चोटिल हुए। इस फिल्म की शूटिंग करीब दो साल तक चली। एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान जान्हवी कपूर ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि शूटिंग शुरू होने से पहले उन्होंने क्रिकेट सीखा था। अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म के निर्देशक शरण शर्मा इस फिल्म को वास्तविक रूप से शूट करना चाहते थे। मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। जान्हवी कपूर ने कहा, मिली के टाइम मैंने ट्रेनिंग शुरू की थी। दो साल लग गए। हमारे निर्देशक काफी ईमानदारी से काम करते हैं। वे चाहते थे कि मैं पूरी तरह से क्रिकेटर बन जाऊं। वो किसी तरह की चीटिंग नहीं करना चाहते थे कि वीएफएक्स में डाल देंगे या आधे अधूरे काम हो। पूरी तरह से चाहते थे कि मैं इस दुनिया में मिल जाऊं और जुड़ जाऊं।

ब्रेकअप के बाद वक्त बिताने के लिए अनन्या को है फ्राइज का सहारा!

अनन्या पांडे इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर का ब्रेकअप हो गया है। अनन्या पांडे इन दिनों अपनी जिंदगी से जुड़ी हर छोटी–बड़ी चीज को सोशल मीडिया पर साझा करती नजर आ रही हैं। अनन्या पांडे ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर को साझा किया है जिसमें वे प्रेंच फ्राई खाती दिख रही हैं। अनन्या पांडे ने फोटो के कैप्शन में लिखा है, जब आप फ्राइज खाते हैं तब वक्त भी फ्लाई करता है। अनन्या पांडे के कैप्शन को पढ़कर फैंस कयास लगा रहे हैं कि ब्रेकअप के बाद शायद उनका वक्त नहीं गुजर रहा है।

कान 2024 में कियारा आडवाणी का नाम हुआ शामिल

फिल्म गेम चेंजर और डॉन 3 को लेकर किराया आडवाणी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। कियारा आडवाणी के हुस्न और अदाकारी का जादू फैंस के ऊपर इस कदर सवार है कि वह अभिनेत्री की हर खबर पर अपनी पैनी नजर रखते हैं। वहीं अब कियारा को लेकर एक जानकारी सामने आई है कि वह कान फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनेंगी।
कान फिल्म महोत्सव आज फ्रांस के कान्स शहर में शुरू होने वाला है। इस बार कान में कई भारतीय फिल्में प्रदर्शित होने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी इस महोत्सव का हिस्सा बनेंगी। कियारा कान 2024 के लिए आज रवाना होंगी और विमेन इन सिनेमा गाला डिनर में शामिल होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कियारा आडवाणी 14 तारीख यानी की आज से शुरू होने वाले प्रसिद्ध कान फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनेंगी।
कियारा आडवाणी रेड सी फिल्म फाउंडेशन के वूमेन इन सिनेमा गाला डिनर की शोभा बढ़ाएंगी। इसकी मेजबानी का पूरा जिम्मा वैनिटी फेयर उठाएगा। इस कार्यक्रम में दुनिया भर की 6 प्रतिभाशाली महिलाओं को एक साथ लाया जाता है, जिन्होंने मनोरंजन के क्षेत्र में योगदान किया होता है।
फिल्म द सेकंड एक्ट से होगा आगाज
कान फिल्म महोत्सव 14 मई यानी की आज फ्रांस के कान्स शहर के पैलेस डेस फेस्टिवल्स एट डेस कांग्रेस में शुरू हो गया है। हर साल की तरह इस साल भी ऐश्वर्या राय बच्चन रेट कार्पेट का हिस्सा बनेंगी। ऐश्वर्या के अलावा इस साल हीरामंडी फेम बिब्बोजान उर्फ अदिति राव हैदरी भी शिरकत करेंगी। साथ ही रेड कार्पेट पर शोभिता धुलिपाला भी अपने फैशन का जलवा बिखेरंगी। इस लिस्ट में कियारा का नाम जुड़ने से उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं।

कलाकार को अपने किरदार के साथ न्याय करना आना चाहिए

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय इन दिनों द ब्रोकन न्यूज 2 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। द ब्रोकन न्यूज 2 में निगेटिव किरदार निभाकर अक्षय ओबेरॉय ने सबको चौंका दिया है। दर्शकों को अभिनेता की अदाकारी काफी पसंद आ रही है। एक साक्षात्कार में, अक्षय ओबेरॉय ने खुलासा किया कि एक अभिनेता के रूप में उनकी बड़ी प्राथमिकता कहानी को ठीक ढंग से दर्शकों के सामने परोसना और पात्रों को अच्छे से चित्रित करना है। वह अब नए विकल्प चुनने के लिए तैयार हैं। भले ही इसके लिए उन्हें टाइपकास्ट होना पड़े या वो भूमिकाएं स्वीकार करनी पड़े, जो उन्होंने कभी भी नहीं की हो। अक्षय का मानना है कि हर कलाकार को अपने किरदार के साथ न्याय करना आना चाहिए। द ब्रोकन न्यूज 2 में अपने किरदार के बारे बात करते हुए अक्षय ओबेरॉय ने कहा, द ब्रोकन न्यूज 2 में मेरा किरदार निगेटिव है। वह बिजनेस में अपना सारा ध्यान लगाता है। अपना काम करवाने और निकलवाने के लिए किसी को रास्ते से हटाना उसके लिए कोई बड़ी बात नहीं है। वह अपने करियर को बचाने के लिए किसी हद तक जा सकता है। इस बीच, अगर हम अक्षय ओबेरॉय की 2024 परियोजनाओं के बारे में बात करते हैं, तो अभिनेता के इस साल दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हो चुके हैं, जिनमें फाइटर और द ब्रोकन न्यूज का दूसरा सीजन शामिल है। इसके अलावा अभिनेता इलीगल 3 और वर्चस्व जैसी आगामी परियोजनाओं का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि वह उन अवसरों के लिए आभारी हैं, जो उन्हें दिए गए हैं। अपने आने वाली परियोजनाओं के बारे में बात करते हुए अक्षय ने कहा, मैं किसी भी तरह अपनी आखिरी सांस तक काम करना चाहता हूं और यही हमेशा मेरे दिमाग में भी चलता रहता है।

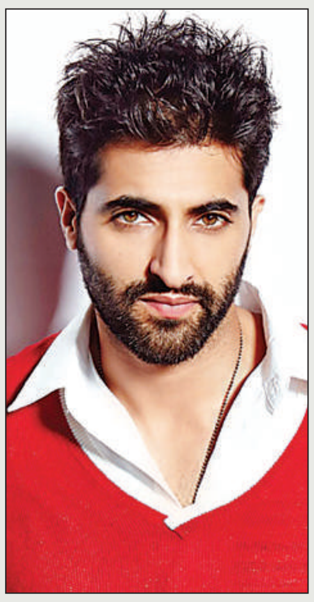

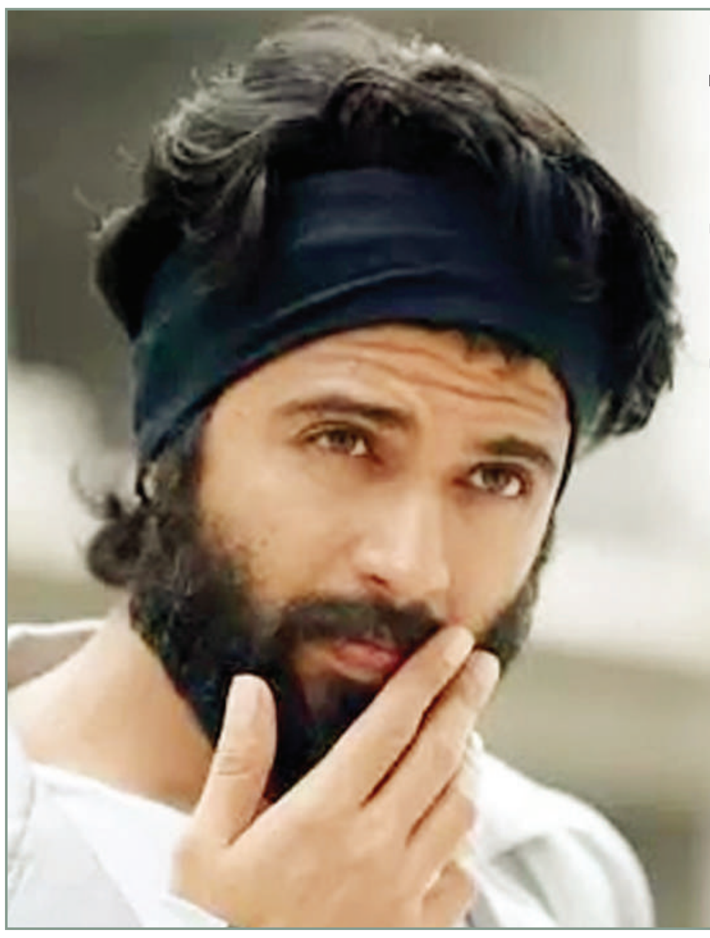

साई पल्लवी के साथ रोमांस करते नजर आएंगे विजय

साई पल्लवी और विजय देवरकोंडा दोनों ही स्टार्स फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम है और दोनों ही कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके हैं। साउथ सिनेमा के साथ ही भारतीय दर्शकों के दिलों में भी खास जगह बना चुके हैं विजय देवरकोंडा और साई पल्लवी। दोनों अब जल्द ही एक रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएंगे।

विजय देवरकोंडा अपने स्टाइलिश अंदाज से लोगों को अपना दीवाना बना देते हैं। तो वहीं साई पल्लवी की खूबसूरती और उनकी सादगी लोगों को काफी पसंद आती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विजय देवरकोंडा निर्देशक रवि किरण कोला की रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म राजा वारु रानी गारु फेम निर्देशक रवि और दिल राजू मिलकर इस फिल्म को बनाएंगे। फिल्म फैमिली स्टार के बुरी तरह फ्लॉप होने के बावजूद भी निर्देशकों का विश्वास विजय के ऊपर से खत्म नहीं हुआ है। तभी तो फिल्म निर्माता दिल राजू ने एक बार फिर से विजय देवरकोंडा के साथ यह रोमांटिक फिल्म बनाने का फैसला किया है। दिल राजू अभिनेता विजय देवरकोंडा की फिल्म फैमिली स्टार के निर्माता रह चुके हैं।

साई पल्लवी का किरदार

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक रवि की यह फिल्म एक्शन ड्रामा के साथ रोमांस से भरपूर होगी। इस फिल्म में विजय के अपोजिट साई पल्लवी नजर आएंगी। इस फिल्म में गांव की कहानी को दिखाया जाएगा। निर्देशक ने इस फिल्म में साई पल्लवी को ध्यान में रखते हुए उनकी भूमिका तैयार की है। इस फिल्म की पटकथा साई पलल्वी के इर्द गिर्द घूमती नजर आएगी। पहली बार किसी फिल्म में साई पल्लवी और विजय देवरकोंडा की जोड़ी एक साथ नजर आएगी। इन दोनों की फैन फॉलोइंग काफी अच्छी है। दोनों की साथ में रोमांटिक फिल्म की खबर को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं। इसलिए दोनों स्टार्स के ही फैंस इस फिल्म के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म पर काम शुरू करने से पहले विजय देवरकोंडा निर्देशक गौतम तिन्ननुरी और राहुल सांकृत्यायन के साथ अपनी आने वाली फिल्मों की शूटिंग खत्म कर देंगे।
वर्कफंट की बात करें तो विजय देवरकोंडा के जन्मदिन पर उनकी कई फिल्मों की रिलीज को लेकर घोषणा की गई थी। वीडी 12, वीडी 14, एसवीसी 59 में नजर आएंगे। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार साई पल्लवी फिल्म रामायण में रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी।

संक्षिप्त समाचार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ब्रोकर ने पूछा टैक्स पर सवाल

- उसने कहा कि हमारी पूरी कमाई टैक्स के रूप में ले रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए उस समय अजीब स्थिति पैदा हो गई जब एक कार्यक्रम में एक ब्रोकर ने स्टॉक मार्केट ब्रोकर्स और रियल एस्टेट ट्रांजेक्शन पर भारी टैक्स लगाने को लेकर एक पूछ लिया। बीएसई के एक कार्यक्रम में ब्रोकर ने फाइनेंस मिनिस्टर से पूछा कि ब्रोकर अपना सबकुछ दांव पर लगाकर जोखिम उठा रहे हैं लेकिन उसका सारा फायदा सरकार को मिल रहा है। आप हमारे स्लीपिंग पार्टनर हैं और मैं अपना पैसा, जोखिम, स्टाफ और सबकुछ लगाकर वर्किंग पार्टनर हैं। इस सवाल के जवाब को फाइनेंस मिनिस्टर ने मजाकिया अंदाज में टाल दिया।
ब्रोकर ने वित्त मंत्री से सवाल किया कि उनके जोखिम और निवेश के बावजूद सरकार ब्रोकर्स से ज्यादा पैसा कमा रही है। ब्रोकर्स को जीएसटी, आईजीएसटी, स्टांप ड्यूटीस सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स देना पड़ता है। उन्होंने कहा, आज भारत सरकार एक ब्रोकर से ज्यादा पैसा कमा रही है। मैं सबकुछ निवेश कर रहा हूं, मैं भारी जोखिम उठा रहा हूं और भारत सरकार मेरा पूरा मुनाफा अपने हिस्से में ले जा रही है।

बिजली उत्पादन में घटी कोयले की खपत, 64 साल में पहली बार 50 फीसदी से नीचे आई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी 64 साल में पहली बार घटकर 2024 की पहली तिमाही में 50 फीसदी से नीचे आ गई है। 1960 के दशक के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। जलवायु परिवर्तन के दौर में ये अच्छे संकेत हैं। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की पावरअप पर नवीनतम तिमाही रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, जनवरी–मार्च में देश की बिजली उत्पादन क्षमता में जोड़ी गई रिकॉर्ड 13,669 मेगावाट (मेगावाट) बिजली में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 71.5 फीसदी रहा। इसी के साथ भारत 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का चलन बढ़ाकर 50 फीसदी से अधिक ले जाने के लक्ष्य से आगे निकल गया है।

संतुष्ट न होने पर 10 में से नौ ठुकरा देते हैं नौकरी

युवाओं को आर्थिक हालात में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में मिलेनियल्स व जेन जी अर्थव्यवस्था और सामाजिक हालात को लेकर आशावादी हैं। ज्यादातर युवाओं को उम्मीद है कि उनके देश के आर्थिक व सामाजिक हालात में आगे चलकर सुधार होगा। मिलेनियल्स यानी 1983 से 1994 के बीच पैदा हुए लोग और जेन जी 1995 से 2005 के बीच पैदा हुए लोग दुनिया के श्रम बल का सबसे अहम हिस्सा हैं।

डेलॉइट की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों पीढ़ियों के 10 में से नौ लोग नौकरी की संतुष्टि को अहम मानते हैं और वे ऐसी नौकरियों के प्रस्तावों को ठुकराने को तैयार रहते हैं, जो उनकी नैतिकता और मान्यताओं के अनुरूप नहीं होती हैं। संर्वेक्षण में 44 देशों के 22,800 से अधिक जेन जी और मिलेनियल को शामिल किया गया। 24 नवंबर, 2023 से 13 फरवरी, 2024 के बीच किए गए इस

सर्वे का लक्ष्य यह पता लगाना था कि दोनों पीढ़ियां अपने आसपास की दुनिया में होने वाले बदलावों को कैसे समझती हैं। डेलॉइट इंडिया की चीफ पीपल एंड एक्सपीरिएंस अधिकारी दीप्ति सागर कहती हैं कि दोनों पीढ़ियां दुनिया में बदलाव के वाहक हैं। खासतौर पर जेनएआई को लेकर उत्साहित हैं और मानते हैं कि नई तकनीक उनके कार्य-जीवन संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

शहरी बेरोजगारी मार्च तिमाही में घटकर 6.7 फीसदी, महिलाओं की बेरोजगारी दर में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में शहरी बेरोजगारी दर मार्च तिमाही में मामूली घटकर 6.7 फीसदी पर आ गई है। एक साल पहले समान अवधि में यह 6.8 फीसदी थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए शहरी बेरोजगारी पिछले साल अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर में 6.6 फीसदी थी। अक्तूबर-दिसंबर में यह 6.5 फीसदी थी। एनएसओ की ओर से बुधवार को जारी 22वें पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर इस साल जनवरी-मार्च में घटकर 8.5 प्रतिशत हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह दर 9.2 प्रतिशत थी। अप्रैल-जून 2023 में यह 9.1 फीसदी, जुलाई-सितंबर 2023 में 8.6 फीसदी और अक्तूबर-दिसंबर 2023 में 8.6 फीसदी थी।

पुरुषों में बढ़कर 6.1 फीसदी

शहरी पुरुषों में बेरोजगारी दर इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 6.1 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई।?एक साल पहले की अवधि में 6 प्रतिशत थी। अप्रैल-जून 2023 में यह 5.9 फीसदी, जुलाई-सितंबर 2023 में 6 फीसदी और अक्तूबर-दिसंबर 2023 में 5.8 फीसदी थी। शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रम बल भागीदारी दर 2024 की जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में 48.5 प्रतिशत थी।

सोने-चांदी की कीमतों ने लगाई छलांग

87000 के पार पहुंचे चांदी के भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार तीसरे दिन सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव तो आज सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए। खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 73,211 रुपए के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,316 रुपए के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में सुस्ती, जबकि चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है।

सोने की कीमत

सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट आज 26 रुपए की तेजी के साथ 73,128 रुपए के भाव पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 73,211 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 73,211 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 73,047 रुपए के भाव पर दिन का निचला

स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 73,958 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

चांदी के वायदा भाव 87 हजार पार– चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज तेज रही और इसके भाव अब तक के उच्च स्तर पर पहुंच गए। MCX पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट आज 98 रुपए की तेजी के साथ 86,963 रुपए पर खुला।
अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना सुस्त, चांदी तेज– अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। Come& पर सोना 2,391.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,394.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,393.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। Come& पर चांदी के वायदा भाव 29.90 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 29.72 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.08 डॉलर की तेजी के साथ 28.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आइकॉनिक फर्स्ट

माईट्राइडेंट ने शर्मिला टैगोर और करीना कपूर खान को साथ लाकर होम डेकोर स्पेस को किया रिडिफाइन

दिल्ली, एजेंसी। माईट्राइडेंट होम डेकोर उद्योग में नए मानक स्थापित करते हुए अपने लेटेस्ट कैंपेन को पेश करने के लिए उत्साहित है, जिसमें ब्रांड एंबेसडर करीना कपूर खान के साथ प्रतिष्ठित शर्मिला टैगोर भी अभिनय करती नजर आएंगी। यह असाधारण सहयोग सास और बहू के बीच सामंजस्यपूर्ण और सुरुचिपूर्ण रिश्ते को उजागर करता है, जो आमतौर पर ब्रांड कैंपेनों में सामान्यत~ प्रस्तुत किए जाने वाले पारंपरिक कहानियों से अलग है। यह पहल रचनात्मक कहानी की सार्थकता में नए मानकों को स्थापित करती है, जो समकालीन पारिवारिक रिश्तों के विकास का जश्न मनाती है। सिनेमैटिक शैली तैयार किए

गए इस कैंपेन में पुनीत मल्होत्रा के नेतृत्व में धर्मा 2.0 द्वारा निर्मित एक आकर्षक टेलीविजन विज्ञापन प्रस्तुत किया गया है, जो करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर के बीच की बेहतरीन केमिस्ट्री को दर्शाता है। दोनों अनुग्रह और परिष्कार बिखेरते हुए अपने घर की शानदार सजावट में डूबते हुए, माईट्राइडेंट के प्रीमियम होम एसेंशियल्स प्रदान की जाने वाली समृद्धि और आराम के बीच विलासिता का आनंद लेती हैं। यह अद्वितीय सहयोग न केवल उनके सहज आकर्षण का जश्न मनाता है, बल्कि माईट्राइडेंट की नीति के साथ संबंधित अति डिजाइन, सौंदर्य, और कुशलता की प्रतिष्ठा का प्रमाण भी प्रस्तुत करता है।

ब्लिंकिट के सीईओ ने सुन ली मुंबईकर की बात, सब को मिलेगा फ्री में धनिया

नई दिल्लीनई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्राहक भी गजब होते हैं। किराने की दुकान में राशन खरीदने जाएंगे तो फ्री में तेजपत्ता मांगेंगे। बच्चे साथ रहे तो फ्री का टॉफी मांगेंगे। सब्जी खरीदने के लिए सब्जी वाले के पास जाएंगे फ्री में धनिया पत्ता और हरी मिर्च मांगेगे। कई भारतीयों के लिए, मुफ़्त में धनिया पत्ता के बिना सब्जियां खरीदना अधूरा लगता है। हालांकि, ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म ब्लिंकिट से ऑनलाइन सब्ज़ियां ऑर्डर करते समय आप ऐसा नहीं कर सकते हैं। लेकिन उसका भी तोड़ मुंबई के एक ग्राहक ने निकाल लिया। उन्हें ब्लिंकिट पर भी मुफ्त में धनिया पत्ता मिल गया। मुंबई के एक व्यक्ति ने एक एक्स पोस्ट साझा किया और लिखा कि कैसे उसकी मां उस समय आश्चर्यचकित रह गई जब उसने देखा कि ब्लिंकिट से ऑर्डर करते समय उसे धनिया पत्ता भी खरीदना पड़ता है। इसके बाद उन्होंने सुझाव दिया कि कोई व्यक्ति एक निश्चित मात्रा में सब्जियां खरीद रहा है तो उसे फ्री में धनिया पत्ता मिलना चाहिए। उनकी पोस्ट ने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जिनमें ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींढसा भी शामिल थे। ढींढसा ने उस व्यक्ति की एक्स पोस्ट पर टिप्पणी की और लिखा, करेंगे। बाद में, उन्होंने एक्स पर एक अपडेट साझा किया, जिसने लोगों को खुश कर दिया।

लाखों लोगों ने देख लिया इस पोस्ट को– अंकित ने कल रात 10.48 बजे इस पोस्ट को शेयर किया। उसके 12 घंटे बाद ही इस पोस्ट को 58.87 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है - और संख्या तेजी से बढ़ रही है। वायरल शेयर पर अब तक लगभग 80000 से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। 898 लोगों ने इसे शेयर भी किया है। इस पर प्रतिक्रिया देने वालों की भी कमी नहीं है। वे इस पर मजेदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

क्या आ रही है प्रतिक्रिया

एक्स यूजर्स ने ब्लिंकिट के इस गेस्चर पर कहा बहुत खूब! निष्पादन की गति तेज रही। दूसरे ने इस पर जोड़ा यार, सच में, यह आश्चर्यजनक है, । तीसरे ने कहा ऐसा वस्तुत: हर माँ के साथ होता है, लेकिन धन्यवाद! मेरा भी दिल ख़ुश होगा, एक यूजर ने लिखा धनिया का यह अपडेट एक बिलियन डॉलर के मार्केट कैप का है, कल यह पांच फीसदी चढ़ कर बंद होगा।

विश्व में रेडमी नोट 13 5जी के 15 मिलियन से ज्यादा स्मार्टफोन बिके

- शाओमी ने इस सीरीज़ के लिए कीमतों में भारी गिरावट के साथ यह 15,499 रुपये के शुरुआती मूल्य में उपलब्ध कराया
- भारत के लिए एक्सक्लुसिव रेडमी नोट 13 प्रो+ 5जी वर्ल्ड चैंपियंस एडिशन पेश किया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड, शाओमी ने विश्व में रेडमी नोट 13 सीरीज़ के 15 मिलियन से ज्यादा स्मार्टफोन बेचने की बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

इस भारी सफलता की खुशी में शाओमी ने सीरीज़ के लिए कीमतों में भारी कमी की घोषणा की है, और अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एजीए) के साथ गठबंधन में एक इंडिया एक्सक्लुसिव रेडमी 13प्रो+ 5जी वर्ल्ड चैंपियंस एडिशन पेश किया है।

रेडमी नोट 13 5जी सीरीज़ के मूल्य में कमी

शाओमी ने अपनी संपूर्ण श्रृंखला के लिए बेहतरीन मूल्यों की घोषणा की है। अब रेडमी नोट 13 सीरीज़ 5जी 15,499 रुपये के शुरुआती मूल्य में उपलब्ध होगी। शाओमी का उद्देश्य नोट सीरीज़ की सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुँचाना है। रेडमी नोट 13 5जी अब सभी ऑफरों के साथ 6जीबी+128जीबी के लिए 15,499 रुपये, 8जीबी+256जीबी के लिए 17,499 रुपये और 12जीबी+256जीबी के लिए 19,499 रुपये के प्रभावी मूल्य में उपलब्ध होगा। रेडमी नोट 13 प्रो 5जी अब सभी ऑफरों के साथ 8जीबी+128जीबी के लिए 21,999 रुपये, 8जीबी+256जीबी के लिए 23,999 रुपये और 12जीबी+256जीबी के लिए 25,999 रुपये में उपलब्ध होगा। रेडमी नोट 13 प्रो+ 5जी अब सभी ऑफरों के साथ 8जीबी+256जीबी के लिए 27,999 रुपये, 12जीबी+256जीबी के लिए 29,999 रुपये और 12जीबी+512जीबी के लिए 31,999 रुपये में उपलब्ध होगा।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने स्टीम्ड बासमती राइस की सप्लाई के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड-जम्मू-कश्मीर से एक अनुबंध प्राप्त किया

मुंबई, एजेंसी। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (बीएसई: 543688, एनएसई) को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि उसे जम्मू और कश्मीर में प्रतिष्ठित श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से एक महत्वपूर्ण अनुबंध से सम्मानित किया गया है। इस अनुबंध के तहत, सर्वेश्वर फूड्स प्रसिद्ध तीर्थस्थल पर अपने प्रीमियम स्टीम्ड बासमती राइस की आपूर्ति करेगा। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जो उसके हाई-क्वॉलिटी प्रोविजन देने के डेडीकेशन के लिए विख्यात है, ने सर्वेश्वर फूड्स को बासमती राइस के एक ट्रस्टिड सप्लायर के रूप में चुना है। यह चयन सर्वोत्तम बासमती चावल प्रदान करने में उत्कृष्टता और विश्वसनीयता के लिए सर्वेश्वर फूड्स की प्रतिष्ठा को रेखांकित करता है और गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है। सर्वेश्वर समूह के चेयरमैन श्री रोहित गुप्ता ने कहा कि, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा हमारे स्टीम्ड बासमती राइस की आपूर्ति के लिए चुने जाने से हम उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह विकास प्रीमियम-क्वॉलिटी प्रोडक्ट्स देने और हमारे सम्मानित ग्राहकों को विशिष्टता के साथ सेवा देने की हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करता है। सफेद चावल दुनिया-भर में लाखों लोगों द्वारा खाया जाने वाला मुख्य भोजन है, और सर्वेश्वर फूड्स यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है कि उसके राइस प्रोडक्ट्स मज़बूत क्वॉलिटी कंट्रोल मेजरर्स और सस्टेनेबल फार्मिंग प्रैक्टिसेस का पालन करके हाईएस्ट क्वॉलिटी और सेफ्टी स्टैंडर्ड को पूरा करते हैं।

सशक्त आर्थिक विकास के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया लिमिटेड

वित्त वर्ष 2024 की नौमाही में कंपनी ने प्रस्तुत किए उत्कृष्ट वित्तीय परिणाम, राजस्व 163 प्रतिशत बढ़कर 23.81 करोड़ रुपए एवं शुद्ध लाभ 328 प्रतिशत बढ़कर रहा 1.75 करोड़ रुपए

मुंबई एजेंसी। सीए विक्रम बजाज द्वारा प्रवर्तित मुंबई स्थित बीएसई सूचीबद्ध कंपनी ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया लिमिटेड (बीएसई - 539222) का लक्ष्य आने वाले समय में सशक्त आर्थिक विकास हासिल करना है। कंपनी ने दिसंबर 2023 को समाप्त वित्त वर्ष 2024 की तीसरी

GROWINGTON VENTURES INDIA LIMITED ONE STEP AHEAD

तिमाही और नौमाही के लिए उत्कृष्ट वित्तीय परिणाम प्रस्तुत किए हैं। वित्त वर्ष 2024 की नौमाही में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 की नौमाही में अर्जित 9.04 करोड़ रुपए के मुकाबले साल-दर-साल 163 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23.81 करोड़ रुपए का कुल राजस्व अर्जित किया है। वित्त वर्ष 2024 की नौमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 328 प्रतिशत बढ़कर 1.75 करोड़ रुपये हो गया जो कि गत वर्ष की समान अवधि में 40.88 लाख रुपए था। नवंबर 2023 में, कंपनी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई लिमिटेड के मैनबोर्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। कंपनी को इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी भी मिल गई थी। कंपनी ने 15 जुलाई की बोर्ड बैठक में बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई लिमिटेड के मैनबोर्ड में कंपनी के इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग/ट्रेडिंग के माइग्रेशन को मंजूरी दे दी थी।

कंपनी ने इक्विटी शेयर की फेसवैल्यू फुल्ली पेडअप 10 रुपये के मुकाबले फुल्ली पेडअप 1 रुपए कर 1 इक्विटी शेयर को 10 शेयरों में उप-विभाजित कर दिया, जैसा कि 17 जनवरी, 2024 को पोस्टल बैलेट के माध्यम से शेयरधारकों द्वारा अनुमत किया गया। कंपनी ने स्टॉक विभाजन के लिए रिकॉर्ड तिथि के रूप में 31 जनवरी, 2024 तय की थी। कंपनी ब्रांडनेम ग्रोफैमियो के साथ ताजे फलों के आयात एवं वितरण से लेकर होटल और ई-कॉमर्स में कार्यरत कॉर्पोरेट्स तक आपूर्ति श्रृंखला के व्यवसाय में संलग्न है। कंपनी तुर्की, वियतनाम, दक्षिण अफ्रीका, ग्रीस, चिली आदि में खेतों से फलों की सोर्सिंग करके अखिल भारतीय बाजार में ताजे फल परोसने के दृष्टिकोण से पेशेवर रूप से प्रबंधित है।

फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री ने लिया संन्यास

बोले- नए लोगों को मौका देने का समय है

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान फुटबॉल आइकन सुनील छेत्री ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान किया है। सुनील 6 जून को कुवैत के खिलाफ अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेलेंगे।उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक वीडियो पोस्ट कर संन्यास की घोषणा की और कहा कि वे कुवैत के साथ अपना अंतिम मैच खेलेंगे। वीडियो में उन्होंने अपने सफर पर बात की है और कहा कि अब नए लोगों को मौका देने का समय है। 39 साल के सुनील छेत्री ने भारत के लिए खेलते हुए कई बड़े रिकार्ड्स अपने नाम किए हैं।

संन्यास का ऐलान के साथ याद किया अपना सफर - सुनील छेत्री भारतीय फुटबॉल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने देश के लिए 150 मैचों में 94 गोल किए। इंटरनेशनल गोलस्कोररों की सूची में वह इस समय चौथे स्थान पर हैं। संन्यास की घोषणा करते हुए छेत्री ने अपने सफर को याद किया और कहा, मुझे आज भी याद है जब मैंने अपना पहला मैच खेला था। मेरा पहला मैच, मेरा पहला गोल, ये मेरे सफर का सबसे यादगार पल रहा।उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं देश के लिए इतने मैच खेल जाऊंगा।उन्होंने आगे कहा कि जब उन्होंने संन्यास लेने का तय किया तो उन्होंने सबसे पहले अपने माता-पिता और पत्नी को इस बारे में बताया।

अच्छे कॉलेज में दाखिले के लिए फुटबॉल से जुड़े थे शरारती सुनील छेत्री, इंस्पायर कर देगी स्टोरी

अल्हड़पन में शरारतों के शौकीन सुनील छेत्री बचपन में फुटबॉल के शौकीन नहीं थे और एक अच्छे कॉलेज में दाखिले के लिये ही खेल को जरिया बनाना चाहते थे लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था। उनके सैनिक पिता खारगा छेत्री हालांकि हमेशा से चाहते थे कि उनका बेटा पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बने और वह हासिल कर सके जो वह खुद नहीं कर पाए।

दिल्ली में सुनील ने फुटबॉल का ककहरा सीखना शुरू किया और सिटी क्लब से 2001-02 में जुड़े। इसके बाद वह मोहन बागान जैसे दिग्गज क्लब के साथ 2002 में जुड़े। इसके बाद जो हुआ, वह भारतीय फुटबॉल के इतिहास में दर्ज हो चुका है। करीब दो दशक के स्वर्णिम करियर के बाद छेत्री ने अगले महीने कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया है।

भारत के लिए सर्वाधिक 150 मैचों में सबसे ज्यादा 94 गोल कर चुके छेत्री भारतीय फुटबॉल के गढ कोलकाता में खेल को अलविदा कहेंगे। वह 2005 तक मोहन बागान के साथ रहे और 18 मैचों में आठ गोल दागे। इसके बाद भारत की अंडर 20 टीम और सीनियर राष्ट्रीय टीम से जुड़े। उन्होंने 2005 में पाकिस्तान के क्वेटा शहर में पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया। उनके पिता बलोचिस्तान प्रांत में अपने बेटे की सुरक्षा की छेत्री सीनियर को काफी चिंता हो रही थी चूंकि उस समय सुनील महज 20 साल के थे। ऐसे में छेत्री ने अपने पिता को दिलासा दी।

इसके 19 साल बाद एक बार फिर छेत्री सीनियर ने राहत की सांस ली है क्योंकि उनके बेटे ने उनका हर सपना पूरा कर दिया। आंध्रप्रदेश के सिकंदराबाद में तीन अगस्त 1984 को जन्मे छेत्री को यूं तो फुटबॉल विरासत में मिला था। उनके पिता भारतीय सेना के लिए और मां सुशीला नेपाल की राष्ट्रीय टीम के लिए खेल चुकी थी। भारतीय टीम में जगह बनाने के बावजूद अपने खिलंदड़ स्वभाव के लिए मशहूर छेत्री के लिए बहुत कुछ बदल गया जब तत्कालीन कोच बॉब हॉटन ने उन्हें 2011 एशियाई कप में बाईचुंग भूटिया के संन्यास लेने के बाद कप्तानी का जिम्मा सौंपा। अब उन्हें 'बैकबेंच% से आगे आना पड़ा। करियर के शुरूआती दिनों में उन्हें सलाह देने के लिए भूटिया जैसे दिग्गज थे लेकिन उनके संन्यास लेने के बाद छेत्री ने अपने दम पर नए मुकाम तय किए। इतने साल में यूं तो कई प्रतिभाशाली फुटबॉलर पैदा हुए लेकिन कोई दूसरा बाईचुंग भूटिया या सुनील छेत्री नहीं निकला।

मैदान पर उपलब्धियों की नई दास्तान लिखते जा रहे छेत्री ने भारतीय फुटबॉल महासंघ पर फीफा का निलंबन, उसके पदाधिकारियों और कोचों पर यौन उत्पीड़न के आरोप, भ्रष्टाचार और गुटबाजी सब कुछ देखा।

भारतीय फुटबॉल में अपना कोई वारिस नहीं देखकर छेत्री अंतरराष्ट्रीय करियर को विस्तार देने के लिए अपने दोस्त विराट कोहली की सलाह पर 'वीगन (शाकाहार और दुग्ध उत्पाद रहित खाना) हो गए। नीली जर्सी और नारंगी आर्मबैंड पहनकर पिछले दो दशक से देश के लिए दनादन गोल करते आ रहे छेत्री ने क्रिकेट के दीवाने देश में फुटबॉल को सुर्खियों में लाने का काम भी बखूबी किया है। उनके फन का लोहा भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार कोहली ने भी माना है जो उनके योगदान की बानगी देता है।

संक्षिप्त समाचार

विराट कोहली ने संन्यास को लेकर दिया बड़ा बयान

मैं जब तक खेलना जारी रखूंगा तब तक अपना बेस्ट देता रहूंगा।

बेंगलूर (एजेंसी)। इस बार के आईपीएल सीजन में रॉयल चैंलेजर्स बेंगुलरु के स्टार बल्लेबाज और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली काफी कमाल के फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वहीं बात करें आरसीबी की तो अभी भी उनकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नजर आ रही हैं। इन सब के बीच विराट कोहली को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। आरसीबी द्वारा एक पोडकास्ट में कोहली ने अपने करियर से जुड़े कई सवालों के जबाव दिए, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट संन्यास को लेकर भी बात की। इसके साथ ही कोहली के टी20 विश्व कप की टीम में चयन को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए थे जिसका जवाब उन्होंने दिया।

आईसीसी रैंकिंग

शाकिब के साथ हसरंगा शीर्ष स्थान पर, बल्लेबाजों में सूर्यकुमार टॉप पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या टी20 हरफनमौलाओं की आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पांड्या 185 अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। हसरंगा और शाकिब के 228 अंक हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी 218 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के 210 अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम पांचवें स्थान पर और आस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस छठे स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव 861 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट 802 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (781), बाबर आजम (761) और दक्षिण अफ्रीका के मार्करम (755) उनके बाद है। भारत के यशस्वी जायसवाल 714 अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद, हसरंगा और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन शीर्ष तीन स्थानों पर हैं। भारत के अक्षर पटेल चौथे स्थान पर हैं।

आज हार्दिक पंड्या का होगा खेल खत्म या मुंबई की बचेगी लाज?

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स की टक्कर

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम पर अपने आखिरी मैच में जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेने की कोशिश करेंगी। मुंबई इंडियंस काफी पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स अगर आखिरी मैच में भारी अंतर से जीत दर्ज करती है तो भी उसके अंतिम चार में पहुंचने की संभावना नगण्य हैं। तीन मैचों में लगातार हार से लखनऊ ने अंक भी गंवाये और रनरेट भी खराब हो गया।

लखनऊ को मिली लगातार 3 हार

केकेआर से 98 रन से हार के बाद उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने दस विकेट से और दिल्ली कैपिटल्स ने 19 रन से हराया। सातवें स्थान पर काबिज लखनऊ का नेट रनरेट माइनस 0 . 787 है जबकि छठे स्थान की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का रनरेट 0 . 387 है।

प्लेऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी थी मुंबई

पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम थी। नये कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ इस सत्र में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। अब तक 13 मैचों में बस चार जीत सकी मुंबई इंडियंस शुक्रवार को जीत जाती है तो उसके दस अंक होंगे जिससे वह आखिरी स्थान पर रहने से बच सकती है। सत्र से पहले रोहित शर्मा की जगह पंड्या को कप्तानी सौंपे जाने से मुंबई के प्रशंसकों में काफी आक्रोश था जिसका टीम के प्रदर्शन पर भी असर पड़ा।

बल्लेबाजों ने पूरी तरह निराश किया तो गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह (13 मैचों में 20 विकेट)दूसरे गेंदबाजों को अच्छे प्रदर्शन के लिये प्रेरित नहीं कर सके। इस मैच में फोकस विश्व कप टीम में शामिल पंड्या, रोहित , बुमराह और सूर्यकुमार यादव पर रहेगा। रोहित पिछली छह पारियों में नाकाम रहे हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 19 रन रहा। वहीं पंड्या भी हरफनमौला की भूमिका बखूबी नहीं निभा सके। सूर्यकुमार यादव ने तीन अर्धशतक और एक शतक जमाकर आत्मविश्वास हासिल किया है।

मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

मुंबई संभावित प्लेइंग 11- ईशान किशन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नमन धीर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), टिम डेविड, अंशुल कंबोज, पीयूष चावला, जसप्रित बुमराह, नुवान तुषारा।

लखनऊ संभावित प्लेइंग 11- क्विंटन डिकॉक, केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, क्रुणाल पंड्या, अरशद खान, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक।

'उम्मीद है कि वह दो साल और खेलेंगे', धोनी के संन्यास पर बोले सीएसके के कोच

बेंगलुरू (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हस्सी को उम्मीद है कि करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी अगले दो साल और टीम के साथ रहेंगे क्योंकि वह बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं। आईपीएल 2024 की शुरूआत से एक दिन पहले रूतुराज गायकवाड़ को कप्तानी सौंपकर 42 वर्ष के धोनी ने सभी को हैरान कर दिया था।

हस्सी ने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह खेलते रहेंगे। वह इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह शिविर में जल्दी आकर काफी अभ्यास करते हैं और पूरे सत्र में फॉर्म में रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम उनके कार्यभार को अच्छे से मैनेज कर पाए हैं। पिछले सत्र के बाद उनके घुटने का ऑपरेशन हुआ था। वह टूर्नामेंट के इस सत्र में शुरूआती चरण से उसे मैनेज कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह दो साल और खेलेंगे। वैसे इस बारे में फैसला तो वही लेंगे। मुझे नहीं लगता कि इतनी जल्दी कोई फैसला आएगा।

धोनी के कप्तानी छोड़ने के फैसले के बारे में उन्होंने कहा, 'एमएस ने कहा कि वह टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की बैठक में भाग नहीं लेंगे। और हम सब हैरान हो गए कि क्या हो रहा है। फिर उन्होंने कहा कि अब से रूतुराज कप्तान होगा। शुरूआत में झटका लगा लेकिन हमें पता था कि रूतुराज सही पसंद है।

क्रिकेट मेरे खून में है... दिग्गज उसेन बोल्ट को ऐसा क्यों कहना पड़ा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्राटा के शहंशाह उसेन बोल्ट को पिता से क्रिकेट का जुनून विरासत में मिला है लिहाजा उनके खून में है और उनका पसंदीदा प्रारूप टी20 है। आठ ओलिंपिक स्वर्ण जीत चुके बोल्ट जमैका में बचपन के दिनों में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। अगले महीने से होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के दूत बोल्ट का क्रिकेट से जुड़ने का सपना आखिर किसी रूप में साकार हुआ।

बोल्ट ने न्यूयॉर्क से मीडिया को फोन पर दिये इंटरव्यू में कहा ,'मैं क्रिकेट देखकर बड़ा हुआ हूं। मेरे पिता क्रिकेट के शौकीन रहे हैं और आज भी हैं। यह मेरे खून में है। मैं क्रिकेट से दूत के रूप में जुड़ रहा हूं जो शानदार है। क्रिकेटर बनने का मेरा सपना तो पूरा नहीं हुआ लेकिन टी20 विश्व कप का दूत होना शानदार है।'

टी20 है बोल्ट को सबसे ज्यादा पसंद - अपने सात साल के कैरियर में 100 और 200 मीटर के विश्व रिकॉर्डधारी बोल्ट अनेक उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं।पिछले कुछ महीने संगीत और फुटबॉल का अपना शौक पूरा करने के लिये दुनिया घूमने वाले बोल्ट को टीवी पर क्रिकेट और आईपीएल देखने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा ,'मैं उतना क्रिकेट नहीं देख सका लेकिन जब भी मौका मिलता है, मैं टी20 मैच देखता हूं।' उन्होंने कहा ,'यह मेरा पसंदीदा प्रारूप है। इसमें आपको मजबूत, तेज और अच्छी रणनीति बनाने में माहिर होना पड़ता है। इसमें टेस्ट और वनडे दोनों का जादू देखने को मिलता है।'

बचपन में वसीम अकरम थे बोल्ट के फेवरेट - बोल्ट ने कहा ,'वेस्टइंडीज में टी20 और वनडे अभी भी लोकप्रिय है। लोगों को टेस्ट क्रिकेट उतना पसंद नहीं आता है। यह खेल की रफ्तार से जुड़ा है। आंद्रे रसेल जैसे बिग हिटर को देखने में मजा आता है। वेस्टइंडीज में टी20 क्रिकेट काफी लोकप्रिय है।' बचपन के दिनों की क्रिकेट की उनकी यादों में वसीम अकरम की इनस्विंग यॉर्कर भी शामिल है। उन्होंने कहा ,'बचपन में वसीम अकरम मेरे फेवरिट थे। इनस्विंग यॉर्कर की वजह से। कर्टनी वॉल्श और कर्टली एम्बरोज भी थे। अपने पिता की तरह मैं वेस्टइंडीज का समर्थक था लेकिन मुझे सचिन तेंदुलकर भी पसंद हैं। वह और ब्रायन लारा मेरे बचपन की यादों का हिस्सा है।' मौजूदा क्रिकेटरों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि विराट कोहली का कोई सानी नहीं।

ईशान किशन और टिम डेविड में हुई पटकी-पटका, भारतीय ने कंगारू को यूं दबोच लिया

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 सीजन में अपना आखिरी मुकाबला खेलने को तैयार मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। वह 17 मई यानी शुक्रवार को आखिरी मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलने उतरेगी। मुंबई इंडियंस की कोशिश होगी कि वह इस सीजन का आखिरी मैच अपने घरेलू मैदान पर जीतकर कम से कम फैंस को कुछ खुशी के पल दे। हालांकि, इससे पहले मुंबई ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उसके दो खिलाड़ी मल्लयुद्ध करते नजर आ रहे हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि ईशान किशन और टिम डेविड एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज पूरा जोर लगाकर कंगारू ऑलराउंडर के दोनों पैरों को दबोच लेता है, लेकिन भारी भरकम शरीर वाले टिम कुछ ही देर में खुद को छुड़ा लेते हैं। 30 सेकंड के इस वीडियो में एक वक्त आता है, जब दोनों एक-दूसरे पर पलटी मारते हैं और फिर हांफते हुए छोड़कर पीछे हट जाते हैं।

पूरे वीडियो में हालांकि दोनों खिलाड़ी सीरियस नहीं दिखते हैं। एक दोस्ताना माहौल में वे लड़ते नजर आ रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- चेतावनी... ये पूरी तरह से ट्रेनिंग ट्रेंड प्रोफेशनल (प्रशिक्षित पेशेवर) हैं। कृपया इसे घर पर ट्राई न करें। साथ ही उसने इमोजी भी शेयर की।

संक्षिप्त समाचार

दूसरे से संपर्क में रहने का शक, नोएडा में लिव इन पार्टनर की हत्या से सनसनी

नईदिल्ली, एजेंसी। लिव इन पार्टनर की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि यहां 35 साल के एक शख्स ने अपनी 50 साल के लिव इन पार्टनर की हत्या कर दी। इस युवक को शक था कि उसकी लिव इन पार्टनर का किसी अन्य शख्स के साथ अफेयर था। बुधवार को पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आरोपी गौतम, विनिता सेक्टर 42 में एक साथ रहते थे। पुलिस ने कहा कि वो दोनों पिछले तीन सालों से रिलेशनशिप में थीं। महिला के पति के बाद दोनों साथ में रह रहे थे। मंगलवार की रात दोनों के बीच बहस हुई थी। इसके बाद आरोपी ने अपने लिव इन पार्टनर से मारपीट की थी जिसके बाद वो बेहोश हो गई थी। इसके बाद वो घर छोड़ कर चला गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा इसके बाद महिला को कुछ स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस मामले में जांच शुरू कर दी गई। इसके बाद गौतम को तलाशा गया और उसे कस्टडी में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कहा कि दोनों के बीच बहस लड़ाई में तब्दील हो गई। पूछताछ में आरोपी ने कहा कि उसे शक था कि विनिता किसी और के साथ संपर्क में थी। पुलिस ने कहा कि मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया था जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बृजभूषण शरण मुस्लिमों से बोले- कोई कहे न कहे, हम कहते हैं, आप लोग हमारा ही खून

कैसरगंज , एजेंसी। उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह बेटे करण भूषण सिंह बीजेपी से मैदान में है। यहां बेटे को जिताने के लिए सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पूरी ताकत झोंक दी है। बृजभूषण शरण कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में प्रचार कर लोगों से संपर्क कर पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। इस बीच अल्पसंख्यक संवाद कार्यक्रम में सांसद बृजभूषण शरण ने एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कोई कहे या न कहे, हम कहते हैं कि आप हमारा ही खून खून हैं। कोई डीएनए करा ले तो पांच पीढ़ी पहले हम एक ही निकलेंगे। आपके लिए हम बदनाम हैं और आप हमारे लिए बदनाम हैं, इसलिए बो तो पक्ष में बो नहीं तो न बो, कम से कम फायदा न करो तो नुकसान न करो। मैं आपका अहसानमंद रहूंगा। हर सुख दुख में आपके साथ खड़ा रहूंगा। वो लोग न आए हैं न आएंगे। हमारा आपका मिलना बढ़ेगा और भाईचारा बढ़ेगा। आपको बता दें कि भाजपा ने अबकी बार कैसरगंज से उन्हें मैदान में न उतारकर उनके छोटे बेटे करण भूषण सिंह पर दांव लगाया है। 26 साल बाद संसदीय चुनाव के इतिहास में यह पहला मौका होगा जब चुनावी रण में बृजभूषण शरण नहीं होंगे। छात्र राजनीति में अपना दबदबा कायम करने के बाद 1991 में बृजभूषण शरण सिंह पहली बार गोण्डा से लोकसभा का चुनाव भाजपा के टिकट पर लडे और जीत हासिल की। 1971 के बाद मनकापुर राजघराने की इस सीट पर उन्होंने बादशाहत समाप्त की। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की पत्नी अनीता गोयल का निधन

मुंबई , एजेंसी। जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की पत्नी अनीता गोयल का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं। अनीता गोयल के परिवार में उनके पति और दो बच्चे नम्रता और निवान गोयल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनीता गोयल ने गुरुवार तड़के तीन बजे अंतिम सांस ली। अनीता गोयल जेट एयरवेज के ऑपरेशन्स से जुड़ी हुई थीं और वह एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट थीं। नरेश गोयल, जो खुद कई स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं, ने अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए मानवीय आधार पर इस महीने की शुरुआत में बॉम्बे हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मांगी थी। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 1 सितंबर, 2023 को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं और आर्थर रोड सेंट्रल जेल (एआरसीजे) में बंद हैं।

राम के आने का क्या फल मिला? गौ हत्या बंद क्यों नहीं हुई - शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

भरतपुर , एजेंसी।
जगदुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बुधवार को राजस्थान के भरतपुर में धर्मसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, राम जन्म भूमि में राम को लाने से क्या हुआ तो, कृष्ण जन्म भूमि में कृष्ण को भी लाया जाए।शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने बिहारी जी मंदिर के बाहर धर्मसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि में राम आ गए ऐसा कहा जा रहा है, लेकिन उनके आने का फल क्या हुआ, ये देखना होगा। उनके आने से अच्छा फल हुआ तब तो कृष्ण जन्मभूमि में कृष्ण को भी लाया जाए और उनके आने का कोई फल नहीं मिला तो फिर कृष्ण को भी लाने का क्या फल मिलेगा। राम जन्मभूमि में राम के आने के बाद देश में गौ हत्या बंद हो जानी चाहिए।यह हम सनातनियों के माथे पर बहुत बड़ा कलंक है। इसलिए राम के आने का पहले फल मिले। देश में गौ हत्या बंद हो। जब राम के आने का फल मिल जाए तो कृष्ण को भी लाया जाए।

नाना पटोले पर साधा निशानाः कांग्रेस नेता नाना पटोले के राम मंदिर के शुद्धिकरण वाले बयान पर शंकराचार्य ने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल तक देश पर राज किया है और 55 साल गौ हत्या की है। इसलिए राममंदिर को शुद्ध करने से पहले कांग्रेस पार्टी को शुद्ध होना पड़ेगा।

इसके लिए सारे कांग्रेसी मुंडन कराएं, पंचागव्य पिएं और गौ माता के सामने साष्टांग करें। जो खुद गौ हत्या का पापी है, वो मंदिर के शुद्धिकरण की बात करते अच्छा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से राममंदिर बना है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने की ताकत खुद भाजपा में भी नहीं है। शंकराचार्य ने कहा कि गाय हम सनातनियों के लिए गुरु और भगवान से भी पहले है। इसलिए हम पहली रोटी गाय के लिए निकालते हैं। मोदी सरकार पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि कुर्सी पर बैठे हुए 10 साल हो गए, लेकिन हिंदू जैसा काम नहीं किया। गौ हत्या बंद नहीं कराई, बल्कि गाय काटते चले जा रहे हैं और बढ़ावा दे रहे हैं।

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाना प्राथमिकता

शंकराचार्य ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गौ माता संकल्प यात्रा राजस्थान के 50 जिलों में निकलेगी। गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं है, बल्कि हमारी आस्था व हमारी पहचान है। गौ माता को उसका खोया सम्मान दिलाना होगा। हमारी ऋषि परंपरा में गाय को मानव समाज में सर्वोच्च दर्जा प्राप्त है। गौ माता में 33 कोटी देवी-देवताओं का निवास है। आज देश भर में गौ हत्या हो रही है. हमें अपने पूर्वजों की विरासत को संभाल कर रखना चाहिए।

बेटी ने 75 साल के पिता के लिए चुनी दुल्हनिया, गुजरात में इस शादी की खूब हो रही चर्चा

महिसागर , एजेंसी।
गुजरात में एक शादी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। गुजरात के महिसागर जिले में 75 साल के एक शख्स ने 60 साल की महिला से शादी की। बताया जाता है कि खेती काम करके अपना गुजर करने वाले साइबा भाई डामोर की शादी उनकी बेटी ने ही कराई। बेटी ने पिता की शादी के लिए 60 साल की कंकुबेन परमार के साथ रिश्ता तय किया। साथ ही समाज के साथ मिलकर सामाजिक रस्म रिवाजों को भी निभाया। अपनी दूसरी शादी से साइबा भाई डामोर काफी खुश नजर आए। उन्होंने डीजे पर जमकर डांस किया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गुजरात के महिसागर जिले के खानपुर तालुका के अमेठी गांव के निवासी 75 साल के सायबा भाई डामोर की बेटी ने उनकी शादी कराई। बेटी ने पिता की शादी के लिए दुल्हन के रूप में 60 साल की कंकु बेन परमार को चुना। खेती काम करके अपना गुजर करने वाले साइबा भाई डामोर की पहली पत्नी का निधन 2020 में हुआ था। कंकु बेन परमार के पूर्व पति का भी निधन हो चुका है। बताया जाता है कि बेटी ने पिता की शादी के रस्म रिवाजों को भी बखूबी निभाया।

इस शादी से साइबा भाई डामोर काफी खुश नजर आए। उन्होंने डीजे की धुन पर जमकर डांस किया। पूरा गांव इन दो बुजुर्गों की शादी में शामिल हुआ। विधुर साइबा भाई और विधवा कंकु बेन लंबे अर्से से एकाकी जीवन गुजार रहे थे। बेटी की पहल पर दोनों ने एक-दूसरे के साथ बाकी का जीवन गुजराने का फैसला किया। साइबा भाई की एक ही बेटी थी, जिसकी शादी हो चुकी है। बेटी को बुजुर्ग पिता की फिक्र थी क्योंकि परिवार में कोई नहीं था। इस वजह से बेटी और दामाद ने मिलकर पिता की शादी कराने का फैसला किया। बताया जाता है कि साइबा भाई घर के सारे काम खुद ही करते हैं। वह अपने लिए भोजन भी पकाते हैं। बेटी से उनका दर्द देखा नहीं जाता था। इसी वजह से उसने पिता की शादी कराने का फैसला किया। शादी के बाद साइबा भाई ने कहा कि बुढ़ापे में मेरा कोई सहारा नहीं था। मुझे लाठी पकड़कर सारा काम करना पड़ता था। मैं शादी के बाद बहुत खुश हूं। कंकु बेन अपने मामा की लड़की के घर रहती थी।

नोएडा पुलिस ने मिटाया चाचा का कलंक, 10 महीने बाद बिछड़े भतीजे से मिलाया; इंस्टाग्राम से मिली लोकेशन

नईदिल्ली, एजेंसी।
पेपर खराब होने के बाद फेल होने के डर से चाचा के घर से 21 जुलाई 2023 को लापता हुए किशोर को नोएडा पुलिस ने बुधवार को दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास से सकुशल बरामद कर लिया। किशोर की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर कुछ युवकों के साथ दिखी थी। इसके बाद उसको तलाशा गया। डीसीपी नोएडा विद्यासागर मिश्र ने बताया कि बीते साल जुलाई में सेक्टर-22 निवासी अखंड प्रताप सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनका 14 वर्षीय भतीजा रनवीर शाम चार बजे कोचिंग के लिए निकला था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचा। देर रात तक भी जब किशोर घर नहीं लौटा तो इसकी शिकायत पुलिस से की गई।

पुलिस ने उसको काफी तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस की एक टीम लगातार इस मामले को देख रही थी। उसकी तस्वीर जगह-जगह दीवारों पर चस्पा की गई। चार दिन पहले किशोर की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर कुछ युवकों के साथ दिखी। इंस्टाग्राम पोस्ट की लोकेशन हरिद्वार की थी। इसके बाद एडिशनल डीसीपी की अगुवाई में टीम को हरिद्वार रवाना किया गया। टीम ने पोस्ट में दिख रहे युवकों से जब संपर्क किया तो पता चला कि किशोर इस समय दिल्ली में है। इसके बाद टीम दिल्ली पहुंची और जब वह बंगला साहिब गुरुद्वारे से लंगर खाकर निकल रहा था तभी टीम के साथ गए उसके चाचा ने बच्चे को पहचान लिया। किशोर को उसके चाचा के सुपुर्द कर दिया गया। भतीजे को सही सलामत देख उसके चाचा गुरुद्वारे के बाहर ही उससे लिपटकर रोने लगे। उन्होंने पुलिस का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके ऊपर एक कलंक लग गया था जिसे नोएडा पुलिस ने मिटा दिया है। गुमशुदगी के लिए इस दौरान किशोर पॉटरी का काम करने लगा था, ताकि उसका जेब खर्च भी चलता रहा। वह हरिद्वार भी गया था। डीसीपी नोएडा की ओर से किशोर को सकुशल बरामद करने वाली टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया गया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने भी टीम का उत्साहवर्धन किया है। पूछताछ में किशोर ने बताया कि उसके पिता छत्तीसगढ़ के सरदूजा जिले के अम्बिकापुर कस्बे में कारोबार करते हैं। रनवीर का बचपन से ही पढ़ने में मन नहीं लगता था। पढ़ने के लिए रनवीर के पिता ने उसे अपने भाई अखंड के पास नोएडा भेजा।

राष्ट्रपति बनने के 9 दिन भीतर चीन पहुंचे पुतिनः जिनपिंग ने रेड कारपेट वेलकम दिया

बीजिंग, एजेंसी। व्लादिमीर पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बनने के बाद गुरुवार को चीन पहुंचे। वे राष्ट्रपति बनने के 9 दिन के भीतर ये दौरा कर रहे हैं, वो भी ऐसे समय जब रूसी सेना ने यूक्रेन के खार्कीव शहर में घुस रही है। पुतिन 2 दिन चीन में रहेंगे। चीन पहुंचने पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन को रेड कारपेट वेलकम दिया। इस दौरान सोवियत ऐरा की धुन बजाई गई। कतर के न्यूज चैनल अलजजीरा के मुताबिक, पुतिन अपनी यात्रा के दौरान चीन से यूक्रेन जंग में समर्थन जारी रखने की मांग करेंगे। वे इससे पहले अक्टूबर 2023 में चीन गए थे। रूस-यूक्रेन जंग के शुरूआती दिनों में ही पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग कह चुके हैं कि उनकी आपसी साझेदारी की कोई सीमा नहीं है। जिनपिंग ने मार्च 2023 में मॉस्को का दौरा किया था, तब उन्होंने कहा था कि ये दोनों देशों के बीच नए युग की शुरुआत है। जिनपिंग रूस से सस्ते दामों पर गैस आयात करने और पावर ऑफ साइबेरिया पाइपलाइन के बारे में चर्चा करेंगे। इस पाइपलाइन के जरिए

रूस साइबेरिया से मंगोलिया होते हुए चीन को गैस सप्लाई करता है। वहीं, पुतिन इस यात्रा के दौरान यूक्रेन के खिलाफ आधुनिक हथियार और लंबी दूरी वाले ड्रोन की डील करने की कोशिश करेंगे। हालांकि, दोनों देशों ने ऐसी किसी भी बात से इनकार किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और लोगों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत करेंगे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, दोनों नेता बातचीत के बाद एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करेंगे। दोनों नेता रूस-चीन की 75 सालों की दोस्ती का जश्न मनाते हुए शाही भोज में भी शामिल होंगे। पुतिन ने अपनी यात्रा से पहले यूक्रेन जंग में मदद करने के लिए बीजिंग की इच्छा की सराहना की थी। पुतिन चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से भी मिलेंगे। साथ ही व्यापार और निवेश प्रदर्शनी के लिए पूर्वोत्तर शहर हार्बिन की यात्रा भी करेंगे। चीनी सीमा शुल्क आंकड़ों के मुताबिक, यूक्रेन पर हमले के बाद से चीन-रूस व्यापार में तेजी आई है। वर्ष 2023 में व्यापार 20 लाख करोड़ रुपए हो गया है, लेकिन मार्च और अप्रैल के दौरान रूस को चीनी निर्यात में गिरावट आई।

दुबई में भारतीयों के पास डेढ़ लाख करोड़ की प्रॉपर्टी

दुबई एजेंसी। दुनियाभर के अमीरों में दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। भारत के 29 हजार 700 लोगों के पास दुबई में 35 हजार प्रॉपर्टीज हैं। इनकी कीमत 1.42 लाख करोड़ रुपए है। सेंटर फॉर एडवांस डिफेंस स्टडीज को मिले डेटा के आधार पर 58 देशों के 74 मीडिया हाउस ने यह रिपोर्ट तैयार की है।

रिपोर्ट को दुबई अनलॉक्ड नाम दिया गया है। इसमें 2020-22 तक दुबई में विदेशियों की संपत्ति की डीटेल साझा की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस लिस्ट सबसे ऊपर भारतीयों का नाम है। संपत्ति के मामले में दूसरे नंबर पर पाकिस्तान है। यहां के 17 हजार लोग करीब 23 हजार प्रॉपर्टीज के मालिक हैं। इनकी कुल कीमत 91.8 हजार करोड़ है।

मुकेश अंबानी के पास दुबई में 2 हजार करोड़ की प्रॉपर्टीजः सूची में तीसरे नंबर पर ब्रिटेन और चौथे पर सऊदी अरब के नागरिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पास दुबई में 2 हजार करोड़ की संपत्ति है। वहीं लुलु ग्रुप के चेयमैन एमए यूसुफ अली और उनके परिवार के पास 585 करोड़ की प्रॉपर्टी है।

इस लिस्ट में अरबपति गौतम अडाणी के भाई का भी नाम है। इसके अलावा बॉलीवुड स्टार्स जैसे शाहरुख खान, अनिल कपूर और शिल्पा शेट्टी भी दुबई में करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 के आंकड़ों के हिसाब से दुबई में विदेशियों के पास कुल 160 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनमें दुनियाभर में भ्रष्टाचार के आरोपी राजनेता, सेलेब्रिटीज, बिजनेसमैन के अलावा ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से लेकर पूर्व सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ तक का नाम इस लिस्ट में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2014 में अब्दुल गनी माजिद नाम के व्यक्ति ने दुबई का एक पेंटहाउस जरदारी को तोहफे में दिया था। इसकी कीमत तब 2.74 हजार करोड़ रुपए थी। बाद में राष्ट्रपति ने यह संपत्ति अपनी बेटी को तोहफे में दे दी। जरदारी के बेटे और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के पास भी दुबई में प्रॉपर्टी है। उनके अलावा नवाज शरीफ के बेटे हुस्सैन नवाज शरीफ, गृह मंत्री मोहसिन नकवी, कई सांसद और विधायक भी दुबई में करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। जापानी मीडिया निक्केई एशिया ने दुबई अनलॉक्ड रिपोर्ट के हवाले से बताया कि दुबई में कई आतंकी संगठन के सदस्यों के पास भी लाखों-करोड़ों की संपत्ति है। इनमें हूती विद्रोहियों और लेबनान से ऑपरेट होने वाले हिजबुल्लाह संगठन के सदस्यों का नाम शुमार है।

नियमों का उल्लंघन किया तो होगी कानूनी कार्रवाई, चीन ने फिलीपींस को जारी की चेतावनी

बीजिंग, एजेंसी। फिलीपींस के कार्यकर्ताओं ने दक्षिण चीन सागर में एक विवादित चीन की ओर यात्रा शुरू कर दी। जिस कारण से चीन ने पश्चिम फिलीपींस सागर में मिशन की अनुमति देने के लिए चेतावनी जारी की है। कई सारी मछलियों को पकड़ने वाली नावों का एक बेड़ा फिलीपींस से स्कारबोरो शोल के लिए निकला है। स्कारबोरो शोल फिलीपींस के मुख्य द्वीप लूर्जान से लगभग 240 किमी पश्चिम में स्थित हैं। इस क्षेत्र पर चीन ने 2012 में जब्त कर लिया था। जबकि यह क्षेत्र फिलीपींस के अंदर है। बता दें कि कुछ समय पहले हुई एक घटना में स्कारबोलो शोल के पास चीनी तट रक्षक जहाजों से पानी की बौछार से फिलीपींस तट रक्षक जहाज को निशाना बनाया था। इससे फिलीपींस जहाज क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके अलावा एक अन्य विवादित क्षेत्र में स्कारबोरो शोल और सेकेंड थॉमस शोल के पास दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया। क्योंकि फिलीपींस के एक युद्धपोत को जानबूझकर खड़ा किया गया था। चीन फिलीपींस, ताइवान और वियतनाम जैसे पड़ोसी देशों के प्रतिद्वंदी दावों को दरकिनार कर दक्षिण चीन सागर के हिस्से पर हक का दावा करता है। वहीं चीन ने फिलीपींस को चेतावनी जारी की है, जिसमें पश्चिम फिलीपींस सागर में फिलीपीन मछुआरों को दी गई अनुमति का गलत इस्तेमाल न करें।

जून-सितंबर में एक मंच पर होंगे वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपति, बाइडन की बहस की चुनौती ट्रंप ने की स्वीकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के बीच जून और सितंबर में बहस के लिए आमने-सामने होने वाले हैं। दरअसल, दोनों ही नेता व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप और बाइडन दोनों ने बहस का निमंत्रण स्वीकार किया। पहली बहस 27 जून को सीएनएन और दूसरी बहस 10 सितंबर को एबीसी न्यूज की तरफ से आयोजित की गई है।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने पुष्टि की कि उन्होंने बहस के लिए सीएनएन के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, मुझे 27 जून को बहस के लिए सीएनएन की तरफ से निमंत्रण मिला। मैंने इसे स्वीकार कर लिया। अब ये आपके ऊपर है डोनाल्ड ट्रंप। जैसा कि आपने कहा, कभी भी, कहीं भी। एक अन्य पोस्ट में राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, मैंने एबीसी न्यूज के निमंत्रण को भी स्वीकार कर लिया है। बहस 10 सितंबर को आयोजित की जाएगी। ट्रंप का कहना है कि वह अपने परिवहन की व्यवस्था खुद करेंगे। मैं भी अपना विमान लाऊंगा। मैं इसे अगले चार वर्षों तक रखने की योजना बना रहा हूं। एक बार फिर व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने भी निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इस बात की घोषणा करते हुए उन्होंने बाइडन की आलोचना की और उन्हें अमेरिका के इतिहास का सबसे खराब राष्ट्रपति बताया। एक्स पर पोस्ट करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, बाइडन के खिलाफ 27 जून को सीएनएन की बहस में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात। वह अमेरिका के इतिहास का सबसे खराब राष्ट्रपति है। लोकतंत्र के लिए खतरा। मैंने 10 सितंबर को एबीसी के बहस का निमंत्रण भी स्वीकार कर लिया। डीजेटी आपका धन्यवाद।

इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक वीडियो में अपने प्रतिद्वंद्वी को बहस के लिए चुनौती देते हुए दिखे। उन्होंने कहा, 2020 में डोनाल्ड ट्रंप मुझ से दो बहस हार गए थे। इसके बाद से उन्होंने बहस नहीं की। अब वह ऐसा दिखा रहे हैं, जैसे वह फिर से बहस करना चाहते हैं। बाइडन ने आगे कहा, खैर, मेरा दिन बनाओ दोस्त। मैं इसे दो बार भी करूंगा। इसलिए दिन चुने डोनाल्ड। मैंने सुना कि आप बुधवार को खाली हैं। बाइडन के तंज पर ट्रंप ने भी पलटवार करते हुए उन्हें सबसे खराब बहस करने वाला बताया। ट्रंप ने आगे कहा, वे (बाइडन) दो वाक्यों को एक साथ नहीं बोल सकते। वह अमेरिका के इतिहास का सबसे खटिया राष्ट्रपति है। इसी के साथ उन्होंने बाइडन पर विनाशकारी खुली सीमा नीति, उच्च कर, कमजोर विदेश नीति समेत कई अन्य मुद्दों पर घेरा।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि वह दो से ज्यादा बहस के लिए तैयार हैं। बता दें कि नवंबर में बाइडन और ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक दूसरे के आमने-सामने हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129